www.epaper.azadsipahi.in

04 सितंबर, 2025
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, द्वादशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 315

चीन ने अमेरिका तक दागने वाली मिसाइलें दिखायीं

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

मोदी सरकार ने कॉमन मैन से किया वादा पूरा किया

आम लोगों का जीएसटी

नयी जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जीएसटी काउंसिल ने आम लोगों और आम उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए कई जरूरी वस्तुओं को कर मुक्त कर दिया है। अब दूध, छेना और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसके साथ ही रोटी, पराठा और अन्य दैनिक उपयोग की चीजों को भी टैक्स से मुक्त किया गया है। काउंसिल के फैसला से 179 चीजें सस्ती होंगी। जिनमें कई खाद्य पदार्थ, दवाइयां और जीवन से जुड़ी आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। यह कदम महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों को राहत देने के लिए उठाया गया है। नयी जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में 12 और 28 फीसदी टैक्स स्लैब हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। यह जानकारी केंद्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने काउंसिल की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्ट्रक्चर को सरल करने के लिए दो स्लैब 5 और 18 फीसदी ही नवरात्रि के पहले दिन यानी 22 सितंबर से लागू किये जायेंगे। इससे करीब 175 चीजें सस्ती होंगी। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी जीएसटी खत्म कर दिया गया है। निर्मला सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पिज्जा ब्रेड, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी से मुक्त होंगे। इसके अलावा सीमेंट पर टैक्स 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 40 फीसदी जीएसटी लगाया जायेगा। यह बैठक दो दिन (3-4 सितंबर) होनी थी, जिसे एक दिन में ही खत्म कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर सारे राज्यों की सहमति मिली है।

नशा हुआ महंगा

- लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 40% जीएसटी लगाया जायेगा। लग्जरी कारें, 350 सीसी से अधिक की मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आयेंगे। चीनी, स्वीटनर या फ्लेवर युक्त सभी वस्तुओं (जिसमें कोल्ड ड्रिंक्स भी शामिल हैं) पर कर की दर 28% से बढ़ाकर 40% कर दी है।

हेल्दी जीएसटी

- जान बचाने वाली दवाएं, हेल्थ से जुड़े प्रोडक्ट और कुछ मेडिकल डिवाइस पर टैक्स 18% से घटकर 5% या जीरो हो गया है। इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी।

सस्ता-सस्ता-सस्ता

- दूध (यूएचटी), छेना, पनीर (प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले) पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा।
- रोटी, चपाती, पराठा और पिज्जा ब्रेड को भी जीएसटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।
- मक्खन, घी, बटर ऑयल, चीज, कंडेंस्ड मिल्क, कोको पाउडर, चॉकलेट, आटा-मैदा से बने तैयार खाद्य उत्पाद, पास्ता, नूडल्स, केक, बिस्किट, आइसक्रीम आदि पर टैक्स 18% या 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।
- खजूर, अंजीर, आम, संतरा, नींबू जैसे सूखे फलों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया।
- ड्राईफ्रूट्स जैसे बादाम, पिस्ता, हेजलनट, पाइन नट्स आदि पर भी अब सिर्फ 5% जीएसटी लगेगा।
- चीनी, गुड़, शुगर सिरप पर 12 फीसदी से टैक्स घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।
- मिठाई, नमकीन, जैम, जेली, आचार, सॉस, आइसक्रीम जैसी चीजों पर भी अब केवल 5% जीएसटी।
- 5 से 0 में जाने वाले खाद्य पदार्थ: यूएचटी दूध, छेना और पनीर, सभी भारतीय ब्रेड्स, रोटी, पराठा, चपाती पर कोई टैक्स नहीं।
- 12-18 से पांच फीसदी पर आने वाले: खाने के आइटम- सॉस, पास्ता, कॉर्नफ्लेक्स, घी, बटर, इंस्टैंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी और प्रीजर्व्ड मीट शामिल हैं।
- सॉसेज, मीट प्रोडक्ट्स, फिश कैवियार, समुद्री भोजन पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया।
- तेंदू पत्ता, काथा, और अन्य हर्बल उत्पादों पर टैक्स 18% से घटकर 5%।
- माल्ट, स्टार्च, सब्जियों से बने थिकनर, और ग्लिसरॉल पर भी जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया।
- एनीमल फैट्स, मछली का तेल, घी जैसे पशु तेलों पर अब केवल 5% टैक्स लगेगा।
- एयर कंडीशनर, 32 इंच से बड़े टीवी (अब सभी टीवी 18% पर), डिशवॉशिंग मशीनें, छोटी कारें, मोटरसाइकिल (350 सीसी या कम) 28% से 18% किया गया।
- तिपहिया वाहनों पर कर 28 से घटकर 18 प्रतिशत हुआ

ये बदलाव नागरिकों की जिंदगी बेहतर बनायेंगे: मोदी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि स्वतंत्रता दिवस पर दिये गये अपने भाषण में मैंने कहा था कि हम जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने का इरादा रखते हैं। केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरों में बदलाव और प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था। इसका मकसद आम लोगों की जिंदगी आसान बनाना और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। मुझे खुशी है कि जीएसटी काउंसिल (जिसमें केंद्र और सभी राज्य शामिल हैं) ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें जीएसटी दरों में कटौती और कई सुधार शामिल हैं। जिनसे आम जनता, किसान, एमएसएमइ, मध्यम वर्ग, महिलाएं और युवा सभी को फायदा होगा। ये बड़े बदलाव हमारे नागरिकों की जिंदगी बेहतर बनायेंगे और कारोबार करना आसान करेंगे। खासकर छोटे व्यापारियों और व्यवसायों को मदद मिलेगी।

झारखंड को प्रतिवर्ष दो हजार करोड़ रुपये का होगा नुकसान : राधाकृष्ण किशोर

- झारखंड के वित्त मंत्री ने केंद्र से भरपाई की मांग रखी

नयी दिल्ली/रांची। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित दो दिवसीय जीएसटी परिषद् की बैठक में भाग लेते हुए झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जीएसटी की संशोधित नीति से झारखंड के ऑटोमोबिल, सीमेंट तथा अन्य उत्पादन क्षेत्र में करीब दो हजार करोड़ रुपये की राजस्व क्षति होना अनुमानित है। बैठक में राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड एक विनिमार्ता राज्य है। माल और सेवा कर प्रणाली से राज्य के आतंरिक राजस्व संग्रहण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। झारखंड की प्रति व्यक्ति आय प्रति वर्ष 1 लाख 5 हजार है। लोगों की क्रय शक्ति कमजोर होने के कारण झारखंड उपभोक्ता राज्य की श्रेणी में नहीं आता है। इस कारणवश झारखंड को जीएसटी लागू होने से नुकसान हुआ है। 2017 से 2024-25 तक लगभग 16,408 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति हुई है और 2029 तक करीब 61,670 करोड़ रुपये की क्षति होगी। राधाकृष्ण ने कहा कि झारखंड राज्य से कोयला और स्टील उत्पादन का लगभग 75 से 80 प्रतिशत खपत राज्य के बाहर होता है। इस प्रकार जीएसटी का लाभ उपभोक्ता वाले राज्यों को हो रहा है। 2017 से 2022 अर्थात 5 वर्ष पूरा हो जाने के बाद जीएसटी मुआवजा की योजना बंद कर दी गयी है। 5 वर्षों तक जीएसटी मुआवजा राशि झारखंड को देने का अर्थ यह नहीं है कि राज्य आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो गया है। झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था अत्यंत ही कमजोर है। कृषि योग्य भूमि के विरुद्ध मात्र 22% खेतों में ही सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। पर्यटन के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं के बावजूद आर्थिक कमी के कारण झारखंड लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रहा है। मानव संसाधन का अभाव बना हुआ है, उग्रवाद से प्रभावित राज्य रहा है झारखंड। स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य को अभी बहुत कार्य करना है। झारखंड को गारंटीकृत कम से कम 2000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तब तक उपलब्ध कराया जाये, जब तक झारखंड का राजस्व आय सुदृढ़ न हो जाये।

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I
Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG)
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3
Class 4 | Class 5
आपके बच्चों को दे सही शुरुआत
ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

रिनपास का शताब्दी समारोह आज, सीएम हेमंत होंगे मुख्य अतिथि

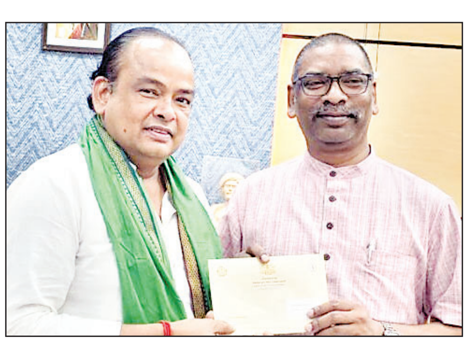

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकेट्री एंड एलाइड साइंसेज) अपने 100 साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह का आयोजन करने जा रहा है। यह भव्य आयोजन 4 सितंबर को कांके स्थित रिनपास परिसर में आयोजित होगा। इस ऐतिहासिक मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति को लेकर संस्थान के कर्मियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BEST PRIVATE UNIVERSITY IN JHARKHAND | 10000+ BOOKS AVAILABLE IN LIBRARY | 150+ QUALIFIED, EXP. & MOTIVATED FACULTY | 150+ ACRE CAMPUS
300+ RESIDES IN BOYS & GIRLS HOSTEL | 1500+ REGISTERED ALUMNI | LABS WITH MODERN TOOLS & EQUIPMENTS | RAGGING FREE CAMPUS
Where dreams BECOME REALITY
CAREER-ORIENTED PG/UG/DIPLOMA PROGRAMMES
Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
Faculty of Engg. & Tech
B.Tech
- Civil Engineering
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)
Polytechnic / Diploma
- Civil Engineering
- Mechanical Eng.
- Electrical and Electronic Eng.
- Computer Science & Eng.
- Electrical Engineering
Faculty of Law
- LL.B. ▪ B.A. LL.B. ▪ B.B.A. LL.B
Faculty of Management
- Bachelor of Business Administration (BBA)
- Master of Business Administration (MBA)
Faculty of Information Tech.
- Bachelor of Computer Application (BCA)
- Master of Computer Application (MCA)
- Post Graduation in Computer Application (PGDCA)
Faculty of Education
- Bachelor of Elementary Education (B.Ed)
- Diploma of Elementary Education (D.El.Ed.)
- M.A (Education)
Faculty of Arts & Social Science
- B.A (HIndi) ▪ B.A (English) ▪ B.A (Sanskrit)
- B.A (Economics) ▪ B.A (Psychology)
- B.A (Sociology) ▪ M.A (HIndi) ▪ M.A (English)
- M.A (Sanskrit) ▪ M.A (Economics)
- M.A (Psychology ▪ M.A (Sociology)
Faculty of Pharmacy
- Diploma in Pharmacy (D.Pharm)
- Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)
Faculty of Dental Science
- Bachelor of Dental Surgery (BDS)
- Master of Dental Surgery (MDS)
Faculty of Homeopathy
- Bachelor of Homeopathic Medicine & Surgery- BHMS
- M.D Homeopathy ▪ B.Sc Medical Pathology
- B.Sc Medical Biochemistry ▪ B.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Microbiology
- M.Sc Medical Biochemistry
Faculty of Nursing & Allied Health Science
- Bachelor of Science in Nursing (B.Sc. Nursing)
- General Nursing and Midwifery (GNM)
- Auxiliary Nurse Midwives (ANM)
Paramedical
- OT ▪ DMLT ▪ ECG ▪ X-RAY
- Medical in Sanitary Inspector
- Medical in Ophthalmic Assistant
- Medical in Certificate in Dresser
Library Science
- B.Lib.I.Sc. ▪ M.Lib.I.Sc
Faculty of Science
- B.Sc. (Mathematics) ▪ B.Sc. (Chemistry) ▪ B.Sc. (Physics)
- B.Sc. (Botany) ▪ B.Sc. (MLT) ▪ B.Sc. (Zoology)
- B.Sc. (Pathology) ▪ B.Sc. (Biochemisty) ▪ B.Sc. (Microbiology)
- M.Sc. (Mathematics) ▪ M.Sc. (Chemistry) ▪ M.Sc. (Physics)
- M.Sc. (Botany) ▪ M.Sc. (Zoology) ▪ M.Sc. (Physiology)
- M.Sc. (Biochemisty) ▪ M.Sc. (MLT) ▪ M.Sc (Microbiology)
Faculty of Commerce
- B.Com ▪ M.Com
TRANSPORT FACILITIES | HOSTEL FACILITIES | LUSH GREEN CAMPUS | WI-FI CAMPUS | WORLD CLASS INFRASTRUCTURE | 100% PLACEMENT ASSISTANCE
Admission Helpline: 9661462506, 6206297213, 9934688493
Farathiya, Garhwa-822114, Jharkhand | https://bdsu.ac.in/

पीढ़ियों के संस्कार को आगे लेकर बढ़ना है : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

आदिवासी छात्रावास के कार्यक्रम में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी

संजय सेठ, कल्पना सोरेन, शिल्पी नेहा तिर्की समेत अन्य गणमान्य हुए शामिल

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को रांची महिला महाविद्यालय के साइंस ब्लॉक स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में आयोजित करम पूजा महोत्सव-2025 में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अखरा में स्थापित करम डाली के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना की और शीश नवाकर समस्त झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि, शांति, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी। सभी ने दो मिनट का मौन रखा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हम सब लोग इस धरती के साथ स्थापित परंपराओं एवं संस्कृति से बंधे हुए हैं। हर वर्ग समुदाय के लोग अपने-अपने रीति-रिवाज एवं संस्कृति के साथ आगे बढ़ते हैं, इसी प्रकार आज आदिवासी समाज के लोग करम पर्व के पावन अवसर पर इस आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में करम महोत्सव-2025 धूमधाम से मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारी बहनों ने बारिश के मौसम में भी एकत्रित होकर इस परंपरा का हर्ष और उल्लास के साथ निर्वहन किया है जो प्रकृति के साथ हमारे साहचर्य का उदाहरण है। बारिश, तूफान या गर्मी किसी भी प्रकार का मौसम हो हर हाल में हमारी बहनों ने करम महोत्सव को प्रत्येक बार संपन्न कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करम पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और जीवनशैली का प्रतीक है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट संबंध, सामाजिक समरसता तथा प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हम सभी की यह कामना है कि हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार हमें करम पर्व जैसे महत्वपूर्ण सामूहिक उल्लास के अवसरों को आगे बढ़ाने का दायित्व सौंपा है, हमारी पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी भी इस समृद्ध परंपरा को श्रद्धा और सद्भाव के साथ आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी यह समृद्ध परंपरा और संस्कृति और ज्यादा मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे ये हम सभी की जिम्मेवारी है। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से समस्त राज्यवासियों को करम महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मंत्री झारखंड सरकार शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

कराह रहा महुदा कॉलेज: राजनीति की बलि चढ़ता शिक्षा का मंदिर

■ न्याय के लिए तड़प रहा संस्थान, भ्रष्टाचारियों को संरक्षण और निर्दोष कर्मचारी तनख्वाह से वंचित

■ कोई तो मेरी पीड़ा समझो, महुदा कॉलेज की मौन पुकार

समीद खान

मैं महुदा कॉलेज हूं। कभी गर्व से सीना चौड़ा कर कहता था कि मेरी गोद से निकलकर निकले छात्र ही इस समाज और देश के भविष्य के निर्माता हैं। मैं एक मां की तरह हर बच्चे को ज्ञान का संस्कार देता रहा। पर आज मैं टूट चुका हूं, झुक चुका हूं और भीतर ही भीतर सड़ रहा हूं। भ्रष्टाचार का दीमक मुझे खोखला कर रहा है, और मेरे आंगन की मासूमियत लगातार आहत हो रही है। क्या किसी को मेरी पीड़ा नहीं दिखती? क्या मेरे अंदर की चीख सुनायी नहीं देती? राजनीति के संरक्षण में पल रहे कुछ भ्रष्टाचारी मुझे जकड़ कर मेरे अस्तित्व को नष्ट करने पर तुले हैं। आज मैं अपने ही बच्चों की नजरों में असहाय और लाचार खड़ा हूं। मैं पूछता हूं– क्या एक मां की तरह समाज को भविष्य देने वाली इस संस्था की रक्षा के लिए कोई आगे नहीं आयेगा? क्या मेरी करुण पुकार यूं ही सन्नाटे में दब जायेगी? या फिर कोई ऐसा होगा जो इन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ खड़ा होकर मुझे बचायेगा, ताकि मैं फिर से उसी शान और जिम्मेदारी के साथ समाज को सच्चे नागरिक दे सकूं? शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाला महुदा कॉलेज आज भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के बोझ तले कराह रहा है। कभी जहां से जिम्मेदार नागरिक निकलकर समाज और राष्ट्र का भविष्य संवारते थे, वहीं आज यह संस्थान खुद न्याय की गुहार लगा रहा है। कॉलेज की पीड़ा मानो उसकी दीवारों से निकल रही हो– मैंने एक मां की तरह समाज को शिक्षित संतानों का उपहार दिया। लेकिन आज राजनीति और प्रशासनिक संरक्षण में पल रहे भ्रष्टाचारियों ने मुझे खोखला कर दिया है। क्या मुझे बचाने कोई आगे नहीं आयेगा?

राजनीति और भ्रष्टाचार के शिकंजे में

महुदा कॉलेज में फैले भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने के बजाय झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने कॉलेज का अनुदान ही रोक दिया। परिणामस्वरूप, कॉलेज के तमाम शिक्षकों और कर्मचारियों को पिछले सात महीनों से तनख्वाह तक नहीं मिल पायी है। स्थानीय लोगों और पीड़ित कर्मचारियों का सवाल है–क्या यह कदम भ्रष्टाचारियों को बचाने और निर्दोषों को सजा देने की दिशा में उठाया गया है? क्योंकि कॉलेज से जुड़े कई लोग स्पष्ट आरोपियों की ओर इशारा कर चुके हैं, बावजूद इसके अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्र के बुद्धिजीवी और सामाजिक संगठनों का कहना है कि सरकार और शिक्षा विभाग को इस मामले की पूरी जानकारी दी जा चुकी है। क्षेत्र के लोगों सहित कई पीड़ितों ने बार-बार पत्राचार कर भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज करायी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से अब तक दोषियों पर कार्रवाई के बजाय आम कर्मचारियों और शिक्षकों को ही संकट में डाल दिया गया है। यह स्थिति न केवल महुदा कॉलेज की साख पर सवाल खड़ा कर रही है, बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया जा रहा है और निर्दोष कर्मचारी दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं।

बताया जाता है कि महुदा कॉलेज का निर्माण एक दर्दनाक घटना से जुड़ा हुआ है। उस दौर में जब महुदा में उच्च शिक्षा का कोई साधन नहीं था, क्षेत्र के छात्र धनबाद कॉलेज जाते थे। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। तब तत्कालीन मुखिया हाजी अब्दुल रब अंसारी ने बुद्धिजीवियों संग मिलकर महुदा में ही कॉलेज खोलने का संकल्प लिया। लोगों की मेहनत और बीसीसीएल कर्मियों के श्रमदान से वर्ष 1981-82 में कॉलेज की नींव पड़ी और 2000 में लालबंगला में इसे व्यवस्थित रूप से शुरू किया गया। वर्ष 2010 में झारखंड सरकार ने स्थायी मान्यता हेतु 7 एकड़ भूमि की शर्त रखी, जबकि कॉलेज के पास केवल साढ़े 3 एकड़ भूमि ही उपलब्ध थी। फलस्वरूप कॉलेज को केवल इंटर स्तर तक की अस्थायी स्वीकृति मिली। इसके बावजूद स्थानीय बुद्धिजीवियों, कर्मियों और जमीन दानदाताओं की मदद से कॉलेज चलता रहा। लेकिन सचिव अब्दुल रब अंसारी की मृत्यु के बाद कॉलेज में भ्रष्टाचार की जड़ें जमने लगीं। जीवी मीटिंग में जब संचालन की कमान दीप नारायण शर्मा को सौंपी गयी, तभी से कॉलेज में अनियमितता और भ्रष्टाचार बढ़ने लगा। उस समय शासी निकाय के अध्यक्ष बाघमारा विधायक (वर्तमान सांसद) ढुल्लू महतो थे। 15 साल तक भ्रष्टाचार की शिकायतें उठीं, मगर आवाज उठाने वालों को निलंबन झेलना पड़ा।

आज स्थिति यह है कि योग्य व्यक्तियों को दरकिनार कर अयोग्यों को सचिव और प्राचार्य बना दिया गया है। राजनीतिक संरक्षण में कॉलेज का अस्तित्व गर्त में चला गया है। लोग मानते हैं कि महुदा कॉलेज शिक्षा का मंदिर न रहकर अब राजनीति का शिकार बन चुका है।

नियम-कानून की अनदेखी की गयी : गंगेश झा

पूर्व प्राचार्य गंगेश झा ने आरोप लगाया कि वर्ष 2020 के बाद से सचिव दीप नारायण शर्मा ने कॉलेज के नियम-कानून की अनदेखी करते हुए गलत तरीके से डिग्री का एफिलिएशन लाया और स्वयं को अनुचित ढंग से सचिव घोषित कर लिया। उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार दानदाता को कॉलेज खाते में 25 हजार रुपये चेक द्वारा जमा करना होता है, लेकिन इनके सचिव बनने की प्रक्रिया सबके सामने स्पष्ट है। झा ने कहा कि कॉलेज में व्याप्त भ्रष्टाचार ने संस्था के अस्तित्व को संकट में डाल दिया है। उन्होंने विभाग और सरकार से जिम्मेदारों पर कार्रवाई कर कॉलेज को सुचारु रूप से संचालित कराने की अपील की।

आजाद सिपाही खास

गंभीर आरोपों की फेहरिस्त

कॉलेज पर लगे आरोप मामूली नहीं हैं। सूत्रों और कॉलेज से जुड़े कर्मचारियों के मुताबिक–
इपीएफओ में करोड़ों का भ्रष्टाचार सामने आया है।
कॉलेज पर करीब 2 करोड़ रुपये का फाइन झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा लगाया गया है।
नियमावली के विरुद्ध अयोग्य व्यक्ति को प्राचार्य बना दिया गया।
सचिव पद पर रहते हुए शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को प्रताड़ित करने के मामले सामने आये हैं।
सचिव पद पर रहते हुए अन्य पदों पर बने रहकर अनियमित रूप से वेतन उठाने के आरोप हैं। नियम विरुद्ध जाकर अपने सगे-संबंधियों को प्रोफेसर नियुक्त किया गया।
कॉलेज में भ्रष्टाचार का विरोध करने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों को सस्पेंड करना या शो-कॉज नोटिस थमाना आम बात हो गयी है।

प्रशासन की खामोशी पर सवाल

इन गंभीर आरोपों और भ्रष्टाचार की परतें खुलने के बावजूद प्रशासन और उच्च शिक्षा विभाग की खामोशी ने स्थानीय समाज को आक्रोशित कर दिया है। अभिभावकों और छात्रों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह कॉलेज अपनी साख और अस्तित्व दोनों खो देगा।

मांगें तेज

क्षेत्रीय सामाजिक संगठन और बुद्धिजीवी वर्ग ने राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग से मांग की है कि महुदा कॉलेज को भ्रष्टाचारियों की जकड़ से मुक्त कराया जा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाये, ताकि यह संस्थान फिर से शिक्षा का मजबूत केंद्र बन सके।

महुदा कॉलेज का भविष्य अंधकार में : समद अंसारी

महुदा क्षेत्र के स्थानीय निवासी समद अंसारी ने कहा कि दीपनारायण शर्मा के सचिव बनने के बाद से महुदा कॉलेज का भविष्य अंधकार में चला गया। आश्चर्य है कि वर्तमान सांसद ढुल्लू महतो, जो 15 वर्षों तक बाघमारा विधायक रहते हुए कॉलेज शासी निकाय के अध्यक्ष रहे, उन्होंने कभी भ्रष्टाचार पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। आज उनके बड़े भाई विधायक और अध्यक्ष हैं, लेकिन हालात और बिगड़ गये हैं। कॉलेज में भ्रष्टाचार चरम पर है और शिक्षा का माहौल पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। समद अंसारी ने स्पष्ट कहा कि महुदा कॉलेज राजनीति का शिकार बन चुका है। उन्होंने सरकार से अपील की कि कॉलेज के अस्तित्व को बचाने के लिए त्वरित कदम उठाये जायें और भ्रष्टाचार में लिप्त जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जायें।

पांच दशक से खूंटी के लोग झेल रहे हैं हाथियों के आतंक का दंश

अनिल मिश्रा

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी ही नहीं, झारखंड के जंगली इलाकों में बसे गांवों के लोग पिछले पांच दशकों से जंगली हाथियों का आतंक झेलने को विवश हैं। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने हाथियों के हमले में अपनी जान गंवाई और करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। जंगली हाथियों के आक्रमण से निजात दिलाने की मांग को लेकर खूंटी जिले के लोगों ने सड़क जाम, सरकारी कार्यालयों का घेराव, रेल रोको सहित तरह के आंदोलन किये, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा। हाथी भी अब इतने निडर हो गये हैं कि वे दिन दहाड़े शहरों में भी पहुंचने लगे हैं। खूंटी क्षेत्र के लोगों के लिए लगभग 15-20 वर्ष वहले ही राज्य सरकार ने कर्रा पखंड के इंद्रवन(इंद वन) में हाथियों के लिए आश्रयणी बनाने की घोषणा की की, लेकिन योजना कभी धरातल पर नहीं उतरी। इतना हीं नहीं, जिन क्षेत्रों में हाथी के आक्रमण अधिक होते हैं, इन जंगली इलाकों में बाड़ लगाने सहित कई तरह के उपायों की घोषणा की गयी थी, लेकिन सभी योजनाएं फाइलों में ही मिट कर रह गयी। ग्रामीण कहते हैं वन विभाग का काम सिर्फ हाथियों के हमले में मारे गये लोगों के शवों का पोस्टमार्टम करना और अंतिम क्रिया के लिए कुछ हजार रुपये पीड़ित परिवार को देना भर रह गया है। तोरपा प्रखंड के डेरांग, रोन्हे, कालेट, गिड़ुम, एरमेरे सहित कई गांवों के ग्रामीण बताते हैं कि हाथियों के भय से उन्होंने खेती करना तक छोड़ दिया है। खेतों में तो फसलों को हाथी बर्बाद करते ही हैं, घरों में रखे अनाज भी सुरक्षित नहीं हैं।

क्यों बढ़ रहा है मानव और हाथियों के बीच संघर्ष

खूंटी ही नहीं, झारखंड, ओड़िशा, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में मानव और जंगली हाथियों के बीच संघर्ष लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अखिर क्या कारण है कि मानव और गजराज एक दूसरे की जान के दुश्मन बनते जा रहे हैं।

जंगलों के उजड़ने से छिन रहा है हाथियों का आशियाना: अर्जुन बड़ाइक

रनिया के रहनेवाले सेवानिवृत्त वन प्रमंडल पदाधिकारी अर्जुन बड़ाइक कहते हैं कि जंगलों की अवैध और अंधाधुंध कटाई के कारण जंगली हाथियों का आशियना छिनता जा रहा है। इसके कारण वे जंगलों से बाहर आकर भेजन और पानी की तलाश में गांवों पर हमले कर रहे हैं। इसके अलावा घने जंगलों में नक्सलियों की गतिविधि तेज होने के कारण भी गजराज जंगल से बेदखल हो रहे हैं। अर्जुन बड़ाइक कहते हैं कि हमें प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करना होगा और जंगलों की सुरक्षा करनी होगी। तोरपा के शिक्षाविद और सेवानिवृत्त शिक्षक पंचम साहू कहते हैं कि जब कोई हमारा घर छिनेगा, तो हमें कहीं न कहीं तो आश्रय चाहिए। उन्होंने कहा कि जंगली जानवर हमारे अभिन्न अंग हैं। वे हमारी रक्षा नहीं करेंगे, पर उनकी रक्षा करना हमारी बड़ी जिम्मेवारी है। यदि जानवर संरक्षित नहीं रहेंगे, तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ना तय है। कर्रा प्रखंड के प्रगतिशील किसान दिलीप शर्मा कहते हैं कि झारखंड के सारंडा, इंद्र वन, नगड़ा जगल सहित कई घने जंगल कभी हाथियों के शांपूर्ण और सुरक्षित आश्रय थे, जहां जंगलों की गहराइयों में गजराज स्वछंद होकर घूमते थे, लेकिन वनों का क्षेत्रफल लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इसका खमियाजा हमलोगों को भुगतना पड़ रहा है।

पुलिस की घेराबंदी और भगदड़ देख लगा, कोई इनकाउंटर चल रहा...

आनंद कुमार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बुधवार को बच्चों को स्कूल से लाने में आदित्यपुर गोलचक्कर की चारों सड़कों पर जमशेदपुर पुलिस की घेराबंदी और भगदड़ देख लगा कि कोई इनकाउंटर चल रहा है, रोमांच हो आया। निकट गया तो देखा हेलमेट और सीटबेल्ट न लगानेवाले अपराधियों को रगेदकर दबोचा जा रहा है। फिर याद आया दुर्गा पूजा करीब है।

सीट बेल्ट और हेलमेट चेकिंग के नाम पर आम जनता का उत्पीड़न तो पूरे झारखंड में आम है, लेकिन रांची और कई अन्य शहरों में ट्रैफिक पुलिस भीड़भाड़ के समय थोड़ा यातायात व्यवस्था भी संभाल लेती है। यहां तक कि उस गोलचक्कर से 500 मीटर दूर सरायकेला जिले के आदित्यपुर में आकाशवाणी और शेरे पंजाब चौक पर यातायात सिपाही ट्रैफिक व्यवस्था संभालते दिख जाते हैं, लेकिन जमशेदपुर में पुलिसवाले शिकार की तलाश में ऐसे घात लगाये रहते हैं, जैसे आसमान से चील नीचे चूहे पर नजर टिकाये रहती है...

लेकिन हैरानी होती है कि ये ट्रैफिकवाले अंधाधुध तेजी से गाड़ी चलानेवालों, बाइक से साइलेंसर से फायरिंग की आवाज निकालनेवालों, भांय-भांय इंजन का शोर मचानेवालों, कानफाड़ू म्यूजिक बजाने वाले को कभी नहीं पकड़ते। ये लोग बड़ी शान से पुलिसवालों के सामने से गुजरते हैं। पता नहीं क्यों कोई अधिकारी इस सिस्टम को नहीं बदलता। यहां तक कि राजधानी रांची की पुलिस व्यवस्था की समान संभाल चुके अधिकारी भी यहां आकर यहीं के सिस्टम में ढल जाते हैं।

हां, एक जगह ऐसी है जहां ट्रैफिक पुलिस कभी नहीं दिखती। जमशेदपुर के लोग जानते हैं। और हर शहर में ऐसा एक इलाका होता है, जहां कोई कानून नहीं चलता..।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

संख्या : एस.जी. 664–09–टेली–2025–26 धनबाद दिनांक, दिनांक 29.08.2025 ई.निविदा सचूना सं. एस.जी. 664–09–टेली–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : धनवाद डिवीजन के जी.सी. सेक्शन में सुरंगों के लिए सुरंग रेडियो संचार प्रणाली का प्रावधान करने हेतु। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹ 3,87,77,895.72, **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 3,43,900.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 22–09–2025 (12:00 बजे)।

5. ऐसी ई:निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई.निविदा के ई.निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई.निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए ये निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0872/डीएचएन/एस&टी/टी/25–26/40

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं. : 1, **ई–निविदा सं. :** 164-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल के नगर ऊंटारी (NUQ) (01 नं.), दुधीनगर (DXN) (01 नं.) एवं गुरमुरा (GMX) (01 नं.) स्टेशनों पर पुराने पीएस टैंक एवं सीआई टैंक को बदलना। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 5,29,50,470.59

क्र.सं. : 2, **ई–निविदा सं. :** 165-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल के रेणुकुट (RNQ) (01 नं.) में पुराने पीएस टैंक एवं सीआई टैंक का बदलना। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 2,71,78,816.64

क्र.सं. : 3, **ई–निविदा सं. :** 166-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं. अभि./1/गोमो के अधीन स्टाफ क्वार्टरों गोमो के क्षतिग्रस्त दरवाजा एवं खिड़की का मरम्मत। **06 (छः) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 64,99,300.87

क्र.सं. : 4, **ई–निविदा सं. :** 167-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं. अभि./1/गोमो के अधीन नार्थ साइड कॉलोनी गोमो में स्टाफ क्वार्टरों का मरम्मत एवं नवीनीकरण। **06 (छः) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 64,99,337.65

क्र.सं. : 5, **ई–निविदा सं. :** 168-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** टनकुप्पा स्टेशन सीमा :– व.मं.अभि./2/धनबाद के अधीन टनकुप्पा स्टेशन सीमा में किमी. 449/5–7 पर अनाधिकृत प्रवेश की समाप्ति के लिए एलएचएस का प्रावधान और गोमो एवं कोडरमा सेक्शन के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन के निर्माण के संबगंध में टनकुप्पा स्टेशन सीमा में किमी. 449/5–7 पर अनाधिकृत प्रवेश की समाप्ति के लिए एलएचएस का प्रावधान। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 9,97,90,610.18

क्र.सं. : 6, **ई–निविदा सं. :** 169-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं. अभि./1/गोमो के अधीन साउथ साइड कॉलोनी गोमो में स्टाफ क्वार्टरों का मरम्मत एवं नवीनीकरण। **06 (छः) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 64,99,871.99

क्र.सं. : 7, **ई–निविदा सं. :** 170-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** जीसी सेक्शन :– व.मं.अभि./2/धनबाद के क्षेत्राधिकार में विभिन्न बृहद पूलों (अर्थात पूल सं. 34A, 39, 42A, 71, 116, 150, 151, 160, 167, 187, 202, 332 और 416) का मरम्मत कार्य जैसे कि डिसिल्टिंग, इपॉक्सी ग्राउटिंग, फ्लोरिंग, निरिक्षण सिढ़ी, चेकर्ड प्लेट इत्यादि। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 5,18,59,261.47

क्र.सं. : 8, **ई–निविदा सं. :** 171-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** डीएफसी फीडर रूट के संबंध में राजाबेड़ा–तुपकाडीह के बीच पूल सं. 8 का इंस्ट्रूमेन्टेशन। **03 (तीन) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 34,05,058.00

क्र.सं. : 9, **ई–निविदा सं. :** 172-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** गोमो–बरकाकाना– आरसीसी बॉक्स/पाइप पूलों के द्वारा बदलना (छोटे पूल सं. 179, 181, 184 और 185)। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 5,17,58,109.96

क्र.सं. : 10, **ई–निविदा सं. :** 173-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** पू.म. रेल, धनबाद मंडल के व. अनु. अभि.(ब्रिज)/डाल्टनगंज के अधीन बृहद पुल सं. 02 का आवधिक पेंटिंग तथा व. अनु. अभि. (ब्रिज)/डाल्टनगंज के अधीन पुल सं. 334UP, 334DN, 315UP, 315DN, 253DN, 246UP, 246DN, 240UP, 240DN, 231UP, 231DN, 210UP, 210DN, 199DN, 173, 221DN, 222DN, 225DN, 262B, 270DN, 278DN, 312DN, 314DN, 327DN के बियरिंग का आवधिक ग्रिसिंग। **09 (नौ) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 27,30,457.17

क्र.सं. : 11, **ई–निविदा सं. :** 174-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल में व. अनु. अभि.(ब्रिज)/धनबाद के अधीन पुल सं. 10(UP & DN), 238A (UP & DN), 2A, 19A, 27A, 32A, 8 (North) और 8 (South) का आवधिक पेंटिंग तथा पुल सं. 187UP, 10DN, 128 (UP & DN), 169 (UP & DN), 17 (ROB), 40 (ROB) और 18A (ROB) का ग्रिसिंग। **09 (नौ) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 14,74,543.90

क्र.सं. : 12, **ई–निविदा सं. :** 175-DHN-2025-26, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** सहा.मं. अभि./कोडरमा के अधीन (i) कोडरमा–बरकाकाना–टीआरआर/पी– 1.750 किमी कोडरमा–पदमा के बीच में 1 किमी (एसएल) एवं खादगदा–कथौटिया 0.750 किमी (एसएल) और (ii) कोडरमा–बरकाकाना – टीआरआर/पी– 1.750 किमी खादगदा–कथौटिया के बीच में 1.750 किमी (एसएल) एवं खादगदा–कथौटिया 0.750 किमी (एसएल) सेक्शन। **12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू. में) :** 75,51,217.80

ब्याने की राशि (रू. में) : ब्याने की राशि http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय :** ई–निविदा बंद होने की तारीख 23.09.2025 को 12:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख 23.09.2025 को 12:30 बजे से। **वेबसाइट का विवरण : http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद
पीआर/0874/डीएचएन/इंजी०/टी/25–26/136

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.1°c	22.4°c
सूर्यास्त (आज) :		18.05 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.32 बजे

झामुमो ने विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के फैसले का स्वागत किया

राहुल गांधी से पहले भाजपा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए: सुप्रियो भट्टाचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो ने हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट द्वारा विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग की नियमावली की मंजूरी के फैसले का स्वागत किया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने इसके साथ-साथ तीन अकादमी बनाने, मोरहाबादी स्थित शिबू सोरेन के सरकारी आवास को उनकी पत्नी रूपी सोरेन के नाम पर अलॉट करने और दिशोम गुरु से जुड़ी यादों को सहेजने और संजोने के लिए बनने वाले संग्रहालय को लेकर कैबिनेट के फैसले का झामुमो ने स्वागत किया है। बुधवार को पार्टी के कैंप कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो के लिए राज्य के आदिवासियों-मूलवासियों के विस्थापन और पुनर्वास शुरू से बड़ा मुद्दा रहा है। विस्थापन के विरोध और पुनर्वास के लिए 2001 में कोयलकारो परियोजना आया था, जहां विस्थापितों के आंदोलन हुए हम उस आंदोलन में शामिल रहे हैं और उसके बाद बाबूलाल मरांडी की सरकार में वहां गोली चली थी। कई लोग शहीद हुए और फिर गुरुजी ने इस बात को संसद में उठाया तब यह परियोजना बंद हुई। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इस प्रकार नेतरहाट फायरिंग रेंज का आंदोलन चला, हजारों लोग विस्थापित हो रहे थे हम लोगों ने सशक्त आंदोलन खड़ा किया और उसे फील्ड फायरिंग रेंज को भी गुरु जी की सरकार बनने पर रद्द किया गया। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम अपने झामुमो के 13 वें केंद्रीय महाधिवेशन में राजनीतिक प्रस्ताव में विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन की मांग की थी। हेमंत सोरेन की प्रगतिशील सरकार ने जनता की आकांक्षा को पूरा किया है और यह राज्य वासियों को करम पर्व का उपहार दिया है।

प्रधानमंत्री द्वारा अपनी मां को कहे अपशब्दों का जिक्र और राहुल गांधी से इसके लिए माफी मांगने की भाजपा नेताओं की मांग पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जब राहुल गांधी ने कोई अपशब्द ही नहीं कहा तो वह माफी क्यों मांगेंगे। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दरभंगा में जो घटना घटी वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन इस घटना की उपज कहां से हुई यह भी पता करना चाहिए। जब प्रधानमंत्री और उनके दल के नेता महिलाओं के प्रति खासकर कांग्रेस के नेतृत्व के बारे में क्या-क्या नहीं कहा, इस पर भी भाजपा के नेताओं को जवाब देना चाहिए।

सुप्रियो ने कहा कि जर्सी गाय, बारबाला, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड, प्रधानमंत्री के मुंह से ये सब बात निकली है। कपड़े देख कर लोगों की पहचान करने वाले, पंचर बनाने वाला, भैंस खोलकर ले जाने वाला यह। यह सब प्रधानमंत्री की बोली है क्या, यह बहुत दुखद है। सुप्रियो ने कहा कि दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के बाद मंच से जिस व्यक्ति ने पीएम मोदी की मां को अपशब्द कहे, उसको पुलिस ने पकड़ भी लिया और उसका पॉलिटिकल रिलेशन भी साबित हो गया है।

उसमें फिर राहुल गांधी की गलती कहां है? कांग्रेस कार्यालय में भाजपा की लंपट गिरी करना कहां तक ठीक है। बबूल का गुठली लगायेंगे तो आम का फल कहां मिलेगा? सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम सब किसी न किसी की संतान हैं, हम सब की माताएं हैं, मां की कोई विशेष श्रेणी नहीं होती है कि वह पीएम की माता हैं या किसी सामान्य व्यक्ति की। पहले भाजपा को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

राज्य सरकार के लिए महिला की सुरक्षा और भ्रष्टाचार कोई मुद्दा नहीं: प्रदीप वर्मा

- 6 वर्षों में नहीं गठित हुआ महिला आयोग, सूचना आयुक्त, लोकायुक्त के पद भी खाली
- विस्थापन के जिम्मेवार कांग्रेस पार्टी के साथ ले रहे सत्ता का सुख

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने झामुमो की प्रेसवार्ता पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी। डॉ वर्मा ने कहा कि झामुमो सस्ती लोकप्रियता के लिए अपनी पीठ खुद थपथपाने में लगा है। उन्होंने कहा कि झामुमो एक ओर विस्थापन आयोग और साहित्य कला अकादमी के नाम पर हेमंत सरकार की प्रशंसा करने में जुटा है, लेकिन इस सरकार के लिए महिलाओं की सुरक्षा, बहन बेटियों की इज्जत आबरू बड़ा मुद्दा नहीं है। इसीलिए पिछले 6 वर्षों से सत्ता में रहा झामुमो अबतक महिला आयोग गठित करने के लिए सरकार को बाध्य नहीं कर सका। ऐसे भी इंडी गठबंधन में महिलाओं के प्रति क्या नजरिया है यह राज्य की जनता से छुपा हुआ नहीं है।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं इस राज्य में भ्रष्टाचार के रोज नये मामले उजागर हो रहे, लेकिन सरकार पर कानून का शिकंजा कसे नहीं। इसलिए हेमंत सरकार लोकायुक्त की नियुक्ति करने से भाग रही। उन्होंने कहा कि बार-बार की बहानेबाजी के बीच न्यायालय के सख्त निर्देश के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों के पद नहीं भरे गये। इससे साफ है कि हेमंत सरकार अपनी नाकामियों को सूचना अधिकार के माध्यम से उजागर होने देना नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार विस्थापन आयोग के गठन की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री रिम्स 2 के नाम पर नगड़ी के खेतिहर रैयतों को उजाड़ने के लिए अड़े हुए हैं।

डॉ वर्मा ने कहा कि झारखंड में विस्थापन के लिए पूरी तरह जिम्मेवार कांग्रेस पार्टी है। पिछले 60 वर्षों के कांग्रेस शासन में राज्य के लाखों लोग बेघर हुए। अपनी जमीन से विस्थापित हुए, लेकिन आज इसी कांग्रेस के साथ सत्ता की मलाई खाने वाला झामुमो विस्थापित आयोग की बात कर रहा है। डॉ वर्मा ने कहा कि इसके पूर्व भी कई आयोग बनाने की बात राज्य सरकार ने किया है लेकिन धरातल पर एक भी नहीं उतर पाया क्योंकि राज्य सरकार की मंशा साफ नहीं। नीति और नियत में आसमान जमीन का अंतर है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार को जनहित में राज्य हित में जरूरी काम करने की सोच विकसित करनी चाहिए और सस्ती लोकप्रियता से बचना चाहिए।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **वृष** नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
- **मिथुन** आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।
- **कर्क** काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
- **सिंह** कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
- **कन्या** बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
- **तुला** आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
- **वृश्चिक** चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
- **धनु** आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
- **मकर** समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
- **कुंभ** रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
- **मीन** किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

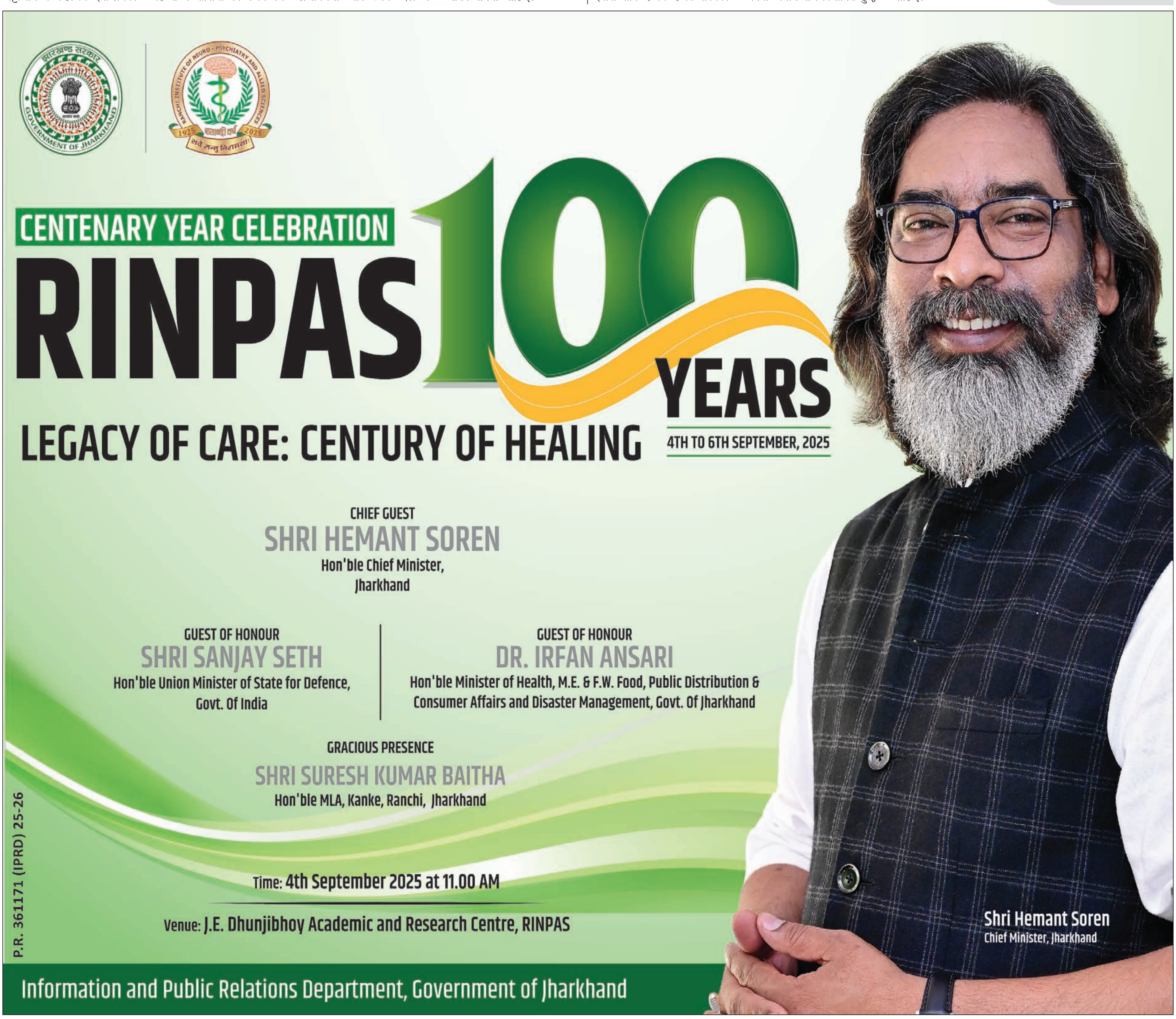

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

मंईयां सम्मान योजना : करम पर्व पर महिलाओं को तोहफा

3.78 लाख महिलाओं के खाते में भेजे गये 94.66 करोड़ रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। करम पर्व के मौके पर राज्य सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची ज़िले की 3 लाख 78 हजार 641 महिलाओं को अगस्त माह की सम्मान राशि दी गयी है। इसके तहत लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में 94 करोड़ 66 लाख 2 हजार 500 रुपये का आधार आधारित भुगतान किया गया।

जिले के अलग-अलग प्रखंडों और शहरी इलाकों में महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला। अगस्त माह में अनगड़ा की 16,687, बेड़ो की 20,672, बुंडू की 8,521, चान्हो की 19,772, कांके की 31,487, मांडर की 23,234, नगड़ी की 17,374, नामकुम की 17,524, ओरमांझी की 18,270, रातू की 18,630, सिल्ली की 21,234, सोनाहातू की 12,932 और तमाड़ की 18,486 महिलाओं को योजना का लाभ प्राप्त हुआ। इसके अलावा रांची शहरी क्षेत्र और विभिन्न नगर पंचायतों में भी हजारों महिलाएं इस योजना से लाभांन्वित हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने रिनपास शताब्दी समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बुधवार को कांके स्थित रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकेट्री एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास) के शताब्दी समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस दौरान कई अहम निर्देश भी दिये। डॉ. अंसारी ने आगामी चार सितंबर, गुरुवार को आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समारोह की तैयारियां समय पर और पूरी सर्तकता के साथ सुनिश्चित की जाये। मंत्री ने कहा कि रिनपास का यह शताब्दी समारोह राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के गौरवशाली 100 सालों का गवाह बनेगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को मीडिया, आमंत्रित अतिथियों, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था से जुड़े बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही अनुशासन और गरिमा बनाये रखने, समारोह को सफल बनाने तथा सभी अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी पूरी तत्परता से निभाने का निर्देश भी दिया।

महत्वपूर्ण खबरें

इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी ने गौमाता के लिए किया आहार दान

रांची (आजाद सिपाही)। इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची ने रांची गौशाल में गौ माता की सेवा हेतु कुछ खाद्य पदार्थों का सहयोग किया। इस संबंध में क्लब की अध्यक्ष मीना सिंहा ने कहा कि गो वंशिय पशु की सुरक्षा और सेवा में हमारी आस्था निहित है। हमें पहली रोटी गो माता के नाम रखनी चाहिए। ये बिलकुल भी क्षम्य नहीं है। हमें सभी जीवों के साथ दया का भाव रखना चाहिए। इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची के सदस्यों ने गौ माताओं को स्नेह और दुलार भी किया। साथ ही संकल्प लिया कि इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची के सदस्य आगे भी ऐसे नेक कार्य कर करते रहेंगे।सदस्यों ने गुड़, केला , सेव, चना, हरी घास, कुट्टी, ज्वार, खल्ली इत्यादि दान किया। मौके पर अध्यक्ष मीना सिंहा, उपाध्यक्ष डॉ अंजना वर्मा, सचिव पूनम यादव, कोषाध्यक्ष तनुजा अधिकारी सहित डॉ नीरजा ओझा, अमिता अग्रवाल, कांता सिंह, शैल सिंह, डॉ चित्रा शर्मा, राधा अग्रवाल, वर्तिका श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

नीरजा सहाय डीएवी में मना करम पर्व

रांची (आजाद सिपाही)। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में बाल वाटिका के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने पारंपरिक पोशाकों को धारण कर पूरे विधि विधान से करमा पूजा की। इस अवसर पर प्राचार्या किरण यादव ने कहा कि विद्यालय सदा से ही न केवल विद्या का केंद्र रहा है बल्कि विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति और अपनी परंपरा के प्रति भी जागरूकता फैलाने का माध्यम है। हमारा विद्यालय इस दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

रिस्टोरिंग द बैलेंस का विमोचन

हरियाणा (आजाद सिपाही)। दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विशाल जनसमूह की उपस्थिति में रिस्टोरिंग द बैलेंस पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक के लेखक अधिवक्ता हरिओम जिंदल हैं। 17 वर्षों में पूरी हुई यह पुस्तक न केवल समस्याओं पर चर्चा करती है, बल्कि उनके समाधानों पर भी प्रकाश डालती है। यह पुस्तक व्यावहारिक पहलुओं से स्थिति का वर्णन और व्याख्या करती है, जो एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए 17 वर्षों के अवलोकन का प्रतिबिंब और स्पष्टीकरण है, जहां अमीर या गरीब के घर जन्मा हर व्यक्ति मानवीय गरिमा के साथ जीवन जी सके। यह पुस्तक समता और न्याय के संवैधानिक लक्ष्य को प्राप्त करने की बात करती है।

सूर्या हांसदा केस: आयोग ने डीसी-एसपी से मांगी चार हफ्ते में रिपोर्ट

रांची (आजाद सिपाही)। सूर्या हांसदा केस में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सख्ती दिखायी है। आजसू का प्रयास रंग लाया है। आजसू के केंद्रीय महासचिव संजय मेहता द्वारा दर्ज कराये गये आवेदन पर आयोग ने संज्ञान लिया और गोड्डा के डीसी और एसपी से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग की गंभीरता से पीड़ित परिवार को न्याय की आस जगी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने प्रियांक कानूनगो, की अध्यक्षता में, मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 12 के तहत इस मामले पर कार्रवाई की है। आयोग ने शिकायत में लगाये गये आरोपों को प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना और निर्देश जारी किये हैं। आजसू की ओर से संजय मेहता ने 20 अगस्त को आयोग में मामला दर्ज कराया था। 27 अगस्त को आवेदन पर केस दर्ज हुआ। 29 अगस्त को आयोग ने विशेष जांच दल गठित करने का निर्देश एनएचआरसी महानिदेशक (जांच) को दिया। इसके बाद 2 सितंबर को आयोग ने गोड्डा के डीएम और एसपी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी। साथ ही गोड्डा पुलिस से पूछा गया कि मुठभेड़ की जानकारी समय पर आयोग को क्यों नहीं दी गयी। संजय मेहता ने कहा कि यह लड़ाई सच और न्याय की है। आयोग की सख्ती से भरोसा जगा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी-मूलवासी पर गोली चलाना पुलिसिया बर्बरता का परिचायक है और अब इस मामले में न्याय मिलना जरूरी है।

एलपी पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

रांची (आजाद सिपाही)। एलपी पब्लिक स्कूल, कोकर, रांची ने मॉम्स बिलीफ के सहयोग से एक विशेष पालन-पोषण और बाल विकास पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों को आधुनिक समय के पालन-पोषण और बच्चों के विकास से जुड़ी चुनौतियों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सही दिशा-निर्देश प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ चंद्रमौली राय (एमडी, मनोचिकित्सा) ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में आज के बच्चों में बढ़ती व्यवहारगत समस्याओं जैसे ध्यान की कमी, मोबाइल और स्क्रीन-टाइम की लत, चिंता और अनुशासन संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों को इन समस्याओं के व्यावहारिक समाधान भी सुझाये। मॉम्स बिलीफ के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए अभिभावक, शिक्षक और विशेषज्ञों के बीच समन्वय और प्रारंभिक हस्तक्षेप बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था माता-पिता को जागरूक कर घर पर भी बच्चों के लिए आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करती है। विद्यालय के प्राचार्य नील घोष ने कहा कि पालन-पोषण एक ऐसी यात्रा है जिसमें अनेक चुनौतियां आती हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा प्रयास है कि अभिभावक, शिक्षक और विशेषज्ञ एक मंच पर आये और बच्चों का पालन-पोषण समझदारी, सहानुभूति और सही मार्गदर्शन के साथ कर सकें।

हैकथॉन फाइनल में एसबीयू की टीम को मिला दूसरा पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला यूनिवर्सिटी की टीम ऐरावत ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के इनोवेट-ए थॉन 3.0 में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। बीआइटी मेसरा में पीपीटी राउंड से शुरू हुई इस अखिल भारतीय प्रतियोगिता में चार हजार से भी अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। पहले राउंड में टीम ऐरावत ने पहला स्थान हासिल कर अगले राउंड के लिए क्वालीफाई किया। छत्तीस घंटे के हैकथॉन फाइनल में, टीम को प्रोजेक्ट प्रस्तुतीकरण के दौरान चार मेंटरों का मार्गदर्शन मिला। तीसरे राउंड में चुनी गयी पांच टीमों में एसबीयू ने दूसरा स्थान हासिल किया। टीम में टीम लीडर आकाश कुमार सिंह, राकेश कुमार और कुनाल शाहदेव (सभी एमसीए तृतीय सेमेस्टर) शामिल थे। टीम ने वेब-3 आधारित हेल्थ क्राइसिस समाधान प्रस्तुत किया, जिससे जूरी प्रभावित हुई और उन्हें 1टीबी एसएसडी पुरस्कार मिला।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. गजेंद्र पुरोहित और प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए विशेष अतिथि स्टीवर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्तर पर विवि के छात्रों की नेतृत्व और नवाचार क्षमता को प्रदर्शित करती इस उपलब्धि पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं हैं।

राज्यपाल से मिला भाजपा महिला मोर्चा का शिष्टमंडल, सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा, झारखंड प्रदेश का एक शिष्टमंडल राजभवन में मिला। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें 1 सितंबर 2025 को रांची में आयोजित महिला मोर्चा की शांतिपूर्ण रैली पर पुलिस कार्रवाई का उल्लेख किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि यह रैली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां पर की गयी अभद्र टिप्पणी के विरोध में आयोजित की गयी थी। महिला कार्यकर्ता जब लोकतांत्रिक ढंग से कांग्रेस भवन, रांची का घेराव करने जा रही थीं, तभी पुलिस प्रशासन की ओर से बल प्रयोग किया गया। यह आरोप लगाया गया कि पुरुष पुलिसकर्मियों ने

महिला कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की और लाठीचार्ज किया, जिससे कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गयीं। भाजपा महिला मोर्चा के शिष्टमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करायी जाये। दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई की जाये। वहीं, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह के नेतृत्व में महिला मोर्चा की बहनों ने राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपा और न्याय की मांग की। आरती सिंह ने कहा महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। शिष्टमंडल में उपाध्यक्ष बबीता झा, मंत्री सूचिता सिंह, मंत्री नीलम चौधरी, मीडिया प्रभारी कुमुद झा, सोशल मीडिया प्रभारी रंजीता सिंह, कार्यालय मंत्री कवलजीत कौर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष नेहा सिंह, महानगर अध्यक्ष पायल सोनी सहित अन्य उपस्थित रहीं।

आयोग के गठन से विस्थापित परिवारों को मिलेगा न्याय : केशव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन के लिए झारखंड कैबिनेट से नियमावली को मंजूरी मिलना वर्षों से विस्थापित परिवारों को न्याय देने की दिशा में सराहनीय पहल है। झारखंड में विस्थापन एक बड़ी समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए आयोग की मांग वर्षों से लंबित थी, जिसे पूरा करने की दिशा में प्रमुख कदम उठाया गया है। महागठबंधन सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों में विस्थापन आयोग का गठन मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आयोग के गठन से बोकारो, धनबाद, बड़कागांव, चांडिल, एचइसी

सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्थापित परिवारों को न्याय मिलने का रास्ता साफ होगा। विकास एवं निर्माण के नाम पर हजारों परिवारों को उनकी जमीनों से विस्थापित किया गया था। सैकड़ों मामलों में विस्थापित परिवार अपनी मांगों को लेकर वर्षों से आंदोलनरत हैं, लेकिन उचित प्लेटफॉर्म के अभाव में विस्थापितों की सुनवाई नहीं हो पा रही थी। इन समस्याओं के समाधान की दिशा में आयोग का गठन एक कारगर कदम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन का संकल्प लिया था, जिसे महागठबंधन सरकार ने मूर्त रूप दिया है। हमें जनता ने जिस भरोसे से चुना है, उस पर हम खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं।

हमारी ही नीतियों पर लौट रही राज्य सरकार : रघुवर दास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मौजूदा राज्य सरकार सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि राज्य सरकार बार-बार उन्हीं नीतियों को लागू करने पर मजबूर हो रही है, जिन्हें पहले बदलकर खुद नयी नीति पेश की थी। उन्होंने जेएसएससी की परीक्षा पद्धति का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार ने पहले उनके कार्यकाल के दो चरणों (पीटी और मेंस) वाले पैटर्न को खत्म कर केवल एक चरण में परीक्षा कराने का निर्णय लिया, लेकिन अब उसी पुराने पैटर्न को फिर से लागू करना पड़ रहा है। रघुवर दास ने स्थानीय नीति और शराब नीति को लेकर भी मौजूदा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय राज्य सरकार ने हमारी स्थानीय नीति की आलोचना की थी और उसे बड़ा मुद्दा बनाया था। लेकिन अब सरकार खुद मान रही है कि वही नीति सही थी। इसी तरह शराब नीति को भी हमारी ही योजना के आधार पर लागू किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने

के बाद हमारी हर अच्छी नीति-नियमावली को बदल दिया, लेकिन अब धीरे-धीरे यह साफ हो रहा है कि हमारी नीतियां ही राज्यहित, जनहित और युवाओं के भविष्य के हित में थीं।

परिवर्तनी एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ी भीड़

बेंगलुरु के ऑर्किड से सजा बाबा श्याम का दरबार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में बुधवार को भादो की शुक्ल पक्ष की परिवर्तनी एकादशी के अवसर पर मंदिर में भक्तों भारी भीड़ उमड़ी। ज्ञातव्य है कि बाबा श्याम की चार एकादशी साल में बड़ी एकादशी के रूप में मनायी जाती है। जिसमें से भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की परिवर्तनी एकादशी उनमें से एक है । 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी काफी संख्या में उपस्थित थी। अध्यक्ष गोपाल मुरारका एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में श्याम सुंदर शर्मा एवं मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा को बेंगलुरु से मंगाये गये ब्ल्यू ऑर्किड, पर्पल ऑर्किड, स्काई ब्ल्यू ऑर्किड, येलो क्रिस्टमम

कोलकाता की तुलसीदल, रजनीगंधा, लाल मुरुगन फूल, इंपोर्टेड येलो मुरुगन फूल पीला गेंदा की मोटी मोटी मालाओं से सजाया गया। बुधवार को दिनभर भक्तों का समुह श्याम मंदिर में आना जाना लगा रहा। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने गणेश वंदना, श्याम सुंदर शर्मा ने गुरु वंदना, राजेश चौधरी ने हनुमान जी की वंदना, सलज अग्रवाल ने रानी सती दादी जी की वंदना एवं बाबा श्याम की वंदना गौरव अग्रवाल ने की। ग्यारस संकीर्तन का संचालन मंडल के कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कर रहे थे। मंडल के मंत्री विष्णु चौधरी एवं उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया ने ग्यारस पूजन एवं ज्योत की सभी तैयारियां पूरी करवायी। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं मंत्री पंकज गाड़ोदिया ने प्रसाद वितरण का कार्य अन्य सहयोगियों के साथ संपन्न किया। विशेष श्रृंगार की सेवा श्याम प्रेमी गण के परिवार ने रबड़ी प्रसाद सेवा अन्नपूर्णा सरावगी, केसरिया पेड़ा खुशबू गर्ग, पंचमेवा भोग सेवा प्रकाश दलानिया, राजकुमार अग्रवाल सुमित्रा देवी मगही पान सेवा, सुभाष रौनक पोद्दार, मुकेश बरनवाल फल प्रसाद एक श्याम भक्त एवं सोना देवी गिरी गोला सेवा मुकेश मित्तल एक श्याम भक्त नवीन पोशाक सेवा किरण साकेत रिचा आरोही सराफ द्वारा निवेदित की गयी थी।

इस अवसर पर मंडल के गोपाल मुरारका, गौरव अग्रवाल, मनोज खेतान, सुरेश सरावगी, विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, पंकज गाड़ोदिया, विष्णु चौधरी, प्रवीण सिंघानिया, श्यामसुंदर शर्मा, राजेश चौधरी, राजेश ढांढनीया, रोशन खेमका, दिनेश अग्रवाल, लोकेश जालान, सर्वेश अग्रवाल आदि काफी संख्या में श्याम मंदिर में श्याम भक्त उपस्थित हुए। रात्रि 12:15 बजे की आरती के बाद मंदिर के पट लगाये गये। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

विस्थापन आयोग का गठन स्वागत योग्य कदम : माकपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। माकपा ने राज्य के विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा के लिए विस्थापन आयोग के गठन को स्वागत योग्य कदम बताया है। पार्टी के राज्य सचिवमंडल की ओर से बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि कैबिनेट ने झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग गठन कार्य और दायित्व नियमावली की स्वीकृति देकर सकारात्मक पहल की है।

पार्टी की ओर से कहा गया है कि हालांकि वर्ष 2024 के जुलाई महीने में ही विस्थापन आयोग का गठन के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। लेकिन एक साल के बाद उसकी नियमावली तैयार की गयी है। माकपा झारखंड के गठन के पहले से ही राज्य की महत्वपूर्ण ज्वलंत समस्या विस्थापन जिसमें लाखों लोग खनन कार्य, बड़े डैम, सिंचाई परियोजनाओं, कल-कारखानों, सेंक्चुरी और कॉरिडोर के निर्माण के लिए अपनी जमीन खोकर विस्थापित होने का दंश झेलते हुए गुमनामी के अंधेरे में खो गये इन्हें न्याय दिलाये जाने के लिए लगातार आवाज उठाती रही है। पार्टी ने कहा है कि स्वतंत्र भारत में भी पूंजीवादी विकास के इस माडल ने झारखंड जैसे राज्य में आदिवासियों और दूसरे अन्य गरीब रैयतों और किसानों को अपनी कृषि योग्य भूमि से बेदखल कर उन्हें दर-दर की ठोकरें खाने के लिए विवश किया गया।

माकपा ने राज्य सरकार से अपील की है कि सरकार विस्थापन आयोग को कमेटी नहीं कानूनी अधिकारों से संपन्न आयोग का दर्जा दे।

सांसद संजय सेठ ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांके विधानसभा क्षेत्र में सांसद निधि से 20 लाख रुपये की लागत से पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। यह निर्माण कार्य जगत पुरम कॉलोनी, कुम्हारिया चंदवे और केरा कोना में किया जायेगा। सेठ ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सभी क्षेत्रों का समुचित विकास किया जायेगा। उन्होंने रांची वासियों को प्राकृतिक पर्व करम की ढेर सारी शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक समरी लाल, नरेंद्र कुमार राम, लगन राम, नकुल तिर्की, गोपाल महतो और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इनमें महानंद, गुरुचरण मुंडा, दीपक दास, अमित साहू, विकास कुमार रवि, बबलू सिंह, कुंदन सिंह, राजू रजक, बलराम प्रसाद और राकेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

टीएमसी प्रदेश कार्यालय में करम पर्व धूमधाम से मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के बरियातू स्थित टीएमसी प्रदेश कार्यालय में बुधवार को करम उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं और युवक-युवतियां हाथों में हाथ डालकर गोल घेरे में खूब थिरकती नजर आयीं। आले करम दूइए दिना, एसों करम साल देइये राखले आले करम दुइए दिना...जैसे कई गीतों पर झूमते नजर आये। वहीं टीएमसी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष फिलमोन टोप्पो और कार्यालय प्रभारी दयानंद सिंह ने महिलाओं के बीच करम वस्त्र का वितरण किया।

महिलाओं के बीच करम वस्त्र का वितरण किया गया

इस अवसर पर फिलमोन टोप्पो ने कहा कि करम उत्सव हमारी संस्कृति और सभ्यता का पहचान है। यह हमारे एकता को प्रकट करने वाला त्यौहार है। इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों के लिए करमा का त्यौहार करती हैं। यह त्यौहार आपसी प्रेम, सद्भाव सहित अपनी प्रकृति और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प भी दिलाता है। इस मौके पर उदयभानु सिंह, मोहसिन, सारा खातून, सुशीला देवी, मुन्नी बारला, अर्जुन लोहरा, जयप्रकाश साहू, झालो टोप्पो सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बोड़ेया गांव में करम पर्व धूमधाम से मनाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। बुधवार को कांके क्षेत्र अंतर्गत बोड़ेया गांव में करम पर्व धूमधाम से मनाया गया। गांव के पहन विश्वकर्मा पहान के अगुवाई में गांव के अखड़ा पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की गयी एवं गांव मौजा के सुख समृद्धि के कामना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की एवं निशा भगत उपस्थित थे। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि बहनें अपने भाई का लंबी आयु की कामना करती हैं एवं अच्छी फसल होने की खुशी में भी लोग इस त्यौहार का मनाते हैं। मौके पर बोड़ेया गांव के परना बांडो, अमर तिर्की, कर्मा टोप्पो, आशिष टोप्पो, धर्मवीर लिंडा, रवींद्र बिन्हा, रतन उरांव, रामदास उरांव, अशमानी टोप्पो एवं अन्य शामिल थे।

ललित त्रिपाठी की पुस्तक द लास्ट डिप्रेशन का भव्य विमोचन

मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता की नयी लहर है 'द लास्ट डिप्रेशन'

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। होटल रेडिसन ब्लू में बुधवार को आयोजित समारोह में ललित त्रिपाठी की चर्चित पुस्तक द लास्ट डिप्रेशन संघर्ष में उम्मीद की एक किरण का भव्य विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, सांसद महुआ माजी और झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश एसएन पाठक ने किया।समारोह में साहित्य प्रेमी, राजनीतिज्ञ, समाजसेवी, चिकित्सक, शिक्षाविद, युवाओं की बड़ी भीड़ जुटी थी। मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। दुख की बात यह है कि हम शारीरिक बीमारियों पर तो बात करते हैं, लेकिन अवसाद पर चुप रहते हैं। ललित जी की यह पुस्तक उन चुप्पियों को तोड़ने का साहस देती है। यह केवल किताब नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता की नयी लहर है। मुझे यकीन है कि यह पुस्तक लाखों लोगों का जीवन बदल सकती है।

हताश लोगों के लिए मानसिक क्रांति है यह पुस्तक

लेखक ललित त्रिपाठी ने अपनी पुस्तक पर चर्चा करते हुए बताया कि द लास्ट डिप्रेशन सिर्फ एक किताब नहीं है। यह एक मानसिक क्रांति है। यह उन टूटे, बिखरे, हताश और निराश लोगों की कहानी है, जो जीवन की जद्दोजहद में खुद को खो बैठे, लेकिन फिर भी उठ खड़े हुए। इसका मूल संदेश बताते हुए कहा कि अवसाद अंत नहीं है। यह बस वह मोड़ है, जहां से जिंदगी हमें खुद को नये सिरे से गढ़ने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि द लास्ट डिप्रेशन मेरी आत्मिक यात्रा है। यह उन रातों की कहानी है, जब अंधेरा गहरा था, लेकिन भीतर कहीं एक किरण जिंदा थी। मैंने यह किताब उन सभी के लिए लिखी है, जिन्होंने कभी खुद को खोया हुआ महसूस किया। मैं यह बताना चाहता हूं कि आप टूट सकते हैं, लेकिन खत्म नहीं हो सकते हैं।

हर किसी के लिए प्रेरक मार्गदर्शक

जस्टिस पाठक ने कहा कि आज विशेषकर युवाओं की पीढ़ी मानसिक दबाव, असफलताओं और अनिश्चितताओं के बीच जी रही है। द लास्ट डिप्रेशन उनके लिए उम्मीद की नयी राह दिखाती है। यह पुस्तक न केवल समस्या की गहरायी बताती है, बल्कि समाधान भी प्रस्तुत करती है। मेरा मानना है कि यह किताब हर स्कूल, कॉलेज और लाइब्रेरी में होनी चाहिए। यह युवाओं को सिखाती है कि जीवन की कठिनाइयों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करना ही सफलता की कुंजी है।

यह किताब एक आंदोलन की शुरुआत है

राज्यसभा सांसद महुआ मांझी ने कहा कि यह किताब एक आंदोलन की शुरूआत है। यह हर उस इंसान के लिए है, जो अवसाद की अंधेरी सुरंग में फंसा हुआ है। इसमें बताया गया है कि जब हम खुद को स्वीकार करते हैं, तो हम अपने जीवन का नया अध्याय लिखने की ताकत हासिल कर लेते हैं। द लास्ट डिप्रेशन लाखों टूटे दिलों के लिए नयी सुबह की दस्तक है।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
"एक मिनीरत्न कंपनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)
CCL Fuelling Sustainable Growth

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं । इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती हैं ।

डीएसपीएमयू में करम पर्व धूमधाम से मनाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। डीएसपीएमयू रांची में करम पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति अंजनी कुमार मिश्र उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि करम पर्व सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति के साथ जोड़ने की बात करता है। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में पद्मश्री महाबीर नायक और पद्मश्री मुकुंद नायक उपस्थित थे। उन्होंने करम पर्व को सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के संरक्षण का प्रतीक बताया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. सर्वोत्तम कुमार ने किया। कार्यक्रम में करम डाली की पूजा और विसर्जन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों उपवास की हुई लड़कियों ने करम डाली के चारों

ओर बैठकर पूजा-अर्चना की। करम पूजा के कथावाचक के रूप में टीआरआइ के पूर्व उप निदेशक सोमा सिंह मुंडा ने इसके उत्पत्ति संबंधी करमा-धरमा की कहानी को विस्तार से बताया। कार्यक्रम का समापन करम डाली और जाउआ के विसर्जन के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कई शिक्षक और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा में अनूप सिंह की सराहनीय भूमिका पर धन्यवाद पत्र दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बिहार में 16 दिन तक चली वोटर अधिकार यात्रा 01 सितंबर को पटना में समाप्त हो गयी। इस यात्रा के दौरान झारखंड प्रदेश से कांग्रेस के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यात्रा के दौरान अनूप सिंह की भूमिका को देखते हुए लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धन्यवाद पत्र दिया है। इस पत्र के मिलने के बाद अनूप सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा है कि लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, आपके इस उत्साहवर्धन और स्नेह के लिए मैं

हृदयपूर्वक आभारी हूं। आपके मार्गदर्शन और निर्देशानुसार, जनहित से जुड़े सभी विषयों में पार्टी और जनमानस की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। आपको बता दें कि 1300 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में राहुल गांधी ने बिहार के कुल 24 जिलों में वोटर अधिकार यात्रा की।

वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय संगठन का पांचवां सत्र आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय संगठन के पांचवें सत्र का उद्घाटन बुधवार को रांची के बीएनआर होटल में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति समीर लोहिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के अनेक पदाधिकारी और 34 राष्ट्रव्यापी महिला समिति के ढाई सौ सदस्य उपस्थित थे। मंच संचालन सचिव अंजलि तापड़िया कर रही थीं। वनबंधु परिषद के संस्थापक प्रणेता श्याम गुप्त आशीर्वाद देने विशेष रूप से उपस्थित रहे। ईस्ट जोन चैप्टर के चेयरपर्सन रमेश धरणीधरका ने सभी आयामों से आये हुए सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष

विनीता जाजू ने महिलाओं की वात्सल्य शक्ति और क्षमताओं के माध्यम से संगठन में किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय एकल युवा की युवा कोऑर्डिनेटर रासु जैन ने गुरुकुल द्वारा संस्कार शिक्षा और बस्तियों में राष्ट्रीय चेतना पर बल दिया। मुख्य अतिथि समीर लोहिया ने एकल अभियान को एक विलक्षण संस्था बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी ने महिला समिति की सुंदर- सुव्यवस्थित और अनुशासित बैठकों को प्रेरणादायक बताया और कहा कि उनके द्वारा किये जा रहे कार्य गांव-गांव में ग्रामीणों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बना रहे हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला समिति की सह सचिव रेनू कनोडिया ने सभी को धन्यवाद करते हुए आज के सत्र की समाप्ति की घोषणा की।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआइआर

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री केएन त्रिपाठी के खिलाफ पलामू में एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआइआर दर्ज की गयी है। मेदिनीनगर टाउन थाना में पूर्व मंत्री के खिलाफ जीरो एफआइआर की गयी है। जांच की जिम्मेदारी सब इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस अधिकारी को दी गयी है। दरअसल, त्रिपाठी पर अपने बॉडीगार्ड को थप्पड़ मारने और जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। मेदिनीनगर टाउन थाना के प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने एफआइआर की पुष्टि की है। केएन त्रिपाठी के दोनों बॉडीगार्ड ने पुलिस को लिखे आवेदन में कहा कि मंगलवार को पूर्व मंत्री लातेहार की जुबली चौक पर जाम को हटाने का आदेश दिया था। इसी क्रम में कुछ देर बाद पूर्व मंत्री उनके पास पहुंचे और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए उन्हें थप्पड़ जड़ दिया।

मनचलों ने युवती से की छेड़खानी, विरोध करने पर चलायी गोली

रामगढ़ (आजाद सिपाही) । रामगढ़ में दो मनचलों ने युवती से छेड़खानी किया। विरोध करने पर गोलीबारी कर दी। यह घटना बुधवार को रांची-पटना मुख्यमार्ग एनएच 33 पर पटेल चौक और कल्याणी ढाबा में हुआ है। इस वारदात में कार पर सवार दो युवकों और तीन युवतियों की जान बाल बाल बची, लेकिन गाड़ी का शीशा टूट गया। इस घटना के बाद रामगढ़ थाना पुलिस भी हरकत में आई और अब उन लोगों की तलाश कर रही है, जिन लोगों ने गोली चलाकर पुलिस को चुनौती दी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी, दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। **निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-साउथ-25-26-10, दिनांक: 03.09.2025। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता (साउथ)/चक्रधरपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन राजखरसावां-पदापहाड़, पदापहाड़-जारोली, पदापहाड़-बलानी खदान, जीएक्स प्रमुख खंड में विभिन्न यार्डों की विभिन्न लूप लाइनों में 15.176 टीकिमी. के लिए सम्पूर्ण ट्रैक नवीकरण [सीटीआर(एस)]। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,36,79,178.56। **बयाना राशि:** ₹ 3,18,400। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** ₹ 0। **खुलने की तारीख:** 25.09.2025। निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदादाता/ बोलीदाताओं के पास क्लास-I I I डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे। **द्रष्टव्य:** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क जारी किये जायेंगे (प्राधिकारी - रेलवे बोर्ड की पत्र संख्या 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांक 16.07.2020)। (PR-593)

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. CAOCRSPBBS-23-2025, दिनांक : 25.08.2025

कार्य का नाम : खोरधा रोड मण्डल के बारुवा - मन्दसा स्टेशन मेन लाइन के बीच रलवे कि.मी. 662/9-11 पर समपार सं. 358 के बदले में रलवे कि.मी. 662/9-11 पर प्रस्तावित स्पैन 1X36.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 3X18.75 मीटर T-Beam गर्डर + 1X10.50 मीटर T-Beam गर्डर के साथ रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 50,79,99,073.96, EMD : ₹ 26,90,000.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने ।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 22.09.2025 को 1500 बजे ।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फार्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B, G & G1 जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / RSP / भुवनेश्वर

PR-93/CI/25-26

पबरा स्कूल के संगीत शिक्षक पर छात्राओं से अश्लील हरकत करने का आरोप

- प्रभारी प्रधानाध्यापक ने संगीत शिक्षक मोहम्मद इरफान से स्पष्टीकरण मांगा
- अभिभावकों ने संगीत शिक्षक की सेवा को समाप्त करने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय पबरा में कार्यरत संगीत शिक्षक पर वहां की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि शिक्षक ने विद्यालय की ही एक छात्रा को बहला-फुसलाकर प्रेम जाल में फंसाया और उसके साथ अश्लील हरकत की।

आरोप है कि संगीत शिक्षक मोहम्मद इरफान द्वारा संगीत शिक्षण के क्रम में लड़कियों को गलत जगह पर पकड़ कर संगीत सिखाने का काम करते हैं। जिससे भयभीत होकर लड़कियों ने अपने-अपने अभिभावक को सूचित किया। संगीत शिक्षक के इस कृत से लड़कियों ने अपने-अपने घर में विद्यालय जाने से इनकार करने लगीं। तब अभिभावकों द्वारा विद्यालय जाकर संज्ञान लिया कि आखिर लड़कियां विद्यालय क्यों नहीं जाना चाहती हैं। अभिभावकों ने इस मामले की जांच किया तो पाया कि संगीत शिक्षक द्वारा संगीत शिक्षण में लड़कियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं एवं शरीर के अंगों को अपने हाथ से सिखाने के बहाने छुआ करते हैं। ताजा घटना 18 अगस्त की है। उस दिन संगीत शिक्षक ने स्कूल से छुट्टी ली थी।

विद्यालय के ही नाबालिग दलित छात्रा को बहला फुसला कर हजारीबाग बुलाया था। छात्रा स्कूल के बहाने दिनभर घर से गायब रही। देर रात कुछ ग्रामीणों द्वारा छात्रा को लौटकर गांव आते देखा गया। गहनता से पूछने पर छात्रा ने खुद स्वीकार किया कि वह पूरे दिन अपने संगीत शिक्षक के साथ हजारीबाग में थी। इज्जत और बदनामी के डर से परिजन 19 से 25 अगस्त तक मामले को दबाने की कोशिश की। लेकिन 26 अगस्त को वे विद्यालय पहुंचे। प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद एजाज से शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिसकी जानकारी प्रभारी प्रधानाध्यापक को लगी और उनके द्वारा इस संबंध में संगीत शिक्षक से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। ग्रामीणों द्वारा जब विद्यालय पहुंच कर जानकारी प्राप्त किया गया तो बताया गया कि लड़कियों द्वारा लगाया जा रहा आरोप सही है। यह भी ज्ञात हुआ कि संगीत शिक्षक लड़कियों को अपने अभिभावक को नहीं बताने हेतु धमकी तक देते थे। ग्रामीणों ने ऐसे संगीत शिक्षक को किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरण या पदस्थापन ना करके उनकी सेवा को समाप्त करने की मांग की है। मामले की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी हजारीबाग के साथ हजारीबाग डीसी, एसपी, सांसद, विधायक और सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को भेजा गया है।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in
06

मिक्स्ड सिग्नल

चीन से पीएम मोदी, पुतिन और शी की मुलाकातों के बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को संभालने का प्रयास किया है। पीयूष गोयल का ट्रेड डील पर बातचीत जारी रखने का बयान सकारात्मक है।

पूरी दुनिया में जब चीन से आयी पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग के बीच की केमेस्ट्री दिखाती तस्वीरों का विश्लेषण हो रहा है, तब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को संभालने की कोशिश की है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का यह बयान भी सकारात्मक संदेश देता है कि ट्रेड डील के लिए अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है।

टाइमिंग महत्वपूर्ण : टैरिफ पर अड़ियल रुख के बावजूद ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन में ऐसे लोग हैं, जो अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व को समझते हैं। मार्को रुबियो उनमें से एक हैं। उनका बयान ही नहीं, उसकी टाइमिंग भी अहम है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते को एकतरफा बताया, उसी दिन रुबियो ने इस साझेदारी को 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता करार दिया। उन्होंने दोनों देशों की जनता के बीच बनी मित्रता को इंडिया-यूएस पार्टनरशिप का आधार बताकर हाल में आयी कटुता को दूर करने का प्रयास किया है।

ट्रंप की छवि ऐसे राजनेता की बन चुकी है, जिसकी नीतियां अस्थिर हैं और जो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने कई ऐसे बयान दिये थे, जिनके बारे में बाद में वाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी।

पुरानी आदतः ट्रंप की छवि ऐसे राजनेता की बन चुकी है, जिसकी नीतियां अस्थिर हैं और जो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने कई ऐसे बयान दिये थे, जिनके बारे में बाद में वाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता का प्रस्ताव हो या अमेरिकी चुनाव में दखल के मामले में रूस को क्लीनचिट देना - ट्रंप ने अपने विदेश विभाग को कई बार असमंजस में डाल दिया था।

अलग रुख : अगर मौजूदा हालात को देखें, तो अब भी कुछ वैसा ही होता दिख रहा है। ट्रंप का रवैया बातचीत के सारे रास्ते बंद करने का है, लेकिन अमेरिकी रणनीतिकार जानते हैं कि इससे चीजें और बिगड़ जाएंगी। वैसे भी पश्चिमी मीडिया पीएम मोदी की चीन यात्रा और वहां पूतिन से उनकी मुलाकात को अमेरिकी डिप्लोमैसी के लिए बड़े झटके के रूप में देख रहा है।

संयुक्त अभ्यासः हालांकि भारत ने कभी संवाद का रास्ता बंद नहीं किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बयान इसका सबूत है। दुनियाभर में कारोबारी रिश्तों का विस्तार करने के बावजूद नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के साथ पुराने संबंधों को नहीं छोड़ा है। इस कड़ी में यह भी अहम है कि दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास के लिए अलास्का में जुटी हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

जब डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा प्रकट की, तब उन्होंने अत्यंत विनम्रता से कहा 'यदि आप मेरे जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं तो मुझे अधिक प्रसन्नता होगी, क्योंकि यह मेरे व्यक्तित्व की नहीं, अपितु समस्त शिक्षकों की गरिमा का उत्सव होगा।' यह वाक्य उनकी उदारता और शिक्षा-प्रेम का द्योतक है।

शिक्षक दिवस : गुरु परंपरा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प

प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार

भारत की संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च तथा अनुपम माना गया है। शिक्षक समाज का वह आधार स्तंभ है, जो न केवल ज्ञान का प्रसार करता है, बल्कि जीवन की अंधकारमय राहों को आलोकित करता है और विद्यार्थियों के चिंतन, आचरण तथा व्यक्तित्व को उपयुक्त दिशा प्रदान करता है। गुरु ही सृजन के प्रेरक, संरक्षण के आधार और जीवन के सत्य के उद्घाटक हैं।

'गुरु' शब्द संस्कृत के 'गु' (अंधकार) और 'रु' (निवारण करने वाला) शब्द से बना है, जिसका अर्थ है- अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करने वाला। अतः गुरु वह है ज्योति है जो शिष्य के जीवन से अज्ञान का अंधकार मिटाकर ज्ञान, सत्य और विवेक का प्रकाश फैलाता है। भारतीय परंपरा में गुरु को केवल शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा और पथप्रदर्शक माना गया है, जो शिष्य के व्यक्तित्व, चरित्र और संस्कार का निर्माण करता है। इसी कारण गुरु को साक्षात ब्रह्म के समान पूजनीय स्थान प्रदान किया गया है- गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

भारतीय परंपरा में गुरु को केवल शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा और पथप्रदर्शक माना गया है।

शिक्षक दिवस का प्रारंभ 1962 में हुआ, जब हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति, अद्वितीय शिक्षक और महान दार्शनिक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने जन्मदिवस को उत्सव के रूप में मनाने के बजाय इसे शिक्षकों के सम्मान में समर्पित करने का सुझाव दिया। जब उनके शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा प्रकट की, तब उन्होंने अत्यन्त विनम्रता से कहा 'यदि आप मेरे जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाएं तो मुझे अधिक प्रसन्नता होगी, क्योंकि यह मेरे व्यक्तित्व की नहीं, अपितु समस्त शिक्षकों की गरिमा का उत्सव होगा।' यह वाक्य उनकी उदारता और शिक्षा-प्रेम का द्योतक है। तब से यह दिन भारत में शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक बन गया है।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और उनका शिक्षा-दर्शन आधुनिक भारत के लिए आदर्श है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल तथ्यों और सूचनाओं का संकलन नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास का साधन है। उनके शब्दों में 'सच्ची शिक्षा से हम मानवता को महान बना सकते हैं।' यह विचार स्पष्ट करता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक लाना या डिग्री अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना है। उन्होंने शिक्षा को व्यक्ति और समाज के विकास का आधार माना है। शिक्षक दिवस हमें उनके इस दर्शन को स्मरण करने और शिक्षा के प्रति उनके योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है।

भारतीय इतिहास और साहित्य में गुरु का गौरवशाली स्थान रहा है। रामायण में गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र अपने शिष्यों को केवल शास्त्र विद्या ही नहीं सिखाते, बल्कि उनमें जीवन का आदर्श भी गढ़ते हैं। महाभारत में गुरु द्रोणाचार्य युद्धकला का शिक्षण देते हुए अपने शिष्यों को कर्तव्य और धर्म का बोध कराते हैं, वहीं भगवान श्रीकृष्ण स्वयं अर्जुन का सारथी होकर यह सिद्ध करते हैं कि गुरु केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवन की हर परिस्थिति पर पथप्रदर्शक होता है। प्राचीन गुरुकुल प्रणाली इसी गहन शिक्षा-दर्शन पर आधारित थी, जहां शिक्षा का तात्पर्य केवल शास्त्रज्ञान नहीं, बल्कि श्रम, अनुशासन, सेवा और आत्मसंयम था। इसी कारण गुरु और शिष्य का संबंध आजीवन आत्मीयता और श्रद्धा से जुड़ा रहता था।

आज के डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो गयी है। तकनीकी प्रगति और सूचना क्रांति ने शिक्षण पद्धतियों को नया स्वरूप प्रदान किया है। ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण उपकरण, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नवाचारों ने शिक्षकों के सामने नए अवसर और चुनौतियां प्रस्तुत की हैं। प्रतिस्पर्धा की होड़ और अंक-प्राप्ति की दौड़ ने शिक्षा को सीमित और यांत्रिक बना दिया है। ऐसे में शिक्षक का उत्तरदायित्व और अधिक बढ़ जाता है कि वह विद्यार्थियों को केवल सूचना नहीं, बल्कि विवेक, नैतिकता और जीवन-मूल्य प्रदान करें। हालांकि, तकनीक शिक्षक की जगह नहीं ले सकती। एक शिक्षक का मानवीय स्पर्श, उनकी प्रेरणा, और उनकी समझ विद्यार्थियों के लिए अपरिहार्य है। शिक्षक न केवल विषय ज्ञान करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, और आलोचनात्मक चिन्तन की क्षमता विकसित करते हैं।

शिक्षक के महत्त्व को केवल जानकारी या पाठ्यक्रम तक सीमित करना उसके योगदान को अत्यधिक संकुचित कर देना है, क्योंकि शिक्षक मात्र विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र का शिल्पकारहोता है। वह अपने विद्यार्थियों के अंतःकरण में सद्गुणों का बीज बोता है, उनके जीवन में संस्कारों की गंगा प्रवाहित करता है। शिक्षा यदि केवल जीविकोपार्जन तक सीमित हो जाये तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जायेगा, क्योंकि उसका मूल उद्देश्य व्यक्ति को विवेकशील और उत्कृष्टमानव बनाना है।

इतिहास साक्षी है कि चाहे कोई आदर्श व्यक्तित्व हो, महान वैज्ञानिक, रचनाशील कलाकार या दूरदर्शी चिंतक, उनकी सफलता के पीछे किसी न किसी गुरु की प्रेरणा, मार्गदर्शन और तपस्या अनिवार्य रूप से रही है। यदि राष्ट्र को सुदृढ़, संस्कारित और प्रगतिशील बनाना है तो शिक्षक के गौरव और गरिमा को पुनः प्रतिष्ठित करना होगा। इसीलिए कहा गया है 'गुरु बिन ज्ञान नहीं और ज्ञान बिन जीवन नहीं।'

यह स्पष्ट है कि शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की आत्मा का उत्सव है। शिक्षक वह दीपशिखा हैं जो स्वयं जलकर अज्ञान का तमस हरते हैं और ज्ञान का आलोक फैलाकर नयी पीढ़ी को जीवन-दर्शन का मार्ग दिखाते हैं। वे केवल विद्या के वाहक नहीं, बल्कि संस्कृति के संरक्षक, नैतिकता के प्रवर्तक और प्रगति के पथप्रदर्शक भी हैं। अतः इस पावन अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम गुरुजनों की गरिमा को अक्षुण्ण रखेंगे, उनकी चुनौतियों को समझते हुए उनके कार्यों में सहयोग करेंगे और शिक्षा को मात्र ज्ञानार्जन का साधन न मानकर उसे मानवता, संस्कार और विवेक का पथप्रदर्शक बनायेंगे। उनकी यह साधना और तपस्या निरंतर प्रवाहित होती रहे और हम सब मिलकर उनके इस यज्ञ में सहभागी बनें, यही शिक्षक दिवस के पुनीत अवसर पर शिक्षकों के प्रति वास्तविकसम्मान होगा।

(लेखक मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची के प्राचार्य हैं)

कोल्हान की खबरें

बोड़ाम के खोकरो गांव में पुलिया निर्माण की मांग

जमशेदपुर/ बोड़ाम (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिले के जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत अंतर्गत खोकरो गांव में पुल निर्माण नही होने से बरसात के दिनों में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लगभग 100 परिवार के लिए नाला पार करना सबसे बड़ी बाधा बन गया है। जिसमे कारण रोजाना ग्रामीणों को कठिनाई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों के अनुसार दलमा पर्वत से निकला यह नाला बरसात में उफान मारने लगता है। जिससे गांव के दोनों हिस्सों हासाडीह और बाद्दाडीह के बीच आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इन दोनों टोला में लगभग 100 से 150 परिवार रहते हैं। जिन्हें हर साल मानसून में बड़ी मुश्किल झेलनी पड़ती है। गांव के लोगों का कहना है सबसे अधिक समस्या स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को होती है। बच्चे रोज स्कूल आने-जाने में जोखिम उठाते हैं। वहीं बीमार होने पर मरीजों को नाले के उस पार ले जाना ग्रामीणों के लिए चुनौती बन जाता है। पहाड़पुर पंचायत के मुखिया अजब सिंह ने कहा इस नाले पर पुलिया निर्माण अति आवश्यक है। वर्षों से ग्रामीण इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गयी। मौके पर मौजुत फूलचंद सिंह सरदार, जनार्दन सिंह सरदार, माधव सिंह, सुखदेव सिंह, लेदू सिंह, सावित्री सिंह और जानकी सिंह ने संयुक्त रूप से विधायक, सांसद और जिला प्रशासन से जल्द से जल्द पुलिया का निर्माण कराने की मांग की।

करम पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के प्रतीक : समीर कुमार मोहंती

बहरागोड़ा (आजाद सिपाही)। आदिम मुंडा महाल विकास समिति चाकुलिया द्वारा आयोजित प्राकृतिक पर्व करमा का बहरागोड़ा में धूमधाम से आयोजन हुआ। बुधवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अथिति विधायक समीर कुमार मोहंती शामिल हुए। इस अवसर पर पारंपरिक करमा नृत्य और गीतों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का संचार किया गया। मौके पर विधायक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा करमा सिर्फ एक पर्व नहीं बल्कि भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रकृति के साथ हमारे गहरे जुड़ाव के प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा आज प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के दौर में करमा पर्व हमें पेड़-पौधों,नदियों और धरती माँ का सम्मान करना सिखाती हैं। उन्होंने आदिम मुंडा महाल विकास समिति की सराहना करते हुए कहा ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ते हैं। विधायक श्री मोहंती युवाओं से अपील की वे अपनी संस्कृति और परंपरा को गर्व से अपनाएं और आगे बढ़ाएं। विधायक समीर मोहंती ने कहा अगर हम अपनी प्रकृति को नहीं बचाएंगे तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। जंगल, पहाड़ और नदियों की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। मौके पर समिति अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सिंह मुंडा, देव मुंडा, आशीष मानकी, भारत मुंडा, मोतीलाल मुंडा, संतोष मुंडा, शंकर मुंडा, झामुमो नेता गौतम दास, विशाल बारिक, सुजीत दास, गणेश दत्ता, राम बास्के, मनोज महतो, कृति सुंदर महतो, नितीश आनंद समेत सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में दिन दहाड़े ज्वैलरी दुकान में लूट

मालिक को किया घायल, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित सोनारी थाना क्षेत्र में अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने दिन दहाड़े वर्धमान ज्वैलर्स में लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। बुधवार को अपराधियों ने वर्धमान ज्वैलर्स में बंधुक के नोक पर लगभग 5 से 6 लाख (60ग्राम) की गहना लेकर चलते बने। उस दौरान दुकान के मालिक रोकने का प्रयास किया लेकिन बंदूक के बट से सर में हमला कर सभी अपराधी भाग निकले। अपराधियों के द्वारा एक राउंड गोली चलाने की बात भी सामने आरही है। उधर घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी, सोनारी थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस दल बल के साथ घटना स्थल पहुच कर जांच में जुट गई। मौके पर स्थानीय शुशांत शेखर ने बताया अपराधियों ने लूट के दौरान वर्धमान ज्वैलर्स के मालिक पर बंदूक के बट से हमला कर घायल कर दिया। लूट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरा में कैद है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।बताया जारहा है लूट की घटना में 6 हथियारबंद अपराधियों ने दुकान में प्रवेश कर वहां मौजूद कर्मियों को कनपटी पर पिस्टल रखकर दहशत फैलाई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार अपराधी योजनाबद्ध तरीके से सोना दुकान में घुस कर हतियार के बल पर लगभग 60 ग्राम सोना जिसका मूल्य 5 से 6 लाख रुपये लूट कर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मौके पर सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया वर्धमान ज्वैलर्स में अपराधियों ने लगभग 11 बजे पहले आए थे और पांच सोने का चेन पसंद किया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह चोरी के नियत से आए थे उसके बाद फिर लगभग 1:00 बजे दुकान में आया और घटना को अंजाम दिया। उन्होंने बताया की फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर कार्रवाई में जुट गई है। बहुत जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। वही जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने सोनारी में दिनदहाड़े हुई लूट की घटना पर गहरी चिंता जतायी। उन्होंने कहा सोनारी में यह तीसरी वारदात है। इससे पुलिस की साख पर सवाल खड़ा होता है। पुलिस अफसरों को चाहिए थाने के सिपाहियों, अधिकारियों, सूचकों को टाइट करें। सीसीटीवी में सारी चीजें कैद हो गई हैं। पुलिस रात भर में अपराध करने वालों को पकड़ें और इसका खुलासा करें।

अपने पिता रामदास सोरेन की राजनीतिक विरासत संभालेंगे सोमेश

अरुण सिंह

घाटशिला (आजाद सिपाही)। राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के मृत्यु से खाली हुई घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना तय है। यह चुनाव बिहार विधानसभा के आनेवाले चुनाव के साथ ही होगा, लगभग यह भी तय है। उपचुनाव को देखते हुए पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त डॉ कर्ण सत्यर्थी एवं घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्रा की अगुवाई में मतदाता पुनरीक्षण का काम शुरू हो गया है। जिला प्रशासन चुनाव आयोग के निर्देशानुसार अपने काम में जुट गया है। उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा का प्रत्याशी कौन होगा? इसे लेकर घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के झामुमो नेता - कार्यकर्ताओ में किसी तरह का

किन्तु - परन्तु नहीं है। घाटशिला, मुसाबनी, धालभूमगढ़, गुडाबांधा, जादूगोड़ा के जमीनी नेता- कार्यकर्ताओ को पार्टी नेतृत्व ने इशारा कर दिया है कि घाटशिला में अब झामुमो का तीर-कमान सोमेश चंद्र सोरेन के हाथ में सौंपा जा रहा है। यहां के कार्यकर्त्ता सोमेश के नाम पर सहमत होकर मंगलवार को घाटशिला में संपन्न कार्यक्रम में अपनी सर्वसम्मत मुहर लगा चुके हैं। बाकी है तो सिर्फ पार्टी नेतृत्व की आधिकारीक घोषणा और सोमेश के नाम पर यह घोषणा किए जाने की फॉर्मेलिटी भी जल्द ही पूरा कर लेगा पार्टी मुख्यालय इसे लेकर पार्टीजन पूरी तरह निश्चिन्त है। बता दें कि सोमेश चंद्र सोरेन स्व रामदास सोरेन के तीन में सबसे बड़े पुत्र हैं। सोमेश ने बीटेक किया है। कुछ दिनों तक टाटा मोटर्स में जॉब भी कर चुके हैं सोमेश। नौकरी छोड़कर फिलहाल वे टाटा मोटर्स एवं टाटा पावर में आउटसोर्सिंग का काम संभाल रहे हैं। सोमेश भले ही राजनीति में इससे पहले कभी प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं रहे, लेकिन कभी - कभार अपने पिता के साथ घाटशिला आते - जाते रहे हैं। गांव - शहर के पार्टी कार्यकर्त्ता इन्हें अच्छी तरह जानते- पहचानते हैं।

स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट का शिक्षक सम्मान समारोह कल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के व्यावहारिक पहलुओं पर एक संगोष्ठी और शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। साकची स्थित मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल सभागार में होने वाले सम्मान समारोह में मुख्य अथिति विधायक सरयू राय शामिल होंगे। बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए विधायक सरयू राय ने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच स्पष्ट जानकारी आवश्यक है। हाल ही में 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं को लेकर उत्पन्न कठिनाइयाँ इस बात का प्रमाण हैं। झारखंड में शिक्षा नीति को समग्रता से लागू करने की ठोस तैयारी नहीं हो पायी है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में आधारभूत ढांचा कमजोर है तथा योग्य शिक्षकों की भारी कमी है।उन्होंने कहा संगोष्ठी में तीन शिक्षा विशेषज्ञ प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर झारखंड में एनइपी के प्रभाव पर अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर जमशेदपुर पश्चिम और पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, पुरस्कार प्राप्त और चर्चित शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार,आवश्यक सुविधाओं का सृजन,परीक्षाफल में सुधार और मेधावी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान सुनिश्चित करना है। यह आयोजन स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट के तत्वावधान में होगा।

सरायकेला-खरसावां में बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू

सरायकेला (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले में बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार घाटों को दो समूहों में बांटा गया।चांडिल क्षेत्र में ग्रुप ए के लिए सोरो जरगोडीह, सोरो बिरडीह, बामुंडीह गोविंदपुर सापदा और बालीडीह चांडिल के घाट शामिल हैं। इनकी सरकारी बोली लगभग 25 करोड़ रुपये से शुरू होगी।सरायकेला क्षेत्र में ग्रुप बी में सरजामडीह, नुआडीह, चमारु, जादुडीही, बालीडीह-राजनगर, लक्ष्मीपुर और बालीडीह चांडिल घाट शामिल हैं। इसकी सरकारी बोली लगभग 20 करोड़ रुपये से शुरू होगी।नीलामी ऑनलाइन ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर होगी। ताकि पारदर्शिता बनी रहे। बड़े पूंजीपतियों के भाग लेने की संभावना जतायी जा रही है। इसको लेकर छोटे पूंजीपति काफी चिंतित हैं।

सरायकेला खरसावां छउ नृत्य शाखा केंद्र का सुचारु रूप से होगा संचालित : दशरथ गागराई

खरसावां (आजाद सिपाही)। राजकीय छऊ नृत्य कला केंद्र सरायकेला खरसावां शाखा केंद्र में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।बुधवार को विधायक दशरथ गागराई की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लंबे समय से बंद पड़े खरसावां केंद्र को पुन: सुचारु रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया। विधायक गागराई ने कहा छऊ कला जिले की धरोहर है। किसी क्षेत्र की पहचान उसकी भाषा, संस्कृति और कला से होती है। उन्होंने कलाकारों को आश्वासन दिया खरसावां शैली छऊ के विकास के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे। बैठक में खरसावां राजघराने की रानी अपराजिता देवी, विधायक पत्नी बसंती गागराई, सरायकेला आर्टिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं कई प्रमुख कलाकार मौजूद रहे। इस अवसर पर कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी और छऊ कला के उत्थान पर चर्चा की।बैठक में निर्णय लिया गया शीघ्र ही एक संचालन समिति गठित की जाएगी। सरायकेला, खरसावां एवं मानभूम शैली के कलाकारों का प्रतिनिधिमंडल संबंधित मंत्री और मुख्यमंत्री से मुलाकात कर तीनों केंद्रों को सक्रिय करने की पहल की जाएगी।

पीडीजे ने किया बीडीएसयू में विधि विभाग का उद्घाटन

जो हमेशा सीखने को तैयार होता है जीवन में वही आगे बढ़ता है: पीडीजे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को विधि विभाग (Department of Law) का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गढ़वा के कौशल किशोर झा और गढ़वा न्यायालय के विभिन्न न्यायिक अधिकारी जिसमे शिवनाथ त्रिपाठी, आशुतोष कुमार पांडे, कुमार विपुल और नरेंद्र कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गान और नृत्य से किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, न्यायालय के न्यायिक अधिकारियो, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह और कुलपति प्रोफेसर एमके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया कर किया और विवि के कुलाधिपति ने मुख्य अतिथि को पौधा, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गढ़वा के कौशल किशोर झा द्वारा विधि विभाग का उद्घाटन फीता काट कर किया गया और पूरे विभाग का भ्रमण कर निरिक्षण किया गया एवं उनके द्वारा हर्ष व्यक्त कर संतोष जाहिर किया गया। श्री किशोर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए पांच महत्त्वपूर्ण पी(P) अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धैर्य से व्यक्ति परिस्थितियों का सामना करना सीखता है, दृढ़ता उसे निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, विन्रमता उसे मंज़िल तक पहुंचने का अवसर प्रदान करता है, समय की पाबंदी एवं लगन उसे नयी ऊंचाइयों तक ले जाती है। और पूरी जीवन सिखने की ललक उसे बुलंदियों तक पहुंचाती है।

विधि विभाग के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे बाबू दिनेश विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा कि परिसर में विधि शिक्षा की शुरूआत लंबे इंतजार के बाद आखिरकार संभव हो पायी है। मेरी तमन्ना थी कि वर्ष 2005 से ही हमारे कैंपस में विधि शिक्षा की व्यवस्था हो, जो आज सफल हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि विधि विभाग की स्थापना केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह समाज में न्याय, अधिकार और कर्तव्य की समझ विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सत्र के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सिंह ने सभी अतिथियों, प्राचार्यो, शिक्षको एवं छात्र-छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना से पूर्व विभिन्न महाविद्यालयों में परंपरागत पाठ्यक्रम जैसे डेंटल, होम्योपैथीक, नर्सिंग, एएनएम, बीएड कोर्स संचालित होते आ रहे है। और इसी क्रम में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, सूचना एवं तकनिकी, स्नातक, स्नातकोत्तर, फार्मेसी, विधि जैसे नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गयी है। इन पाठ्यक्रमों के संचालन से विश्वविद्यालय का शैक्षणिक दायरा विस्तृत हुआ है और विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं पेशेवर शिक्षा उपलब्ध हो रही है।

इसी क्रम में गढ़वा के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शिवनाथ त्रिपाठी ने कहा कि विधि केवल एक विषय नहीं बल्कि समाज को दिशा देने वाला आधार है। उन्होंने विधि के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को चाहिए कि वे टेक्नोलॉजी को समझें, भाषा (लैंग्वेज) को मजबूत करें और विधि के उद्देश्य को गहराई से आत्मसात करें।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अजय भूषण प्रसाद ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, प्राचार्य, संकायाध्यक्ष, शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी एवं छात्र छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित किया क मंच संचालन नर्सिंग के सहायक प्रोफेसर निलोफेर प्रवीण के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, सीईओ सुभाष कुमार, प्रशसनिक अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह एवं विभिन्न कॉलेज के प्राचार्य, संकायाध्यक्ष, गैर शिक्षण कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया करमा पूजा

करमा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला पर्व है: विधायक आलोक

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया प्रखंड के नौका परभन बाबा देव स्थल में प्राकृतिक व बहन ने अपने भाई के लंबे उम्र व अटूट प्रेम और आस्था का पर्व करमा पूजा बड़े ही हर्षोल्लास और परंपरागत रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। हर साल की तरह इस बार भी भादो मास की एकादशी तिथि को यह पर्व पूरे धूमधाम से आयोजित किया गया।

पूजा की शुरूआत प्राचीन मान्यता के अनुसार नौका स्थित दाढ़ी कुआं से जल उठाने के साथ हुई। महिलाएं और पुरुष श्रद्धालुओं ने कलश में जल लेकर परंपरागत गीतों व नृत्य के बीच बाबा देव स्थल पहुंचे और जलाभिषेक कर अखाड़े में लगाये गये करम डाली की विशेष पूजा अर्चना की गयी। बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र और समृद्धि की कामना करते हुए उपवास रखा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक आलोक कुमार चौरसिया पुर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी सहित अन्य मंचासीन को पुजा समिति की ओर से अंगवस्त्र देकर व फुलमाला पहहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि करमा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने आयोजन समिति को सफल कार्यक्रम के लिए धन्यवाद देते हुए स्थानीय संस्कृति को जीवित रखने की सराहना की। मंच का संचालन शिक्षक ब्रह्मदेव सिंह ने किया, वहीं आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष आनंदी सिंह, कोषाध्यक्ष बिरजू सिंह, मुख्य संरक्षक विनय सिंह, सलाहकार जीतन सिंह और धनंजय सिंह विरेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

नौका परभन बाबा देव स्थल के अलावा भंडरिया प्रखंड मुख्यालय के टेनटाड़ और जामौती में भी विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। दोनों जगहों पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और पूरी निष्ठा के साथ करमा डाली की पूजा की। पूरे दिन श्रद्धालु उत्साहपूर्वक पूजा-अर्चना और पारंपरिक अनुष्ठानों में डूबे रहे, वहीं शाम होते-होते करमा गीतों की गूंज ने पूरे क्षेत्र का माहौल सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया।

इस मौके पर जिला परिषद सदस्य हिरवंती देवी, भंडरिया पंजाब नेशनल बैंक के केसियार सुहेल कक्षा हरिदास तिर्की आदिवासी महासभा के अध्यक्ष नीलम कुजूर केश्वर क्रिकेटर प्रखंड प्रमुख रुक्मिणी कुमारी, बडगड प्रखंड प्रमुख शांति देवी, उप प्रमुख श्रद्धा देवी, कुंवर सिंह, अंबिका सिंह, सुशील सिंहा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

पंडा नदी में डूबने से बच्ची की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। केतार थाना क्षेत्र अंतर्गत ताली गांव में करमा पूजा के दिन शाम में पंडा नदी में स्नान करने के दौरान एक बच्ची की मौत डूबने से हो गयी। उसे तत्काल ईलाज हेतु सीएचसी भवनाथपुर लाया गया, जहां तैनात चिकित्स्क डॉ. शैलेंद्र कुमार ने मृत घोषित कर दिया। मृत बच्ची का नाम ताली निवासी सोनम कुमारी 8 वर्ष पिता सत्यनारायण विश्वकर्मा है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है, कि करम डाल स्थापित करने के बाद कर्मा पूजा के लिए सोनम कुमारी व्रत रखी अन्य बच्चियां के साथ बुधवार की देर शाम स्नान करने अपने गांव के ही समीप पंडा नदी में गयी थी, इसी दौरान पंडा नदी में स्नान के क्रम में बच्चियां गहरे पानी में डूबने लगी, शोर गुल सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने कुछ को सुरक्षित निकाल लिया लेकिन सोनम कुमारी गहरे पानी में डूब गयी, उसे किसी तरह पानी से बाहर निकाल कर सीएचसी भवनाथुर लाया गया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। खबर लिखे जाने तक पंडा नदी में डूबे अन्य बच्चियों की तलाश जारी था।

कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया बडगड मुख्य सड़क के नौका गांव स्थित बडका पुल के समीप कार व मोटरसाइकिल के भीषण आमने सामने टक्कर में दो बाईक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में बाहर भंडरिया निवासी बुटन मांझी के पुत्र अंतु मांझी व जग्गु मांझी के पुत्र रवि मांझी का नाम शामिल हैं। घटना कि तत्काल सूचना भंडरिया थाना प्रभारी सुभाष कुमार पासवान को दिया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच सडक पर पडें दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरिया लाया गया, जहां चिकित्सकों के द्वारा दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढवा रेफर कर दिया गया है। वहीं भंडरिया पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर थाना लाया।

इद मिलादुन्नबी की तैयारियों को लेकर बैठक

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। ईद मिलादुन्नबी की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से सद्दाम आलम को सदर चुना गया। बैठक में पर्व को शांति, आपसी भाईचारे और सौहार्द्र के साथ मनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। श्री बंशीधर नगर के चेचारिया ग्राम स्थित बगईयाटांड़ मेंझ्र ईद मिलादुन्नबी के मौके पर आयोजित बैठक उत्साह और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी पर्व की तैयारियों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गयी। सभी लोगों ने सर्वसम्मति से सद्दाम आलम को कमिटी का सदर (अध्यक्ष) चुना और वहीं उपाध्यक्ष गब्बर खान, कोषाअध्यक्ष शोएब आलम उर्फ गुड्डू, सचिव तनवीर खान उर्फ विक्की उप सचिव अबूताज बाबू और सूचना मंत्री एहसान खान को बनाया गया है।

बच्चों को सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर जाने की जरूर नहीं : अलखनाथ पांडे

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ यहां के बच्चों को सेकेंडरी एवं हायर सेकेंडरी शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसी मुख्य लक्ष्य को निर्धारित कर आर के पब्लिक स्कूल की स्थापना श्री बंशीधर नगर में की गयी थी, जिसमें आरके पब्लिक स्कूल श्री बंशीधर नगर ने ऊंची मुकाम को हासिल करने में सफलता प्राप्त किया है। उक्त बातें आरके पब्लिक स्कूल अधौरा श्री बंशीधर नगर के निदेशक अलखनाथ पांडे ने पत्रकारों से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विद्यालय में उच्च योग्यताधारी प्रिंसिपल, शिक्षक और अनुभवी मैनेजमेंट हो तो श्री बंशीधर नगर के बच्चों को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, रांची, पटना या देश के अन्य कोने में जाने की आवश्यकता नहीं है। उनको देश के किसी भी स्थान के बराबर शिक्षा बंशीधर नगर ऊंटरी में दी जा सकती है और दिया जा रहा है।

श्री पांडे ने बताया कि विद्यालय के नये प्रिंसिपल के रूप में पन्नालाल जी को नियुक्त किया गया है जो कर्नाटक, हिमाचल, बेंगलुरु सहित कई जगहों पर शिक्षण कार्य में अपना सेवा दिए हैं, उच्च योग्यता धारी है। उनके अनुभव का फायदा अब श्री बंशीधर नगर के बच्चों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सर्वांगीण विकास की बात हम सब करते हैं लेकिन सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को कैसे हासिल किया जाये, इसका रोड मैप बहुत सारे विद्यालयों के पास नहीं है। हम कह सकते हैं कि लगभग 32 वर्षों के अनुभव के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य करने के बाद सर्वांगीण विकास के लिए बच्चों के बीच सकारात्मक माहौल का निर्माण करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले के आरके पब्लिक स्कूल के बच्चों ने विद्यालय से पढ़कर आईआईटी, आईपीएस, डॉक्टर, जैसे बड़े-बड़े पदों पर कार्य कर रहे हैं जो क्षेत्र के प्रतिभा को दर्शाता है। पांडे ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में लैब का होना अति आवश्यक है इसलिए विद्यालय ने हाई टेक्नोलॉजी युक्त, आधुनिक लैब का निर्माण करने का निर्णय लिया है, जो अगले एक महीने में तैयार होकर बच्चों के लिए उपलब्ध हो जायेगा। मौके पर नियुक्त प्रिंसिपल पन्नालाल जी उपस्थित थे।

किसी भी परिस्थिति में अभद्र भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है : शशांक

युवा समाजसेवी शशांक शेखर।

कांडी (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर विधानसभा के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही और मंत्री इरफान अंसारी के बीच हुए नोक-झोंक सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं में रोष देखने को मिल रही है। इस घटना पर प्रखंड क्षेत्र के युवा समाजसेवी एवं दृष्टि यूथ ऑर्गेनाइजेशन के प्रधान सचिव शशांक शेखर द्विवेदी ने आपत्ति जतायी है। उन्होंने फोन पर मंत्री इरफान अंसारी से बातचीत करते हुए कहा कि मंत्री जैसे उच्च और प्रतिष्ठित पद पर बैठे व्यक्ति से संयमित और मर्यादित भाषा की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में अभद्र भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक परंपराओं और सामाजिक शिष्टाचार के खिलाफ है। शशांक शेखर ने कहा, 'जब जनप्रतिनिधि ही अभद्र भाषा का प्रयोग करेंगे तो उनके कार्यकर्ताओं से शालीन व्यवहार की उम्मीद कैसे की जा सकती है?'

मेराल: निर्माणाधीन हाइवे सड़क के दोनों तरफ बनाये गये नाली का पटिया घटिया किस्म का है : झामुमो

कई जगह टूटकर दे रहा है दुर्घटना का आमंत्रण, नहीं सुधार हुआ तो होगा आंदोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड के झामुमो नेताओं ने थाना मुख्यालय में निमार्णाधीन 39 सड़क के दोनों तरफ बनाए गए नाली के ऊपर लगाया गया पटिया (ढक्कन) को घटिया किस्म और निम्न स्तर का होने से कई जगहों पर पटिया टूट जाने से खतरा का घर बना हुआ है। नेताओं ने कहा कि पटिया में लोहे छड़ की जगह प्लास्टिक का रड लगाया गया है, जिससे कोई भी गाड़ी के लोड से टूट जा रहा है। इसको लेकर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सूर्यप्रकाश ने कहा कि हाईवे निर्माण कंपनी एम जी कंस्ट्रक्शन कंपनी को इसका सुधार के लिए एक हफ्ते का समय दिया जाता है फिर भी अगर सुधार नहीं हुआ तो झामुमो की प्रखंड कमिटी इसकी शिकायत सूबे के मुख्यमंत्री से करेगी एवं मेराल की जनता एवं व्यवसायी की सुगमता के लिए जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी किया जायेगा। मौके पर युवा प्रखंड अध्यक्ष ज्ञान रंजन मिश्रा, व्यवसायी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सह झामुमो नेता नवीन जायसवाल ने कहा कि कंपनी की लापरवाही हमेशा देखने को मिलती है जो एक्सीडेंट को न्योता देने के समान है।

सहिया साथी कार्य में करें सहयोग : डॉ असजद

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ असजद अंसारी की अध्यक्षता में बुधवार को प्रखंड स्तरीय मासिक रिपोर्टिंग बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी ग्यारह क्लस्टर के सहिया साथी से ग्रामीण स्तर पर कार्यरत सभी सहिया के कार्य का मूल्यांकन किया गया। सभी उपस्थित सहिया साथी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यों का प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया तथा सहिया द्वारा सहिया पोर्टल के प्रगति रिपोर्ट पर डॉ असजद अंसारी ने नाराजगी जाहिर रते हुए सभी सहिया साथी को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सहिया के कार्य को पोर्टल पर सईया से अपलोड करने एवं जो सहिया कार्य में शिथिलता बदलती है। उसका विस्तृत रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करने तथा सहिया के कार्य में सहयोग करने का निर्देश दिया। साथ ही ईएचबीएनसी तथा एचबी वाईसी और आयरन फोलिक एसिड सिरप वितरण कार्य को ऑनलाइन एंट्री सहिया से कराने और सभी सहिया को अपने कार्य का निर्वहन सही तरीके से तथा समन्वय बनाकर करने का निर्देश दिया। बैठक में डॉ गोरखनाथ पांडेय, डॉ इश्तियाक अंसारी, कार्यालय प्रभारी ललन राम, बीटीटी आशीष कुमार, अनूप कुमार पिंकी देवी, सहिया साथी प्रमिला देवी, सीमा देवी, उषा देवी, संध्या देवी, क्लारा तिर्की सहित सभी सहिया साथी उपस्थित थी।

पूरे हर्षोल्लास और सामाजिक सौहार्द्र के बीच मनेगा दुर्गा पूजा महापर्व : एसडीएम

'कॉफी विद एसडीएम' : दुर्गा पूजा समितियों संग संवाद, पूजा की तैयारियों पर हुआ मंथन

स्वच्छता, प्रकाश, सुरक्षा, विधि व्यवस्था पर आए सुझाव, यथासंभव अमल का भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में बुधवार को लगभग दो दर्जन पूजा समितियों के 50 से अधिक सदस्यों की सहभागिता रही। संवाद में दुर्गा पूजा पर्व की तैयारियों को लेकर पूजा समितियों ने अपनी-अपनी समस्याएं और सुझाव विस्तार से रखे। जिन पर एसडीएम ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

हेल्पलाइन नंबर जारी करें नगर निकाय : इस दौरान एसडीएम ने नगर परिषद गढ़वा और मझिआंव नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दुर्गा पूजा के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी करें, ताकि न केवल पूजा समितियां बल्कि आम श्रद्धालु भी साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं से संबंधित अपनी शिकायतें और सुझाव सीधे दर्ज करा सकें।

अवैध शराब पर कड़ाई बरतें : कुछ पूजा समितियां ने परेशानी साझा करते हुए बताया कि पर्व त्यौहार के इस खुशनुमा दौर में कुछ अराजक तत्व नशा करके भक्तिभाव के रंग में भंग कर देते हैं। इस पर एसडीएम ने अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और सेवन पर प्रभावी रोक लगाने का भरोसा देते हुए कहा कि उत्पाद विभाग और पुलिस मिलकर विशेष अभियान चलायेंगे तथा वाहन चालकों का रैंडम अल्कोहल टेस्ट भी करेंगे।

विधि व्यवस्था को लेकर आए कई सुझाव : बैठक में विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने अलग-अलग समस्याएं रखीं। मां भगवती पूजा समिति नाहर चौक के कौशल कुमार ने आरती के समय अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की। शिव मंदिर पूजा समिति लखना के भीम मिस्त्री ने कहा कि पिछली बार की तरह अवांछित स्थिति न होने पाये इसको लेकर प्रशासन को सजग रहना होगा।

लाइसेंस निर्गत करने की मांग : मां दुर्गा पूजा समिति नवादा के अध्यक्ष सुखबीर पाल ने अनुमंडल क्षेत्र की सभी पात्र समितियों को लाइसेंस निर्गत करने का अनुरोध किया। वहीं मां गढ़ देवी मंदिर समिति के अरविंद पटवा ने पूजा के दौरान असामाजिक तत्वों पर प्रभाऐ रोकथाम की बात रखी।

पूजा के दौरान मांस मुर्गा की दुकान बंद रहें : अरविंद पटवा सहित कुछ अन्य सदस्यों ने एसडीएम से अनुरोध किया कि दुर्गा पूजा पर्व के दौरान मांसझ्रमदिरा की दुकानों को प्रथमा से दसवीं तक बंद रखा जाये।

राम-बांध तालाब की दुर्दशा पर चर्चा : जय मां शेरावाली संघ टंडवा के अध्यक्ष दौलत सोनी ने रामबांध तालाब की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि उसमें 100 प्रतिशत जलकुंभी भर गयी है, जबकि सभी समितियों का विसर्जन यहीं होता है। इस पर एसडीएम ने नगर परिषद को तुरंत तालाब साफ कराने का निर्देश दिया। जय माता दी संघ सोनपुरवा के शंकर कुमार ने इस तालाब में होटलों के गंदे पानी के बहाव और किनारे लगी लाइटों की खराबी की शिकायत की।

रिहायशी इलाके में शराब दुकान खोलने का विरोधी तेज, ग्रामीणों ने उपायुक्त से की बंद कराने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। शहरी क्षेत्र के रिहायशी इलाके में शराब का नया दुकान खोले जाने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है, कि पहले से ही गांव-गांव में अवैध शराब की बिक्री होती रही है, जिसके कारण समाज में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। अब मुख्य बाजार एवं घनी आबादी वाले क्षेत्र में सरकार द्वारा अधिकृत शराब दुकान खोलना ग्रामीणों को बिल्कुल नागवार गुजर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब दुकान खुलने से खासकर युवाओं और नाबालिगों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। शिक्षा पर ध्यान देने के बजाय युवा वर्ग नशे की ओर आकर्षित होंगे। इसके अलावा शाम होते ही नशे में धुत लोग बाजार और आसपास की गलियों में हुड़दंग मचायेंगे, जिससे आम महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होंगे। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शराब की दुकान खुलने से घरेलू कलह, आर्थिक तंगी और अपराध की घटनाएं बढ़ेंगी। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पहले से ही बेरोजगारी और गरीबी की समस्या गहरी है। ऐसे में शराब आसानी से मिलने लगे तो गरीब परिवार और अधिक प्रभावित होंगे।

इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों ने गढ़वा उपायुक्त दिनेश कुमार यादव कों पत्र लिखकर रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान नहीं खोलने की मांग की है। ग्रामीण. राजा सिंह, अनूप गुप्ता, पहलाद गुप्ता, उदय गुप्ता, जितेंद्र कुमार, आशुतोष कुमार, कमलेश कुमार, पूजा देवी, पूनम देवी, सोनम देवी, पिंकी देवी, गुड़िया देवी, प्रियंका कुमारी, अंजू कुमारी, विमला कुमारी, रूबी देवी, कांति देवी, शीला देवी का कहना है कि यदि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से नहीं लेता तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। कहा कि इस क्षेत्र पंजाब नेशनल बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, मेडिकल दुकान, कंप्यूटर सेंटर, कोचिंग सेंटर है इस शराब दुकान खुलने से बच्चे एवं महिलाओं पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में वे शराब दुकान के सामने धरना-प्रदर्शन करेंगे और जनप्रतिनिधियों का घेराव भी किया जायेगा।

पुलिस के हत्थे चढ़े तीन हथियार तस्कर

दो पिस्टल, 44 जिंदा कारतूस और मैगजीन बरामद

उनके पास से छह मैगजीन, 66,860 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किये हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्रा थाना क्षेत्र के कुलहुटम जंगल के पास मंगलवार को छापामारी कर तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो पिस्टल, 44 जिंदा कारतूस, छह मैगजीन, 66,860 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किये हैं। यह जानकारी जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो ने बुधवार को एसपी कायालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कुलहुटू जंगल के समीप कुछ अपराधी अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के लिए एकत्रित हो रहे हैं। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम गठित की गयी। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जंगल के पास सड़क किनारे से तीन अभियुक्तों युनूस खान (55 वर्ष), मुस्लिम मोहल्ला जगन्नाथपुर रांची, मो. शमीम (38 वर्ष) आजाद हिंद नगर भट्ठा मोहला करगोडा रांची और इबरार आलम (लगभग 40 वर्ष) बाजार मोहला को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से दो अवैध पिस्टल , एक अतिरिक्त मैगजीन, 13 जिंदा गोलियां, 14,360 रुपये नकद, और मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गये इबरार आलम की निशानदेही पर रांची के डोरंडा स्थित आवास से दो और पिस्तौल, पांच मैगजीन, 31 अतिरिक्त गोलियां, और 52,500 रुपये नकद बरामद किये गये। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे हथियार और गोलियां बेचने के लिए खरीदार का इंतजार कर रहे थे। पुलिस के अभियान में तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा अशोक कुमार सिंह पुलिस निरीक्षक, तोरपा अंचल, विकास जायसवाल थाना प्रभारी, रनिया, एसआइ दीपक कांत कुमार कर्रा थाना, उसआई निशा कुमारी, लोधमा पिकेट), संदीप मुण्डा एएसआई, कर्रा थना) के आलावा कर्रा थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चोरी की 31 बैटरियों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं का उद्भेदन करते हुए चोरी की घटना में शामिल चार आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया और चोरी की 31 बैटरी सहित अन्य सामान बरामद किये हैं। यह जानाकरी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मेंदी। पुलिस ने उनके पास से चोरी की 31 बैटरियां, तीन मोबाइल फोन, एक होंडा सिटी कार (जेएच 05 एल 5100) और चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि गत मंगलवार की रात तोरपा में बैटरी चोरी कर के कुछ लोग एक होंडा सिटी कार से रांची भाग गये थे। उसके बाद एसपी के निर्देश पर तोरपा अंचल के सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में तोरपा, रनिया, जरियागढ व मुरहू थाना तथा खादगढ़ा रांची ओपी की पुलिस द्वारा गठित विशेष टीम ने त्वरित छापामारी कर कार के मालिक रांची कांटाटोली निवासी शहादत अहमद उर्फ शाहिल को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर वाहन से चोरी गयी 19 बैटरियां बरामद की गईं। और घटना में शामिल शामिल तीन अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने पुलिस के समक्ष चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पकड़े गये आरोपितों में कांटाटोली के मो मिन्हाज अंसारी उर्फ मीनू, और मो अकबर कुरैशी शामिल हैं।

रनिया में जंगली हाथी ने 32 वर्षीय कृष्णा सिंह को कुचलकर मार डाला

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिले में जंगली हाथियों का आतंक और खूनी खेल लगातार बढ़ता जा रहा है। शायद ही कोई ऐसी रात गुजरती है, जब गजराज किसी न किसी गांव में आतंक न मचाते हों। मंगलवार की रात को भी रनिया थाना क्षेत्र के बोंगतेल गांव के नजदीक जंगल के पास जंगली हाथी ने 32 वर्षीय कृष्णा सिंह नामक युवक को कुचलकर मार डाला। कृष्णा सिंह स्थानीय ग्रामीणों के साथ गांव में घुसे एक जंगली हाथी को गांव से जंगल की ओर भगा रहा था। उसी दौरान जंगली हाथी ने कृष्णा पर हमला कर दिया और उसे कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद मामले की जानकारी वन विभाग के कर्मियों को दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि कृष्णा सिंह कों कुचलने के बाद जंगली हाथी शव के नजदीक घंटो खड़ा रहा। इसके कारण रात में स्थानीय ग्रामीण शव को ला नहीं सके। घटना की सूचना रनिया थाना की चुलिस को दे दी गई है। कृष्णा सिंह शादीशुदा था। उसकी पत्नी के अलावा छोटे-छोटे तीन बच्चे हैं। वह गांव में रहकर खेती किसानी का कार्य करता था। बोंगतेल गांव में पिछले 15 दिनों से जंगली हाथी लोगों के घरों को निशाना बना रहे हैं। इसके कारण गांव में दहशत का महौल

गजराज के हमले से युवक घायल

तपकरा थाना क्षेत्र के डेरांग में मंगलवार की रात एक जंगली हाथी ने पेतरूस गुड़िया नामक युवक पर हमला कर दिया। इससे युवक घायल हो गया। घटना को स्थानीय ग्रामीणों ने देखा, तो उसे लेकर रेफरल अस्पताल पहुंचाया।

घायल युवक से मिले विधायक सुदीप

हाथी के हमले में युवक के घायल होने की सूचना मिलने पर विधायक सुदीप गुड़िया बुधवार को सुबह रेफरल अस्पताल पहुंचे और घायल युवक और उसके स्वजनों से बातचीत की। उन्होंने चिकित्सकों को युवक का बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। विधायक तोरपा कुल्डा गांव में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक के परिवार वालों से भी मिले और उन्हें ढाढ़स बंधाया।

जंगली हाथी के हमले में मारे गये कृष्णा के परिवार से मिले कांग्रेस नेता

कांग्रेस के खूंटी जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के निर्देश पर रनिया प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष जॉन कंडुलना ने बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रनिया प्रखंड के बोंगतेल गांव में मंगलवार की रात जंगली हाथी के हमले में मारे कृष्णा सिंह के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। जॉन कंडुलना ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ता उनके उनके साथ है। उन्होंने परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिया। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि वन विभाग जल्द अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाता है, तो जिला कांग्रेस कमेटी और क्षेत्र की जनता वन विभाग का घेराव करेगी।

ईचागढ़ थाना में हुई शांति समिति की बैठक

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में करम पूजा व आगामी 05 सितंबर 2025 को होने वाले ईद-मिलाद-उन-नबी त्यौहार को लेकर शांति, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था से संबंधित विषयों पर विशेष चर्चा की गयी। वहीं थाना प्रभारी द्वारा कमेटी सदस्यों को अपने क्षेत्र में लोगों को हेलमेट व कागजात के साथ बाइक चलाने के लिए जागरूक करने का अपील किया गया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, समिति सदस्य, आमड़ा व वनडीह के अंजुमन कमीटि के लोग शामिल हुए। करम और ईद मिलादुन्नबी को लेकर कमेटी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में दोनों पर्व को मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। मौके पर थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे, एसआई विश्वजीत तिवारी, प्रमुख गुरूपद मार्डी, मुखिया अभीराम हेंब्रम, मुरलीधर मिश्रा, मो कुर्बान, मो मुबारक, नासीर, साकीर अंसारी, अनिल सिंह, अमीत सिन्हा, गुप्तेश्वर महतो, पंचानन पातर, ललित घोष, गणेश गोराई, बासुदेव चटर्जी, दुर्योधन गोप आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुधवार की सुबह लगभग 8 बजे बुंडू थाना क्षेत्र के रांची टाटा राष्ट्रीय राजमार्ग के एदेलहातू पंचायत के बाड़े टोला चौक के पास एक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से स्कूटी सवार सलगाडीह निवासी 30 वर्षीय वशिष्ठ मुंडा पिता डोमा मुंडा की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। वहीं दूसरी घटना पंचवटी होटल के पास रांची से टाटा जाने के क्रम में जमशेदपुर निवासी मियाद अहमद उम्र 45 वर्ष को एक ट्रक जेएच 05 डीएन 1233 के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया।

जितिया जतरा मेला समिति के सदस्यों ने पिपरवार के प्रशासनिक अधिकारियों से की मुलाकात

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में आगामी 16 सितंबर से शुरू हो रहे ऐतिहासिक जितिया जतरा मेला को लेकर समिति के सदस्यों ने बुधवार को पिपरवार क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने पिपरवार इंस्पेक्टर उत्तम कुमार तिवारी और पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार से मुलाकात कर उन्हें स्वीकृति पत्र सौंपा। समिति के सदस्यों ने मेला से संबंधित बातों की जानकारी देते हुए बतौर अतिथि मेला मे शामिल होने की अपील की। समिति के सदस्यों ने बताया कि कल्याणपुर में लगने वाले ऐतिहासिक जितिया जतरा मेला पिछले 100 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। वर्तमान में यह मेला काफी भव्य रूप ले चुका है और चतरा जिला का सबसे बड़ा एवं झारखंड का दूसरा सबसे बड़ा मेला बन चुका है। समिति के सदस्यों ने बताया कि मेला को सफल बनाने के लिए 5 सितंबर को आयोजन स्थल में संचालन समिति एवं शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी है, जिसमें दोनों पुलिस पदाधिकारी से भी शामिल होने की अपील की गयी। इस दौरान स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने मेला में सुरक्षा का पुख्ता इंतेजाम करने का भरोसा दिया, साथ ही मेला को सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया। इस मौके पर मेला समिति के सचिव बालेश्वर उरांव, कासिम उर्फ मुन्ना, धनेश्वर गंझु, शिवशंकर साव, क्युम अंसारी, सचिन पासवान, महेश विश्वकर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

बुंडू में करम पर्व हर्षोल्लास के साथ मना

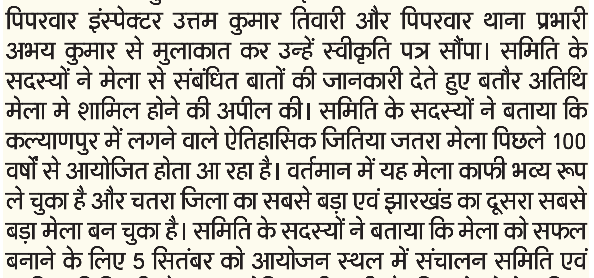

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुडू में करमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। करमा पर्व प्रकृति की उपासना है। करमा पर्व के द्वारा बहनें अपनी भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं तथा शाम में करमा की कहानी सुनते हैं और भाई का प्रतीक मानकर करमा पेड़ की डाली को धागा बांधते हैं, उसके पश्चात घर जाकर अपने भाई के हाथों पर रक्षा का धागा बांधती हैं और उनकी लंबी आयु की कामना करते हैं। बुंडू क्षेत्र कई स्थानों पर यह पर्व मनाया गया। करमा पर्व को लेकर बाजार में भी काफी रौनक देखी गयी। जगह-जगह पर करम की डाली की पूजा अर्चना की गयी। रोशन महंतो का परिवार वर्षों से विधि विधान के साथ पुजा अर्चना करते आ रहे हैं।

विस्थापन आयोग गठन की खुशी में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने मनाया जश्न

बचरा चार नंबर चौक में मिठाई बांटकर विधायक जयराम महतो का जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

बचरा चार नंबर चौक में जश्न मनाते जेएलकेएम कार्यकर्ता।

पिपरवार। झारखंड सरकार के द्वारा कैबिनेट की बैठक में झारखंड में विस्थापन एवं पूर्नवास आयोग के गठन को मंजूरी दिये जाने को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नंबर चौक में जश्न मनाया गया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। साथ ही विधानसभा में विस्थापन आयोग गठन को लेकर प्रमुखता के साथ आवाज उठाने के लिए पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक जयराम महतो के प्रति आभार व्यक्त किया। इस संबंध में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो ने विधानसभा के सत्र में विस्थापन आयोग गठन की मांग को प्रमुखता के साथ उठाया था, जिसे देखते हुए झारखंड सरकार ने आयोग गठन की मंजूरी प्रदान की है। विस्थापन आयोग के गठन होने से अब राज्य के विस्थापितों की समस्याओं का समुचित समाधान किया जायेगा। विधायक जयराम महतो के इस प्रयास का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए उनका आभार जताया है।

इस अवसर पर पार्टी के सिमरिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी जितेंद्र कुमार, चतरा जिला के वरिय उपाध्यक्ष बिजय कुमार महतो, बचरा दक्षिणी पंचायत अध्यक्ष कृष्णा यादव, रांची जिला उपाध्यक्ष दीपक महतो, चतरा जिला प्रवक्ता अमर महतो, बचरा उत्तरी के उप मुखिया महेंद्र महतो, जयशंकर चौधरी, शंकर महतो, भोला महतो, प्रदीप राम सहित पार्टी के कई लोग मौजूद थे।

सर्पदंश से ग्रामीण की स्थिति गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। रनिया थाना क्षेत्र के मरचा बनाबीरा गांव में मंगलवार की देर रात दामोदर बड़ाईक नामक व्यक्ति (उम्र 50 वर्ष) को किसी जहरीले सांप ने काट लिया। तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति स्थिर बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार दामोदर बुधवार की देर रात लगभग 10 बजे शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। उसी दौरान एक विषैले सांप ने उन्हें डंस लिया।

एरिया वेलफेयर टीम ने किया रोहिणी कॉलोनी का निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सीसीएल एनके एरिया वेलफेयर टीम ने रोहिणी एव पुरनाडीह कॉलोनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण टीम में एसओसी सुमन कुमार, एसओपी शैलेंद्र कुमार सदस्य मिथलेश कुमार सिंह, शैलेश कुमार, कृष्णा चौहान, डीपी सिंह, मिथलेश कुमार सिंह, हरेंद्र कुमार सिंह, देवपाल मुंडा सहित अन्य लोग शामिल थे। टीम ने सबसे पहले रोहिणी कॉलोनी का निरीक्षण किया। जिसमें एएमसी के तहत कराये गये कार्यों का निरीक्षण किया जिसमें क्वार्टर की मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया गया, जिसमें कामगारों ने क्वार्टर मरम्मत में हुई कमियों को टीम को अवगत कराया। कई कामगारों ने क्वार्टर मरम्मत कार्य को लेकर शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जतायी। कामगारों ने बताया कि एनुवल मेनटेनेंस के नाम केवल खाना पूर्ति हो रहा है कॉन्ट्रेक्टर मरम्मत के कार्य में लापरवाही करते हैं ठीक से कार्य नही किया गया है कई क्वार्टर का काम अधूरा हुआ है। वहीं कॉलोनी की जर्जर बिल्डिंग को लेकर भी जानकारी दी गयी कि जल्द मरम्मत नहीं होने पर बड़ी दुर्घटना हो सकता है। वहीं कॉलोनी में साफ सफाई को लेकर भी जानकारी ली गयी। टीम के सदस्यों ने दुर्गा पूजा से पूर्व कॉलोनी की सफाई कराने एव मरम्मत कार्य को ठीक करने सहित कई निर्देश दिया है।

इस मौके पर श्रमिक नेता ध्वजा राम धोबी, नंदू मेहता, रामा उरांव, सूरज प्रधान मुंडा, गिरेंद्र सिंह संजय राम, रमेश भइया, नंद किशोर उरांव सहित लोग मौजूद थे।

अलग-अलग जगहों पर धूमधाम से मनाया गया करम पर्व

तमाड़/ईचागढ़/सोनाहातू। तमाड़ प्रखंड में करमा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह मुंडा अपने समर्थकों के साथ प्रकृति पर्व करमा पूजा के अवसर पर विभिन्न अखाड़ों में पहुंच कर करमा उपासना करने वाली बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। करमा पूजा भाद्रपद महीने के एकादशी को मनाया जाने वाला आदिवासियों का सबसे बड़ा त्योहार है। करमा पूजा में बहनों द्वारा तीन दिन, पांच दिन या सात दिन का जावा उठाया जाता है। नदी या तालाब से नया टोंकी (टोकरी) में बालु भरकर तथा उसमें धान, चना, मुंग, इत्यादि के साथ ही हल्दी का पौधा के साथ जावा पूरे विधि विधान से लाया जाता है। वहीं एक दिन पूर्व करम डाली के पूर्व न्योता दिया जाता है तथा एकादशी के दिन पूरे गाजा बाजा एवं गीत गाते हुए करमा डाली बहनों द्वारा लाया जाता है जिसकी पूजा पूरे विधान से किया जाता है। पूजा के पश्चात बहनों द्वारा करमा डाली पकड़ कर एवं धागा बांधकर तथा जावा को साक्षी मानकर अपना करम और भाई का धर्म की कसमें खाती हैं। बहनों द्वारा भाईयों को धागा बांधती है। उनकी लंबी उम्र, अच्छा स्वास्थ्य, विधा बुद्धि, धन धान्य से परिपूर्ण करने की प्रार्थना करम राजा से करते हैं। दूसरे दिन करमा डाली का विसर्जन बहुत ही दुखी मन से बहनों द्वारा नदी या तालाब में कर दिया जाता है। इसी निमित्त भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह मुंडा मदन सिंह मुंडा, तुलसी मुंडा, महावीर सोनी, विवेक गुप्ता, सुरेंद्र साहु के साथ ही सुखराम सिंह मुंडा, गणेश मुंडा के साथ विभिन्न घरों के विभिन्न अखाड़ों जिनमें कृष्ण सिंह मुंडा, सोखा मुंडा, महेश्वर अहीर, विमल पातर इत्यादि के पूजा स्थलों में जाकर बहनों सहित उपस्थित सभी लोगों को करमा पूजा की शुभकामनायें दिया।

वहीं ईचागढ़ व कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बुधवार को प्रकृति का पर्व करम पूजा धूमधाम से मनाया गया। वहीं ग्रामीण निमाई चंद्र महतो ने बताया कि करम परब प्रकृति को सरंक्षित और समृद्ध करने के साथ साथ जीवन को गति देने वाला त्योहार है। बहनें अपनी भाई के लिए करम एकादश करती है, ताकि भाई-बहन का प्रेम बना रहे।

वहीं सोनाहातू में भाई - बहन के प्रेम का प्रतीक, प्रकृति का पर्व कर्मा बुधवार को सोनाहातू-राहे एवं आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम के साथ विधि - विधान से की गयी। इस दौरान कुंवारी कन्याओं ने करम डाल और फूल लाकर सामूहिक रूप से पूजा - अर्चना की और मादर की थाप पर जमकर थिरके। इधर पूजन के पश्चात प्रसाद भी वितरित किया गया।

डकरा में रैविमो ने मनाया करम पूर्व संध्या

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा के द्वारा डकरा स्थित कार्यालय में करम पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने करमा के पारंपरिक गीतों पर मांदर एव नगाड़े की थाप पर दिन भर नृत्य गीत करते रहे। इस मौके पर एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कर्मा पूजा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भाई बहन के अटूट प्रेम एवं प्रकृति से जुड़ा पर्व है। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इस पर्व को लेकर करमा धरमा की कहानी को लेकर एक पौराणिक कथा भी है। इस मौके पर रंथू उरांव, जगरनाथ महतो, रामलखन, अमृत, नरेश, विश्वनाथ, प्रकाश, सुनील सिंह, सोनू, फूलों देवी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

कांके विधायक के सौजन्य से करम पूजा पर साड़ी वितरित

खलारी (आजाद सिपाही)। कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा के सौजन्य एवं विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी के निर्देशन में खलारी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में एक विशेष सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड अध्यक्ष साबीर अंसारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के तहत चूरी बस्ती कुजूर टोला, कमाती धौड़ा, धोबी टोला मोहननगर, केडी साइडिंग, खूंटी टोला, राय बस्ती, चुनभट्टा, गुनागढ़ा, डकरा, धमधमिया, जेहलीटांड़ सहित कई गांवों में करम अखड़ा का दौरा कर सम्मानित बहनों को साड़ियां वितरित की गईं। विधायक सुरेश कुमार बैठा एवं विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी द्वारा भेजे गये अपने संदेश के माध्यम से कहा कि ऐसे सामुदायिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और महिलाओं को उनके अधिकारों व सम्मान के प्रति जागरूक किया जा सकता है। इस मौके जावेद अंसारी, भोला यादव, सुरेंद्र यादव, सुरेंद्र महतो, संजय राम, अनूप बैठा आदि उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

सभी प्रखंडों में धूमधाम से मनाया गया प्रकृति पर्व, बहनों ने की भाइयों के लंबी उम्र की कामना

करमा पर्व समाज को जोड़ने और परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम : दीपक बड़ाइक

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। झारखंड के मुख्य पर्वों में एक करमा पूजा बुधवार को पूरे प्रखंड में आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। आदिवासी संस्कृति और लोक परंपरा का प्रतीक यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। इस दिन सुबह से ही प्रखंड के लगभग सभी अखाड़ा में साफ-सफाई कर उसे आकर्षक तरीके से सजाया गया था। जहां करमा डाल गाड़ी गई। वहीं, पाहन ने लड़कियों-महिलाओं को विधिवत पूजा-अर्चना कराया। परंपरा के अनुसार करमा की रक्षा के लिए गांव के अखाड़ा में महिला-पुरुष, युवक-युवतियां और बच्चे रातभर जागकर पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य करते हैं। प्रखंड के गांगु टोली में अखाड़ा को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। राज्यसभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहु, पूर्व लोकसभा सांसद राम टहल चौधरी, पूर्व उप प्रमुख लालू उर्फ जय गोविंद साहू, भाजपा नेता अमर नाथ चौधरी, मानकी राजेंद्र शाही, अलख नाथ महतो, आजसू जिला सचिव राम धन बेदिया, पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर चौधरी, समाजसेवी सुरेंद्र सिंह, ओरमांझी मुखिया दीपक बड़ाइक, पूर्व मुखिया मीणा देवी, भाजपा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी शशि मेहता, उप मुखिया संतोष गुप्ता, राजेश गुप्ता, प्राथमिक शिक्षक संघ प्रखंड अध्यक्ष सतीश बड़ाइक, रूपेश साहू, आनंद महतो, किरण देवी, उषा देवी, भाजपा नेत्री दीपा चौरसिया आदि ने प्रखंडवासियों को पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुखिया संघ के अध्यक्ष दीपक बढ़ाइक ने कहा कि करमा पूजा हमारी सांस्कृतिक पहचान है। यह न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ा पर्व है, बल्कि समाज को जोड़ने और परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम भी है। वहीं, गांगु टोली में नोना पाहन, राजू मुंडा, कृष्ण पाहन, दशरथ पाहन, अर्जुन साहू, रामदेव साहू, कपिशर मुंडा, टुनटुन, आकाश, विक्की मुंडा, झूब्र मुंडा, पन्ना, विनोद, दिलेश्वर मुंडा आदि ने अखाड़ा पंडाल और पूजा में सराहनीय भूमिका निभायी।

विभिन्न अखरा में शामिल हुए जैलेंद्र कुमार

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्राकृतिक पर्व करम पूजा पर अनगड़ा के विभिन्न अखरा में भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार शामिल हुए। करम गोसाईं की पूजा के अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पर्व भादो एकादशी को करम पेड़ की डाली अखाड़ा में गाड़कर सभी अपने पाहन पुजारी के साथ अपनी आस्था के साथ पूजा करते है। इस मौके पर अजय मुंडा, विजय उरांव, अजय करमाली, लीला देवी, सुमन उरांव, शिला देवी, बुधन देवी, रजनी देवी, सुशीला देवी आदि उपस्थित रहे। सभी ने नाच गा कर अखाड़ा का मान बढ़ाया।

नामकुम में धूमधाम से मनाया गया करमा पर्व

नामकुम (आजाद सिपाही)। लोवाडीह स्थित हाईटेंशन मैदान में बुधवार को झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति विकास मंच के बैनर तले करम पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसमें पांचपरगनिया क्षेत्र के सैकड़ों महिला-पुरुष अपने पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर शामिल हुए। इस दौरान करम डोलियों का पारंपरिक रीति रिवाज से पूजा किया गया। पहान ने करम कहानी सुनाया। बहन अपने भाई की सुख समृद्धि के कामना की। पूजा के बाद मुंडारी और पांचपरगनिया लोकगीतों की धुन के साथ साथ ढोल, नगाड़ा, मांदर जैसे वाद्ययंत्र की गुंज से पूजा स्थल हर्षोल्लास से सराबोर हो गया। इस अवसर पर करम कथा वाचक सह पहान शिवेशवर सिंह मुंडा ने कहा कि करम महोत्सव मनाने का उद्देश्य प्रकृति का संरक्षण एवं कर्म के साथ धर्म कार्यों को भी जोड़ता है। धर्म का अवहेलना कर किए गये कार्यों से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि नहीं मिल सकती है। वहीं, महोत्सव के सफल आयोजन में शिवेशवर सिंह मुंडा, रूप लक्ष्मी मुंडा, मोहन सिंह मुंडा, आशा कच्छप मुंडा, कमल मुंडा, धनंजय मुंडा, रविंद्र मुंडा, मधु मुंडा, चंद्रकांत मुंडा, यादव लाल मुंडा, सुभाष चंद्र मुंडा, पुष्कर मुंडा, राज महतो, देवनारायण मुंडा, धनेश्वर महतो, परशुराम महतो, दिनेश मांझी, अजीत मांजी, पहलु महतो, रमेश चंद्र महतो आदि का योगदान सहयोग रहा।

बेड़ो में आस्था के साथ मनाया गया करमा पर्व

बेड़ो (आजाद सिपाही)। भाई-बहन के अगाध प्रेम, प्रकृति एवं आस्था का पर्व करमा त्योहार बुधवार को मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे विधिविधान के साथ मनाया गया। शाम में प्रखंड मुख्यालय के बस्ती स्थित अखड़ा को भव्य तरीके से सजाया गया। गांवों के अखरों एवं घर के आंगन में पहान, पुजार और पंडित द्वारा करम डाल की स्थापना कर भगवान कर्म देव की पूजा की गयी। वहीं, बहनों ने भाई की सलामती और प्यार को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निर्जला व्रत रखा। बेड़ो अखरा में बुधवा पहान के नेतृत्व में जामटोली गांव स्थित तीन सिमानी से परंपरागत नाच गान के साथ करम डाली लायी गयी। इसके बाद व्रतियों ने करमा धरमा दो भाईयों की कहानी सुनीं। वहीं, भाइयों की लंबी उम्र के लिए बहनों ने करम डाली में रक्षा सूत्र बांधा। आदिवासी समाज के साथ ही सदानों ने भी प्रकृति पर्व पर पूजा-अर्चना कर बेहतर फसल, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं, पूजा अर्चना के बाद रातभर गांव के अखरों में ग्रामीण ढोल, मांदर एवं नगाड़ा की थाप पर थिरकते रहे।

नगड़ी में धूमधाम से आस्था के साथ मना भाइ-बहन के प्रेम का प्रतीक करमा पर्व

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। भाई बहन के प्रेम का प्रतीक करम पर्व नगड़ी प्रखंड के सभी 13 पंचायतों के गावों में धूमधाम से मनाया गया। बुधवार की सुबह से ही करम पर्व पर बारिश के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों और युवाओं में कर्म पर्व पर गजब का उत्साह दिखा। लोग अपने-अपने गावों के घरों के आंगन को मंदिर परिसर को अखाड़ों को सुंदर तरीके से गेंदा फुल, फुलझरियां लाइट से सजाया था। दिन भर उपवास कर बहनें परंपरागत रूप से सजधज कर शाम को अखाड़ा पहुंची, जहां स्थानीय पाहनों एंव घरों में पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान के साथ करम डाली का पूजा कराया गया। इसके बाद करम कथा सुनी। बहनों ने भाइयों सहित पूरे क्षेत्र के लिए करम देवता से सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद पारंपरिक मांदर, ढोल और नगाड़े की थाप पर सामूहिक झुमर नृत्य किया।

पारंपरिक उल्लास के साथ मना करमा पर्व

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड में प्रकृति पर्व करमा को लेकर उत्साह का माहौल है। हर तरफ लोग रीझ रंग में डूबे रहे। ग्रामीणों ने पूरे विधि विधान, आस्था और उल्लास के साथ करमा पर्व को मनाया। इसे लेकर सभी गांवों में अखाड़ों को फूल माला से सजाया गया। बुधवार को बहनें दिन भर उपवास रखकर पूजा अर्चना की। रात में अखाड़ों में पाहनों ने विधिवत पूजा अर्चना संपन्न कराया। युवक-युवतियां पाहन के नेतृत्व में करम डाल को समारोहपूर्वक अखड़ा तक लेकर पहुंचे और डाल को पारंपरिक तरीके से करम गीत नृत्य के साथ गाड़ा गया। इसके बाद जावा रखकर गीत-नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस दौरान युवतियों ने करम गीत पर देर रात तक जमकर मनमोहक नृत्य किया। वहीं, हेसल में समाजसेवी रामपोदो महतो के आवास में करमा सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया, इसमें जेएलकेएम नेता देवेंद्र महतो, सृष्टिधर महतो, नागपुरी कलाकार मजबुल खां, शिवलाल महतो, बाबुराम महतो, सुप्रेश महतो, राकेश महतो, राजेश महतो, महेंद्र महतो, सुधांशु कुमार महतो, जितवाहन महतो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

शिवदास गोस्वामी ने दी करमा पर्व की शुभकामनाएं

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के रांची जिला महासचिव शिवदास गोस्वामी ने लोगों को प्रकृति पूजा करम पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कहा कि करम पर्व समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और खुशहाल जीवन का प्रतीक है। यह पर्व भाई बहन के अटूट संबंध, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था औक लगाव को दर्शाता है। कहा कि जल जंगल जमीन और जीव जंतुओं से सभी के जीवन का जुड़ाव है। यह पर्व प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने सभी से मिलजुलकर इस पर्व को मनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने को कहा।

नीरजा सहाय डीएवी में मना करमा पर्व

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में बाल वाटिका के नन्हें विद्यार्थियों ने पारंपरिक पोशाकों को धारण कर पूरे विधिविधान से करमा पूजा की। इस अवसर पर प्राचार्या किरण यादव ने कहा कि विद्यालय सदा से ही न केवल विद्या का केंद्र रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति और अपनी परंपरा के प्रति भी जागरूकता फैलाने का माध्यम हैं। हमारा विद्यालय इस दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर छात्रों को करम पर्व के महत्व को बताया गया।

शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का का चौथा दिन

ओड़िशा बांदा मुंडा बनी सेमीफाइनल में पहुंचनेवाली चौथी टीम

- आज बुढ़मू बनाम जामताड़ा और कानीजाड़ी बनाम ओड़िशा के बीच होगा सेमीफाइल मुकाबला
- बुढमू दीपक ब्रदर्स, एफसी जामताड़ा और द रॉयल स्टार क्लब कानीजाड़ी की टीम पहले ही पहुंच चुकी सेमीफाइनल में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची स्थित मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में बुधवार को खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण, रेफरी और आयोजन समिति के सदस्य।

रांची। शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास के तत्वावधान में रांची जिले के मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में आयोजित शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 के चौथे दिन बुधवार को पहला मैच कोलकाता दीप ब्रदर्स साल्टलेक और दीपक ब्रदर्स रेड राउरकेला के बीच खेला गया। पहले हाफ तक में कोलकता की ओर से 10वें मिनट में रोहित तिग्गा ने एक बेहतरीन गोल से कोलकाता की टीम 1-0 गोल से आगे रही। मध्यांतर के बाद राउरकेला के विजय की हैट्रिक गोल के दम पर राउरकेला 3-1 गोल से जीत दर्ज करते हुए अगले चक्र में प्रवेश किया। इससे पहले टूर्नामेंट का शुभारंभ हटिया क्षेत्र झामुमो नेता कुर्बान खां, कांग्रेस अल्पसंख्यक ग्रामीण रांची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आदि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस असर पर कुर्बान खां ने खेल को अनुशासन सिखाने वाला बताते हुए एतवा उरांव के जीवन से सीख लेने की बात कही। कहा कि एतवा उरांव जिस तरह समाज और क्षेत्र के लिए कार्य किए, उसी राह पर चलकर हमें भी विकास और लोगों की भलाई के लिए काम करना चाहिए। वहीं, शमीम अख्तर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यहां के खिलाड़ियों खासकर ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाओं के लिए यह फुटबॉल टूर्नामेंट एक प्रेरणा है। उधर, बुधवार को दूसरा मैच छोटा नागपुर राइडर्स एफसी अनगड़ा और अमित ब्रदर्स बांदा मुंडा ओडिशा के बीच खेला गया। तय समय तक दोनों टीमें 1-1 गोल बराबरी पर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा, जिसमें ओडिशा ने 5-4 गोल से जीत दर्ज दूसरे राउंड में प्रवेश किया। जबकि चौथा क्वार्टर फाइनल मैच दीपक ब्रदर्स रेड राउरकेला बनाम अमित ब्रदर्स बांदा मुंडा ओडिशा के बीच खेला गया। मैच में पहले हाफ तक बांदा मुंडा ओडिशा की ओर से 10वें मिनट में जोसेफ तिग्गा की बेहतरीन गोल से 1-0 गोल से आगे रही। मध्यांतर के बाद राउरकेला की टीम बराबरी करने में सफल नहीं रही और 0-1 गोल से मैच हार गई। उसके बाद बांदा मुंडा ओडिशा की टीम सेमीफाइनल में पहुंचनेवाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले दीपक ब्रदर्स बुढ़मू, वेस्टर्न डायमंड एफसी जामताड़ा और द रॉयल स्टार क्लब कानीजाड़ी की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी हैं। उधर, गुरुवार को पहला सेमीफाइनल दीपक ब्रदर्स बुढ़मू वनाम वेस्टर्न डायमंड एफसी जामताड़ा और दूसरा सेमीफाइनल द रॉयल स्टार क्लब कानीजाड़ी वनाम अमित ब्रदर्स बांदा मुंडा ओडिशा के बीच खेला जाएगा। फाइनल शुक्रवार को खेला जाएगा। इस मौके पर आयोजन समिति के खेल प्रभारी फ्रांसिस जेवियर खलखो, मीडिया प्रभारी लखो उरांव, रंजीत खलखो, सचिव बिनोद खलखो, संरक्षक कृष्णा केवट, ग्राम प्रधान तिल्ला उरांव, समाजसेवी सुकरा उरांव, कयामुद्दीन अंसारी, होसने कुजूर, बंधन उरांव, करमा उरांव, नेशार खान इत्यादिसहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

धूमधाम से मनायी जायेगी दुर्गा सोरेन की जयंती, शामिल होंगे मुख्यमंत्री

नामकुम (आजाद सिपाही)। दुर्गा सोरेन चौक पर प्रत्येक वर्ष स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की प्रतिमा के समक्ष जयंती समारोह आयोजित की जाती है। इसे लेकर बुधवार को दुर्गा सोरेन चौक पर दुर्गा जयंती की तैयारी को लेकर बैठक की गयी। जिसकी अध्यक्षता विलियम रिचर्ड लकड़ा एवं संचालन वीरु साहू ने किया। इसमें 10 सितंबर को धूमधाम से दुर्गा सोरेन की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से माल्यार्पण कराने और दुर्गा सोरेन चौक से कांटा टोली पुल तक झंडा-बैनर लगाया जाएगा। इस मौके पर रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम, शांति तिर्की, सुनीता लिंडा, अभय तिग्गा, हरीश महतो, अर्जुन साहू, विनय तिर्की, जय राज और अनिमा केरकेटा आदि शामिल हुए।

झारखंड बालक-बालिका सुपर स्पीड खो-खो खुली चयन प्रतियोगिता संपन्न

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। झारखंड सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य सुपर स्पीड खुली चयन बालक-बालिका खो-खो प्रतियोगिता बुधवार को धुर्वा सेक्टर-2 स्थित बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ। इस चयन प्रतियोगिता का उद्घाटन खेल प्रेमी दीपक मरांडी और जॉन हेम्ब्रम ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। वहीं, अतिथियों का स्वागत झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अजय झा ने किया। इसमें रेफरी के रूप में विवेक कुमार, उमाकांत उरांव, संजय कुमार, शुभम सिंह, कौशल कुमार, सरिता कुमारी, रिया सिंह, प्रीति प्रजापति, रोहण कुमार आदि ने अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में टाटा डीएवी चैनपुर रामगढ़ बालक वर्ग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड टीम में स्थान बनाया है। इस खुली चयन प्रतियोगिता में झारखंड के सभी जिले से लगभग 70 खिलाडियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता दो आयु वर्गों अंडर-14 (सबजुनियर) एवं अंडर-17 (जुनियर) के लिए आयोजित की गई थी। चयन प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड सबजुनियर एवं जुनियर बालक-बालिका टीम का चयन के माध्यम से प्रशिक्षण शिविर के लिए 20-20 बालक-बालिका चयनित हुए। राज्य स्तरीय खो-खो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 से 20 सितम्बर तक बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में किया जायगा। चयनित झारखंड टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 8 अक्टूबर को हटिया रेलवे-स्टेशन से जयपुर (राजस्थान) के लिए प्रस्थान करेगी। सबजुनियर एवं जुनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता आगामी 10 से 12 अक्टूबर तक मुकुन्दा रोड, भानकुरूटा, जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की गई है। प्रशिक्षण शिविर के लिए रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह, गुमला, चतरा, सिमडेगा, गढ़वा आदि जिलों के खिलाड़ी चयनित हुए हैं। जानकारी एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार ने दी।

पुकटा चोरकट्टा में फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित

लापुंग (आजाद सिपाही)। करम पर्व के शुभ अवसर पर पोकटा चोर कट्टा मैदान में तीन दिवसीय खस्सी टूर्नामेंट का आयोजन आदिवासी क्लब पोकटा की ओर से किया गया। बुधवार को फुटबॉल खस्सी टूर्नामेंट में 10 टीम ने भाग लिया। अकमरोमा बनाम पाबजी में अकमरोमा एक गोल से विजय रहा। वहीं, कारुम वर्सेस मुरूप में मुरुप विजेता हुआ। ककरिया अम्बा टोली बनाम सारना टोली विजेता ककरिया, दरमी टोली बनाम पोकटा में विजेता पोकटा, दाड़ी रामाटोली बनाम गरगंजी विजेता रामाटोली सभी पेनाल्टी में जीत दर्ज किया। इस खस्सी टूर्नामेंट में विजेता और उप विजेता को बड़ा खस्सी, तृतीय को छोटा खस्सी और चतुर्थ स्थान वालों को 5000 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। फाइनल मैच पांच सितंबर को खेला जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में आदिवासी क्लब पोकटा के अध्यक्ष राजू गोप, सचिव गुड्डू उरांव, उपाध्यक्ष पुखराज कुजूर, रंजीत उरांव, जेवियर और सैनिक आदि का सराहनीय भूमिका रही। वहीं कमेटी सदस्य ने फुटबॉल टूर्नामेंट की सफलता पर खिलाड़ियों को संयम बनाए रखने की बात कही।

बीएसएनएल टॉवर में लगी 47 बैट्री चोरी

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सिंगरी स्थित बीएसएनएल टॉवर में लगे 47 बैट्री को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। घटना मंगलवार रात की बतायी जा रही है। इस संबंध में टॉवर में कार्यरत गार्ड अर्जुन बेदिया ने सिकिदिरी थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसके अनुसार मंगलवार की रात में वह टॉवर के रूम को बंद कर घर चला गया था। बुधवार की सुबह लौट कर देखा तो कमरे का ताला टूटा हुआ था और उसमें रखे 47 बैट्री गायब थे।

मेढ़ेटुंगरी सिरका में करमा पर्व मिलन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सात को

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। ग्रामीण युवा संगठन के तत्वाधान में सात सितंबर की शाम मेढ़ेटुंगरी फुटबॉल मैदान में करमा पर्व मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके सफल आयोजन को लेकर एक कमेटी का भी गठन किया गया है। जिसके अध्यक्ष झल्लू मुंडा, कार्यकारी अध्यक्ष श्याम कुमार महतो, सचिव सेवाराम महतो, कोषाध्यक्ष किशुन महतो, उपाध्यक्ष विजय चौधरी, उपसचिव शनि मुंडा, संरक्षक ग्रामप्रधान बाबूलाल मुंडा, मुखिया रोशनलाल मुंडा, पंसस प्रतिनिधि साहेबराम महतो, रीता देवी, मनोज कुमार चौधरी, जगेश्वर महतो, दुर्गा महतो, सोहन महतो, रामजीत नायक, राजेन्द्र महतो, गोपाल महतो, सोमरा मुंडा, विनोद महतो एवं लक्ष्मण मुंडा बनाए गए हैं।

लापुंग में मनाया गया प्रकृति पर्व करमा

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व करमा का त्योहार बुधवार से शांति पूर्वक मनाया जा रहा है। बहन अपने भाई की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए पूजा करती है। इस पर्व में गांव के करम अखाड़ा को पारंपरिक ढंग से सजाया गया। वहीं, पाहान द्वारा रंगुवा मुर्गा की बलि देकर पूजा की गयी। गांव की कुंवारी बहन, बेटी करम के चारों ओर पूजा के लिए बैठ कर करमा और धरमा दो सगे भाइयों की कहानी गांव के बुजुर्गों से सुनी । दूसरे दिन सुबह करम डाली विसर्जन सरोवर या नदी में किया आयेगा। बतातें चलें कि लापुंग, फतेहपुर, हुलसु, ककरिया, महुगांव, दाड़ी और ककरिया आदि गांवों में करम पूजा किया गया।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

सोलिटेयर एजुकेशनल एकेडमी घाघरा में करमा उत्सव का आयोजन

घाघरा (आजाद सिपाही)। सोलिटेयर एजुकेशनल एकेडमी में बुधवार को पारंपरिक करमा उत्सव बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगारंग माहौल में मनाया गया। अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत सचिव अंकिताश्री और प्राचार्य चंद्रकांत पाठक ने पारंपरिक पूजा एवं कर्मा वृक्ष की स्थापना के साथ की। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोकनृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के जरिये करमा पर्व की महत्ता को जीवंत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर प्राचार्य श्री चंद्रकांत पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि करमा पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति और मानव के बीच संतुलन बनाए रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने सामूहिक नृत्य में भाग लेकर कर्मा पर्व की परंपरा को आत्मसात किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और परंपराओं के संरक्षण का संदेश देना रहा। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कोनबिर में पंचायत ओरिएंटेशन का आयोजन

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कोनबीर पंचायत में बुधवार को पंचायत स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेहतर स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण को अपनाने के महत्वपूर्ण विषय पर उपस्थित ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा पंचायत के सदस्यों ग्रामीणों को जागरूक करने में न केवल मदद करेगा बल्कि ग्रामीणों के स्वच्छता स्वास्थ्य ओर पोषण में भी सुधार होगा। ग्रामीणों के जीवनस्तर में सकारात्मक बदलाव आयेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोनबीर मुखिया अमृता देवी, पंचायत के वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान, सेविका, स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया, प्रदान संस्था के प्रतिमा कुमारी, सीता , आरती, सोनू सिंह समेत बीएलएफ -सीएलएफ के कैडर और ग्रामीण शामिल हुए।

गुमला सदर अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन

गुमला (आजाद सिपाही)। नीति आयोग के अंतर्गत सदर अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लिनिक का उद्घाटन डॉ अनुपम अनुपम किशोर डॉक्टर सारिब अहमद ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। क्लीनिक का उद्घाटन झारखंड के सभी जिलों में ऑनलाइन किया गया। ब्रेन हेल्थ क्लीनिक में मिर्गी लकवा माइग्रेन आदि रोगों का इलाज होगा। मौके पर नील कुसुम लकड़ा, नमिता कुमारी, विनोद कुमार,सुजीत कुमार महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रखंड स्तरीय राजी करमा महोत्सव का आयोजन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पड़हा टांड़, जाहूप कोकोटोली टोली में बुधवार को प्रखंड स्तरीय राजी करमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जित कर पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं करमा वृक्ष की विधिवत पूजा की। महोत्सव में महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। सतीश उरांव ने करमा पर्व को जनजातीय समाज का प्रमुख त्योहार बताते हुए कहा कि यह पर्व समाज में एकता, भाईचारा और सामूहिकता का प्रतीक है। महोत्सव में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। मंच पर उपस्थित अतिथियों में रामलाल, सोमेश्वर, रमेश्वर, राजेश, प्रेमलाल, अशोक, सुनील, संजय, दीपक, देवकुमार, राहुल, पंकज, प्रदीप, सुकदेव एवं त्रिभुवन पाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक रूप से करमा महोत्सव की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कोनबीर में बारिश से गिरा विधवा का घर

बसिया (आजाद सिपाही)। बारिश का ऐसा बरपा कहर की विधवा का आशियाना ही छिन लिया। अब विधवा को सिर छुपाने के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। पूरा मामला बसिया प्रखंड के कोनबीर बाजार टांड़ के समीप रहने वाली विधवा महिला माया देवी का है। बारिश के कारण विधवा का दो रूम का कच्चा मकान धाराशायी हो गया। अब सभी लोग सास की घर पर शरण ले रखे हैं। विधवा के पति करमु राम जो पेशे से चालक थे और उनकी मृत्यु पूर्व में हो चुकी है। विधवा के दो पुत्र सुरज राम और बादल राम समेत एक पुत्री चंदा कुमारी है। आर्थिक रूप से काफी कमजोर विधवा दुसरे के घरों में बर्तन मांज और झाड़ू पोछा लगा कर परिवार का भरण पोषण कर रही है। लेकिन नियति ऐसी बनी कि बारिश के कारण विगत दिनों मकान क्षतिग्रस्त हो गया था। वहीं मंगलवार की रात हुई बारिश के कारण पूरा मकान ध्वस्त हो गया। विधवा माया देवी ने गुमला उपायुक्त से अंबेडकर आवास देने की मांग की है।

ब्राउन शुगर के साथ एक युवक गिरफ्तार, दूसरा फरार

कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय विद्यार्थियों को चार हजार प्रति ग्राम में ब्रॉउन शुगर बेचने के लिए आये थे

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने 8 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है।

गुमला थाना में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बुधवार की दोपहर 12:30 बताया पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि के ओ कॉलेज पुग्गू रोड फुटबॉल मैदान के पास कुछ लोगों के द्वारा ब्रॉउन शुगर की खरीद बिक्री की जा रही है। त्वरित छपामारी दल का गठन किया गया। जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव थाना प्रभारी महेंद्र करमाली पुलिस अवर निरीक्षक संजीवन उरांव, सुनील कुमार, स्वर्ण सुदीप्तो, समीर अंसारी और सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस जब पुग्गू रोड स्थित फुटबॉल मैदान पहुंची तो पुलिस बल को देखकर कुछ लोग भागने लगे। भागने के क्रम में एक युवक को दौडाकर पकड़ लिया गया। पकड़ाए युवक का नाम पता पूछने पर रितेश केसरी उम्र 21 वर्ष पिता रमेश केसरी घाटों बगीचा का निवासी बताया। तलाशी लेने पर उसके ट्राउजर के पॉकेट से दो मोबाइल फोन और एक पारदर्शी प्लास्टिक में ब्राउन शुगर मिला। जिसका वजन करने पर 8 ग्राम पाया गया। वहीं एक स्कूटी भी पुलिस ने जप्त किया गया है। जिसका उपयोग ब्रॉउन शुगर की खरीद बिक्री करने हेतु किया जाता था जो रितेश केसरी के बड़े भाई नितेश केशरी के नाम से है। ब्रॉउन शुगर के संबंध में पूछने पर बताया कि यह अपने एक मित्र शशि साहु उर्फ जुब्बा जो दीपक ग्लास स्टोर मेन रोड गुमला का रहने वाला है के साथ कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय विद्यार्थियों को 4000 प्रति ग्राम में ब्रॉउन शुगर बेचने के लिए आया था। वहीं मौके से शशि साहु उर्फ जुब्बा फरार हो गया। रितेश केशरी पूर्व में भी ब्रॉउन शुगर मामले में सिमडेगा जेल जा चुका है। वहीं पुलिस ने प्रेस वार्ता कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

करमा और ईद मिलादुन्नबी को लेकर पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले में करमा पर्व और ईद मिलादुन्नबी जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को चंडाली स्थित पुलिस लाइन में एसपी हरिश बिन जमां के निर्देश पर माक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल हुए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की गयी। माक ड्रिल में पुलिसकर्मियों ने आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित प्रतिक्रिया देने का अभ्यास किया। इसमें भीड़ नियंत्रण, दंगा-रोधी अभ्यास, आकस्मिक घटनाओं में लोगों को सुरक्षित निकालने और संदिग्ध स्थिति में तत्काल कार्रवाई की रणनीति पर विशेष बल दिया गया। मौके पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, सारजेंट मेजर अभिमन्यु कुमार, थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली समेत जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे।

बिशुनपुर में पेड़ से टकरायी कार, छह लोग हुए घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। थाना सीमा क्षेत्र के घाघरा रोड स्थित जामुन मोड़ के समय मंगलवार देर रात एक वेगानार कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गयी जिससे कार में सवार मूंदार गांव निवासी जीतराम उरांव 34 वर्ष, राजू किंडो 36 वर्ष, अंजलि किंडो 34 वर्ष, सुनीता मींज 3 वर्ष, अमृता एका 13 वर्ष और जॉनय उराइन 60 वर्ष को गंभीर चोट लगी। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। बताया जाता है कि चालक राजू किंडो को कमर में चोट लगी थी जिसे देखते हुए चिकित्सकों ने गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जबकि बाकी सदस्यों को प्राथमिक उपचार उपरांत घर भेज दिया। जीतराम उरांव ने बताया कि मंगलवार को हम लोग पालकोट स्थित करौंदा बेड़ा गए थे जहां से लौट के क्रम में यह घटना घाटी है। इधर क्षतिग्रस्त कर को पुलिस ने थाना लाया है।

वाहन जांच अभियान में 72 हजार जुर्माना की वसूली

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के गम्हरिया स्थित घाघरा-लोहरदगा एनएच में जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दो दर्जन से अधिक लाइन ट्रक, बॉक्साइट ट्रक और बाइक को रोका गया तथा उनके कागजातों की जांच की गई। इस क्रम में जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे पाए गए और बाइक चालकों ने बिना हेलमेट गाड़ी चलायी, उनसे जुमार्ना वसूला गया। कुल मिलाकर 72 हजार की राशि वसूल की गयी। डीटीओ श्री जायसवाल ने मौके पर ही चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय नियमों का पालन करना अनिवार्य है। खासकर बाइक चालकों को हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए, क्योंकि एक चालक की लापरवाही कई जिंदगियों को खतरे में डाल सकती है। इस अभियान में डीटीओ के साथ परिवहन विभाग के कई कर्मी मौजूद थे।

बसिया इंडोर स्टेडियम के उद्घाटन में जनप्रतिनिधियों को नहीं बुलाना खेद जनक

गुमला (आजाद सिपाही)। बसिया में इंडोर स्टेडियम के उद्घाटन में जनप्रतिनिधियों को नहीं बुलाया गया। इसपर कांग्रेस के प्रदेश सचिव रमेश कुमार चीनी ने खेद प्रकट किया है। कहा है कि किसी भी सरकारी कार्यक्रम या उदघाटन में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। प्रशासन को इसकी समीक्षा करनी चाहिए कि कहां चूक हुई और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में इसकी पुनरावृति न हो। चूंकि जनप्रतिनिधियों के साथ इस प्रकार के सौतेले व्यवहार से वे खुद को उपेक्षित महसुस करेंगे और सरकारी योजनाओं का हिस्सा बनने से वंचित रह जायेंगे।

जर्जर हो चुके नेशनल हाइवे सड़क बनाने को लेकर नुक्कड़ सभा और संवाद कार्यक्रम आज

गुमला (आजाद सिपाही)। घाघरा चांदनी चौक स्थित नेशनल हाइवे-143 मुख्य पथ में जानलेवा गड्ढे हो चुकी सड़क को अविलंब मरम्मति करने को लेकर ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह 4 सितंबर 2025 को घाघरा में नुक्कड़ सभा तथा स्थानीय लोगों से चक्का जाम की सफलता के लिए संवाद भी करेंगे। विदित हो कि पिछले एक सप्ताह से घाघरा चांदनी चौक स्थित सड़क गड्ढे में तब्दील हो गया है, जहां कभी भी बड़ी दुर्घटना में लोगों की जान माल की भारी नुकसान हो सकती है। जिसे देखते हुए सरकार व जिला प्रशासन से 24 घंटे के अंदर सड़क की मरम्मति की मांग संभावित दुर्घटना को रोकने तथा जनहित में की गयी है ताकि आवागमन सुलभ हो सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए सड़क मरम्मति नहीं होने की स्थिति में सड़क जाम की चेतावनी भी दी गयी है। सोयी हुई सरकार और जिला प्रशासन को जगाने और सड़क की जल्द मरम्मति हो इसके लिए 4 सितंबर 2025 को घाघरा में नुक्कड़ सभा तथा सड़क जाम की सफलता के लिए स्थानीय जिम्मेवार नागरिकों से संवाद कार्यक्रम श्री सिंह के द्वारा की जायेगी। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट और झारखंड नवनिर्माण दल ने फिर से जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि जनहित में अविलंब सड़क मरम्मति का कार्य हो ताकि सड़क जाम का नौबत ही नहीं आएगा क्योंकि सड़क जाम का फैसला सरकार और पथ निर्माण विभाग की उदासीन रवैया को देखते हुए तथा सड़क जल्द बने जिससे दुर्घटना का शिकार कोई ना हो इसके लिए मजबूरीवस ली गयी फैसला है। अगर प्रशासन ध्यान नहीं देती है तो सड़क जाम के लिए स्थानीय लोग मजबूर होंगे।

जुलूस-ए-मोहम्मदी के दिन शराब दुकानों को बंद रखने की मांग

गुमला (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता आरिफ हुसैन अख्तर ने आगामी 5 सितंबर 2025 को निकाले जाने वाले ऐतिहासिक जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर राज्य सरकार और गुमला जिला प्रशासन से मांग की है कि इस दिन पूरे जिले में शराब दुकानों को पूर्णतः बंद रखा जाये। उन्होंने कहा कि जुलूस-ए-मोहम्मदी मुसलमानों की आस्था और जज्बात का पर्व है। इस दिन नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के उम्मती बड़ी संख्या में सड़कों पर निकलकर अमन, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देते हैं। ऐसे मौके पर शराब की बिक्री माहौल को बिगाड़ सकती है और धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है। ऐसे अवसर पर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वातावरण पूरी तरह शांतिपूर्ण और पवित्र बना रहे।

चिल्ड्रेन एकेडमी रन्हे में करमा महोत्सव धूमधाम से मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल 10+2 रन्हे में बुधवार को कर्मा पूजा महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और सांस्कृतिक धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुनीत मिंज और क्षेत्र की विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र की मुखिया गीता उरांव उपस्थित रहीं। वहीं मौजूद मुख्य अतिथि पुनीत मिंज ने कहा कि कर्मा पर्व जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। वहीं मुखिया गीता उरांव ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों एवं दर्शकों का आभार जताया और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रेरणास्त्रोत हैं। इसके पूर्व विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रीति-रिवाजों से किया। दीप प्रज्वलन के बाद मांदर और नगाड़ों की थाप पर विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किये। रंग-बिरंगी वेशभूषा में बच्चों ने कर्मा पर्व से जुड़ी सांस्कृतिक झलकियां पेश कर दर्शकों का मन मोह लिया।

मछली पकड़ने गये व्यक्ति की खेत में गिरने से मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के पुग्गू खोपा टोली निवासी बुद्धदेव उरांव (38) की मौत खेत में गिरने से हो गयी। घटना मंगलवार की देर रात्रि 10:30 बजे की है, जब वह अपने खेत में मछली पकड़ने गया हुआ था। जानकारी के अनुसार खेत में पानी भरा हुआ था। इसी दौरान बुद्धदेव का पैर फिसल गया और वह पानी में जा गिरा। गिरने के बाद वह वहीं अचेत पड़ा रह गया और डूबने से उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी देते हुए मृतक की पत्नी मीना उरांव ने बताया कि उसके पति देर रात जब घर नहीं लौटे, तो खोजबीन शुरू किए। काफी तलाश के बाद रात करीब 2:30 बजे उसे खेत में पानी के बीच पड़ा हुआ पाया गया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जोश और उत्साह से निकाला जायेगा जुलूस-ए-मोहम्मदी : आशिक अंसारी

गुमला (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय में जुलूस मोहम्मदी 'सललल्लाहोअलैहिवसल्लम' इस वर्ष शानदार तरीके से निकाला जायेगा। यह जानकारी देते हुए अंजुमन प्रवक्ता आशिक अंसारी ने बताया कि इसके लिए गुमला के सभी मुस्लिम मुहल्ला में बड़े शानदार ढंग की तैयारी की जा रही है। आजाद बसती, हुसैन नगर, थाना रोड, इसलामपुर, रजा कोलोनी बाजार टांड, चांदनी चौक, गौस नगर मुहल्ले में जुलूस ए मोहम्मदी 'सललल्लाहोअलैहिवसल्लम' को लेकर नौजवानों में काफी जोश और उत्साह देखा जा रहा है। जुलूस आगामी 5सितमबर 2025 दिन शुक्रवार को दिन के 8 बज सुबह से गौसिया मोती मस्जिद, बाजार टांड से शुरू हो कर इसलामपुर, बाबर गली, होते थाना रोड से टावर चौक, सिसई रोड पेट्रोल पंप तक जायेगी। वहां से लौट कर टावर चौराहा, मेन रोड, पटेल चौक लोहरदगा रोड थाना चौक होते हुए जामा मस्जिद के पास सलात ओ सलाम के बाद जुलूस खत्म होगी।

गुमला और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया करमा महोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को करमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुंवारी कन्या व महिलाओं ने दिन भर उपवास रख कर शाम में श्रद्धा, भक्ति आस्था और विश्वास के साथ करम डाली की पूजा की और अपने भाईयों के सुख शांति समृद्धि और दीघार्यु जीवन की कामना की करमा का पर्व प्रकृति से प्रेम, सामाजिक सदभाव और कर्म करने का संदेश देता है। भादो शुक्ल पक्ष के एकादशी तिथि को सनातन धर्म में प्रकृतिक के प्रति आस्था व्यक्त करने के लिए करम डाली को गांव के पहान द्वारा आंगन या आखड़ा में लाने की परंपरा है। हिंदू सनातनी अपने आंगन में पुरोहित से करम देवी की पूजा कराते हैं। पुरोहित करमा व धरमा दो भाई की कहानी सुनाकर ईश्वर के प्रति विश्वास पैदा करने और धर्म की रक्षा के लिए कर्म करने का संदेश देता है। इसी तरह सरना सनातनी आखरा में सामूहिक रूप से पूजा करते हैं। रात भर गीत संगीत व नृत्य कर रातजग्गा करते हैं और सुबह करम डाली को विसर्जित करते हैं। बुधवार को गुमला के पालकोट रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में आचार्य कमलेश मिश्र के नेतृत्व में करम डाली की पूजा की गयी। देर शाम गुमला के श्री कृष्णा छात्रावास, एसएस स्कूल छात्रावास, कालेज छात्रावास, उरांव छात्रावास, शबरी आश्रम में सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की गयी। करमा और धरमा दो भाईयों की कहानी सुनाकर सामाजिक सदभाव का संदेश दिया गया। करमा जनजातीय क्षेत्र का महत्वपूर्ण पर्व है जिस कारण सनातन धर्मावलंबियों में दिन भर उल्लास का माहौल था। मांदर की थाप में रात भर गीत संगीत और नृत्य कर करमा महोत्सव मनाया गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुई करम डाली की पूजा

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में बुधवार को कर्मा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस उत्सव में पारंपरिक पूजा अर्चना धार्मिक अनुष्ठान एवं लोक नृत्यों को शामिल किया गया. सभी संकाय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और उत्सव मनाया। करम डाली की पूजा की गयी और बहनें अपने भाइयों की सुख-समृद्धि व दीघार्यु जीवन की कामना की।

मान्यता है कि इस पर्व को बहनें अपने भाइयों के लिए करती हैं। इसके अलावा यह प्रकृति पूजन का भी प्रतीक जाना जाता है। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में कर्मा पूजा का उत्सव झारखंड की सांस्कृतिक विविधता, परंपराओं का सम्मान और संरक्षण करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

अचानक ब्रेक लगाने से टेंपो ने टकरायी बाइक, दो लोग घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के टोटो स्थित कड़िया चौक के पास बुधवार की अपराह्न 4 बजे आगे चल रहे टेंपो ने अचानक ब्रेक मार दिया जिससे टेंपो के पीछे चल रहे दो बाइक में टक्कर हो गई। घटना में फोरी निवासी साकिब राजा और फैजान राजा घायल हो गए। दोनों घायलों को टोटो पिकेट की पुलिस ने पुलिस वाहन से सदर अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक दोनों युवक अपने गांव से टोटो की ओर जा रहे थे। इसी बीच आगे चल रहा टेंपो चालक अचानक ब्रेक लगा दिया। जिससे टेंपो के पीछे चल रहे दो बाइक में टक्कर हो गयी और दोनों युवक घायल हो गए।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

बेरमो विधायक ने किया एक अरब 10 लाख रुपये की योजनाओं का शिलान्यास

156 करोड़ की लागत से बनेगी जैनामोड़ फुसरो दो लेन की सड़क : कुमार जयमंगल

- 99 करोड़ रुपए की लागत से होगा पिछरी-तेनुघाट सड़क का निर्माण
- भंडारीदह से खुटरी तक वाया भंडारीदह ट्रांसपोर्टिग सड़क 930 करोड रुपए की लागत से बनेगी
-जब-जब मेरी आलोचना होती है मुझे काम करने की शक्ति मिलती है : विधायक

योजनाओं का शिलान्यास करते विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनुप सिंह।

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने पेटरवार प्रखंड के पिछरी से गोमिया प्रखंड के तेनुघाट तक बहूचर्चित नहर किनारे के सड़क चौडीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का बुधवार को अंगवाली के नहर किनारे शिलान्यास किया। विदित हो कि उक्त सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से जनता द्वारा किया जा रहा था। इस पर संज्ञान लेते हुए बेरमो विधायक ने सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह कार्य बोकारो पथ प्रमंडल की ओर से 99 करोड़ रुपए की लागत से कराया जाएगा। इसकी कुल दूरी 26.32 किलोमीटर है। इसमें 1.56 किलोमीटर जैनामोड़ फुसरो मुख्य मार्ग से नहर तक निर्माण होगा। नहर से तेनुघाट तक 24.75 किलो मीटर सड़क निर्माण होगा। जानकारी के मुताबिक विधायक ने इस दिन कुल एक अरब 10 लाख 14 हजार रुपए की लागत से बनने वाली योजनाओं की आधारशिला रखी। इसमें पेटरवार प्रखंड के पिछरी कॉलोनी साउथ ब्लॉक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का मरम्मत और नवीकरण कार्य का शिलान्यास भी शामिल है। यह कार्य लगभग 19 लाख रुपए की लागत से होगा। वहीं, पेटरवार प्रखंड के राजकीयकृत उच्च विद्यालय अंगवाली में चार अतिरिक्त कमरा का निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया, जो बोकारो जिला ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की ओर से 46.61 लाख रुपए की लागत से कराया जाएगा। वहीं, अंगवाली उत्तरी पंचायत भवन के सामने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का मरम्मत और नवीकरण कार्य का शिलान्यास हुआ, उक्त कार्य 19 लाख रुपए की लागत से पूरा होगा। पेटरवार प्रखंड के ही अंगवाली दक्षिणी गाभरमोचरो में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की मरम्मत और नवीकरण कार्य का भी शिलान्यास हुआ। जिस पर करीब 24.88 लाख रुपए खर्च होगें। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि लोगों के विश्वास और प्यार की वजह से नहर किनारे सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास कर पा रहा हूं। कहा कि नहर से पिछली तक का बाईपास सड़क बनायी जा रही है। करीब छह किलोमीटर की सड़क निर्माण पर 17 से 18 करोड़ रुपये खर्च होगें। इसके अलावा इस सड़क पर नये पुल का भी निर्माण होगा। उक्त सड़क करीब एस साल में बनकर तैयार हो जाएगा। फुसरो-जैनामोड़ सड़क को लेकर कहा कि उसका एक करोड़ रुपए की लागत से मरम्मती का टेंडर हो चुका है। जिसका काम गुरुवार से शुरू हो जाएगा। इसके अलावा दामोदर नदी पर पुल मरमती का कार्य 20 लाख रुपए से किया जाएगा। कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैनामोड़ के तिलकामांझी चौक से लेकर फुसरो के निर्मल महतो चौक तक 156 करोड़ रुपए की लागत से डबल लाइन सड़क बनाने की स्वीकृति दे दी है। यह कार्य भी बहुत जल्द टेंडर कराकार प्रारंभ किया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 930 करोड़ रुपए का नावाडीह से भंडारीदह होते हुए खुटरी तक ट्रांसपोटिंग के लिए सड़क निर्माण कार्य का स्वीकृति दिया है। इसका भी टेंडर दो से तीन महीने में हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग मेरी जितनी आलोचना करते हैं, मैं उतना ही विकास कार्य करता हूं। क्योंकि उसी से मुझे शक्ति मिलती है। इस मौके पर अंगवाली उत्तरी पंचायत मुखिया धर्मेंद्र कपरदार, पूर्व मुखिया गोरी नाथ कपरदार, कांग्रेस नेता शब्बीर अंसारी, परवेज अख्तर, गणेश मिश्रा, जीप सदस्य माला कुमारी, विनोद नायक, उदेश दुबे, हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की सरदार, राजेंद्र सिंह, भीम पाल, आशीष पाल, रंजीत नायक, राजेश सिंह, बृजेश सिंह, राजेश दुबे, रियाज अंसारी आदि मौजूद थे।

रिश्वत लेते भौंरा के सुपरवाइजर और सहायक सुपरवाइजर को सीबीआइ ने रंगे हाथों दबोचा

आजाद सिपाही संवाददाता

आरोपितों को गिरफ्तार कर ले जाती सीबीआइ की टीम।

धनबाद। सीबीआइ ने भौंसा सुपरवाइजर और सहायक सुपरवाइजर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान राजकुमार सिंह और रामाश्रय गड़ेरिया के रूप में हुई है। दोनों पर बीसीसीएल से सेवानिवृत्त एक कर्मी से उनका बकाया लाभ दिलाने के बदले में 20 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। हालांकि पीड़ित रिश्वत देने को तैयार नहीं था। उसने दोनों के खिलाफ सीबीआई से शिकायत कर दी थी। इसके बाद सीबीआई ने पूरे मामले की गहन जांच की और योजना बनाते हुए कार्यालय में जाल बिछाया। इसी दौरान दोनों आरोपी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिए गये। उन्हें तत्काल हिरासत में ले लिया गया। सीबीआई एसपी ने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मी एक महीने से अपने लाभ नहीं मिलने से परेशान थे। दोनों लगातार रिश्वत की मांग को लेकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। सीबीआइ ने कार्रवाई कर न केवल आरोपियों को पकड़ा, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि केस के निष्पादन के समय रिश्वत की रकम भुक्तभोगी को वापस कर दी जाएगी और रुके हुए कार्य को भी पूरा किया जाएगा। सीबीआई एसपी ने अपील की कि यदि किसी भी कार्य के निष्पादन के बदले में आपसे रिश्वत मांगी जाती है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप सीधे सीबीआई, एसीबी या अन्य सरकारी एजेंसियों के पास शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

एग्यारकुंड झामुमो किसान मोर्चा का गठन, विनोद मरांडी मनोनीत हुए अध्यक्ष

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार को एग्यारकुण्ड प्रखंड अंतर्गत मैथन के रिक्रिशन क्लब में बैठक कर झामुमो किसान मोर्चा का गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एग्यारकुण्ड प्रखण्ड अध्यक्ष रामनाथ सोरेन ने की। बैठक में झामुमो के जिला अध्यक्ष लखी सोरेन और किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुन्ना साह भी उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वसम्मति से विनोद मरांडी को किसान मोर्चा के एग्यारकुण्ड प्रखण्ड का अध्यक्ष चुना गया। वहीं, लखींद्र हंसदा को सचिव बनाया गया। इसकी जानकारी देते हुए किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुन्ना साह ने बताया कि झामुमो केंद्रीय समिति के आदेशानुसार झारखंड के सभी जिलों के प्रखंडों में किसान मोर्चा का गठन किया जा रहा है, ताकि हर प्रखंड के किसानों को लाभ मिल सके। वहीं, कोषाध्यक्ष दुलाल चंद्र बाउरी ने बताया कि जिले भर में 10 कमेटी गठन करना हैं। आज छठा कमेटी का गठन हो गया।

सड़क हादसे में जेएसएलपीएस कर्मचारी की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया एनएच जाम

बोकारो (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 23 पर मेंडिकेंट हॉस्पिटल के समीप मंगलवार की रात सड़क हादसे में झारखंड स्टेट लाइवली हुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। इससे आक्रोशित लोगों ने बुधवार की सुबह से आईटीआई मोड़ से उकरीद मोड तक एनएच 23 को जाम कर प्रदर्शन किया। लोगों ने मांग थी की कि मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही, सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाला मुआवजा तुरंत प्रदान किया जाए। जानकारी के अनुसार जेएसएलपीएस के फील्ड थमेटिक कोऑर्डिनेटर विकास चटर्जी चास ब्लॉक स्थित अपने कार्यालय से मंगलवार की देर शाम बाइक से वापस सेक्टर 8 स्थित अपने आवास लौट रहे थे। तभी मेंडिकेंट हॉस्पिटल के समीप तेज रफ़्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उधर, वाहन चालक मौके से वाहन सहित फरार होगया। घटना से गुस्साए लोगों ने उचित मुआवजा एवं आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर बुधवार की सुबह से ही आईटीआई मोड़ से उकरीद मोड तक एनएच 23 को जाम कर दिया। जिससे सड़क आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर चास थाना प्रभारी सुभाष कुमार सिंह और सीओ पहुंचे और लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया। वार्ता में सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा देने एवं अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के भरोसा के बाद लोगों ने जाम हटा दिया।

वाहन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी, युवक गिरफ्तार

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। शहरी क्षेत्र के क्रिश्चियन हिल के समीप स्थित राधा स्वामी संगठन के वाहन चालक शमीम अंसारी को धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शमीम अख्तर पर एक स्कीम के तहत कई लोगों से वाहन दिलाने के नाम पर राशि लेने एवं फाइनेंस कंपनी को भुगतान नहीं करने का आरोप है। वाहन फाइनेंस करने वाली कंपनी द्वारा इएमआई नहीं मिलने पर वाहन लेने वाले लोगों को परेशान किया जा रहा था। जिसके बाद लोगों ने संगठन के गांडेय विधानसभा से प्रत्याशी रह चुके शमीम अख्तर के खिलाफ थाने में शिकायत की। इसके बाद पचंबा पुलिस ने मंगलवार की देर रात को शमीम अख्तर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उधर, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सिन्हा ने बताया कि राधा स्वामी संगठन की ओर से वाहन स्कीम सहित लोगों के लिए लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है। वहीं, शमीम अख्तर के खिलाफ कुछ माह पूर्व 36 लोगों से संगठन के बजाय अपने खाते में पैसे लेने की शिकायत मिली थी। इसके लिए उसे नोटिस भी किया गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण 24 जुलाई को शमीम अख्तर को संगठन से निष्कासित कर दिया गया था।

करम वृक्ष का रोपण

बोकारो (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व करमा के अवसर पर बुधवार को स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान की ओर से बोकारो के पर्यावरण-मित्र वाटिका में पंडित गौरी शंकर ओझा मेमोरियल ट्रस्ट की अध्यक्ष समाजसेवी अनीता ओझा ने पवित्र वृक्ष करम का पूजनोपरांत रोपण कर प्रकृति संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। बतातें चलें कि झारखंड में करमा पर्व विशेष आस्था एवं उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। औरतें अपने भाई के सुख समृद्धि की कामना के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही, फसलों की अच्छी पैदावार के लिए भी प्रकृति से निवेदन किया जाता है। पवित्र करम वृक्ष के साथ ही कई अन्य वृक्षों का भी रोपण किया गया।

बीएसएल कर्मचारी ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

बोकारो (आजाद सिपाही)। इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में कार्यरत इंजीनियरिंग एसोसिएट मन्नान अली ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने रांची में आयोजित झारखंड स्टेट स्ट्रेंथलिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैंपियनशिप 2025 की 85 किलोग्राम भार वर्ग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 31 अगस्त को झारखंड स्ट्रेंथलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित हुई, जिसमें राज्यभर से अनेक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच मन्नान अली ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए यह सफलता अर्जित की। बीएसएल शीर्ष प्रबंधन ने उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जामाडोबा जीतपुर में तीन आवास से लाखों की चोरी

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जोरापोखर थाना क्षेत्र के जीतपुर कोलियरी कालोनी में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने ठेका कर्मी उमेश पासवान सहित तीन घरों से डेढ़ लाख की मोबाइल, सोने-चांदी के जेवरात एवं नकदी की चोरी कर ली है। इस बाबत पीड़ित उमेश पासवान ने थाने में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। उमेश ने कहा कि वह गर्मी की वजह से अपने घर में दरवाजा खोलकर सपरिवार सोए थे। तभी अज्ञात चोरों ने चहारदीवारी फांदकर घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखा सोने का एक मांग टीका, एक जोड़ा झुमका, 10 नथिया, एक अंगूठी, तीन जोड़ा चांदी के पायल और चार हजार रुपये नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया। हालांकि चोरों के भागने के दौरान उमेश की पत्नी की नींद टूट गई। उनसे चोरों को भागते हुए देखा है। चोरों ने उमेश के अतिरिक्त उसके पड़ोसी फिरोज अंसारी के घर से मोबाइल और रत्न पासवान के घर से 900 रुपए नकदी चोरी कर फरार हो गये। हालांकि क्षेत्र में घटनास्थल के पास लगी सीसीटीवी कैमरे की जांच के बाद लोगों ने बताया कि घटनास्थल के समीप दो लोग साइकिल से देर रात घूमते देखे जा रहे हैं। पुलिस गंभीरता से जांच करे, तो घटना का उद्भेदन किया जा सकता है। उधर, जोड़ापोखर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिहिजाम में करम महोत्सव का आयोजन, सैकड़ों लोगों ने की पूजा

मिहिजाम (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत आदर्श ग्राम बड़जोड़ा पंचायत के बिनोद बिहारी महतो चौक में बिरसा बिनोद करम आखडा की ओर से झारखंड के राजकीय पर्व प्रकृति संरक्षण एवं भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक विशाल करम महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय प्रधान प्रवक्ता सह संथाल परगना प्रभारी दीपक महतो केशरियार एवं विशिष्ट अतिथि जामताड़ा सदर सीओ अविश्वर मुर्मू शामिल हुए। इसमें बड़जोड़ा पंचायत सहित आसपास के सभी पंचायत के गांवों से भाई-बहनों एवं हजारों लोग शामिल हुए। इस दौरान सभी मिलकर करम आखडा में मांदर नगाड़ा के साथ करम गीत एवं झूमर एक साथ मिलकर नृत्य किया और करम महोत्सव मनाया। इस मौके पर समाजसेवी आरती महतो, जेएलकेएम जिला अध्यक्ष मंतोष महतो, मुखिया खुसबू टुडू, पंसस स्वर्णलता टुडू आदि मौजूद थे।

सिंदरी में विक्षिप्त युवती से दुष्कर्म का प्रयास

झरिया/सिंदरी (आजाद सिपाही)। बलियापुर थाना क्षेत्र के सिंदरी सीमाटांड स्थित एक मंदिर में मंगलवार की रात विक्षिप्त युवती से दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद से आरोपित फरार है। वहीं, ग्रामीणों की शिकायत पर बलियापुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिव्यांग युवती पांच दिन पहले भटकते हुए इस मंदिर में शरण ली थी। मंगलवार की रात एक युवक साइकिल से यहां आया और युवती से दुष्कर्म करने का प्रयास करने लगा। इसपर आसपास के कुछ लोगों की नजर पड़ गई। जब लोगों ने शोर मचाया तो आरोपी वहां से फरार हो गया। युवक की साइकिल को ग्रामीणों ने पुलिस को सौंप दिया है। चर्चा है कि ग्रामीणों ने कुकृत्य कर रहे युवक की पहचान कर ली है। इस संबंध में बलियापुर थाना प्रभारी (प्रभार) अशोक कुमार ने बताया कि विक्षिप्त युवती कुछ बोल पाने में असमर्थ है। उसके बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पुलिस उसे लेकर इंटरप्रेटर के पास धनबाद ले गई है। जहां इंटरप्रेटर के माध्यम से उसके साथ घटित घटना की जानकारी लेने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद उसका मेडिकल जांच कराया जाएगा।

झारखंड की झोली में आये 64 मेडल, इनमें 52 बोकारो के

आठ देशों के प्रतिद्वंदियों को मात देकर बोकारो डीपीएस स्कूल के प्रतिभागियों ने जीते 33 पदक

आजाद सिपाही संवाददाता

पदक जीतने वाले बोकारो डीपीएस स्कूल के प्रतिभारी एवं अन्य।

बोकारो। शिक्षा, नवाचार और कला के साथ ही खेल की दुनिया में भी डीपीएस बोकारो के छात्र-छात्राओं ने एक बार पुनः अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मार्शल आर्ट विद्या में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अबकी बार अंतरराष्ट्रीय मानचित्र परअपनी खास पहचान बनाई। कोलकाता में आयोजित चौथी इंटरनेशनल कराटे चैम्पियनशिप में भारत सहित कुल आठ देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें ईरान, भूटान, कनाडा, पुर्तगाल, इंडोनेशिया, नेपाल और श्रीलंका की टीमें भी शामिल रहीं। खास बात यह रही कि पूरे झारखंड से डीपीएस बोकारो का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। विद्यालय के जांबाज खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंदियों को धूल चटाकर कुल 33 पदक अपने नाम किये। झारखंड से रांची, बोकारो और सिंहभूम (चाईबासा, जमशेदपुर, सरायकेला-खरसांवा) क्षेत्र सहित अन्य जगहों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिन्होंने कुल 64 पदक जीते। इनमें आधे से अधिक इसी स्कूल की झोली में आए। बोकारो के हिस्से में कुल 52 पदक आए। झारखंड को मिले कुल 64 पदकों में 14 स्वर्ण, 18 रजत और 32 कांस्य पदक शामिल हैं। जबकि, बोकारो को 11 स्वर्ण, 16 रजत एवं 25 कांस्य पदक मिले। वहीं, डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों द्वारा अर्जित 33 पदकों में 8 गोल्ड, 9 सिल्वर और 16 ब्रांज मेडल शामिल हैं। खिलाड़ियों ने कराटे की काता और कुमिते विधाओं में अपने दमखम दिखाए। विद्यालय की छात्रा रियांशी चौधरी ने काता और कुमिते, दोनों ही स्पधाओं में एक-एक स्वर्ण जीता। इसके अलावा, मायोन सरव एक गोल्ड (कुमिते), एक सिल्वर (काता), अनिका दास एक गोल्ड (कुमिते), आराध्या सुवन एक गोल्ड (कुमिते) एवं एक ब्रॉन्ज (काता), सिद्धि सुमन एक गोल्ड (कुमिते), एक ब्रॉन्ज (काता), नैतिक प्रसाद एक गोल्ड (कुमिते) एवं एक सिल्वर (काता), अर्घ्य सुवन एक सिल्वर (कुमिते), अथर्व कश्यप एक सिल्वर (कुमिते), युवान यश एक सिल्वर (कुमिते), एक ब्रॉन्ज (काता), भाव्या बिष्ट एक ब्रॉन्ज (कुमिते), एक सिल्वर (काता), ऋद्धिमा चौधरी कुमिते व काता में एक-एक ब्रॉन्ज, आरुष प्रकाश एक सिल्वर (कुमिते) व एक ब्रॉन्ज (काता), सान्वी शेखर काता में एक ब्रॉन्ज, एन सरवना सद्दु एवं रेयांश शेखर कुमिते में एक-एक ब्रॉन्ज, ऋषिता राज शर्मा, एक गोल्ड (काता) एवं एक ब्रॉन्ज (कुमिते), विहान कुमार एवं कृतिकेश कुमार मिश्रा कुमिते में एक-एक सिल्वर, आद्या प्रभा काता एवं कुमिते में एक-एक ब्रॉन्ज, सैयाती साक्षी काता एवं कुमिते में एक-एक ब्रॉन्ज और अर्णव झा कुमिते में एक सिल्वर मेडल जीतकर अव्वल रहे। प्रतियोगिता का आयोजन बीते 31 अगस्त को किया गया था, जिसमें देशभर से कुल 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे। सफल रहे प्रतिभागी अब साउथ एशियन गेम्स में हिस्सा ले सकेंगे।

सभी जाति-धर्म से ऊपर थे दिशोम गुरु : अनूज सिन्हा

- दिशोम गुरू की स्मृति में बोकारो के सभी पंचायतों में होगा रात्रि पाठशाला का आयोजन : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। जिला प्रशासन की ओर से बीएससिटी के कैंप टू स्थित जायका हैपनिंग्स सभागार में बुधवार को संगोष्ठी आयोजित हुआ। जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखक, चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा के अलावा अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय भाषा एवं संस्कृति प्रलेखन केंद्र डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के सहायक प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ अभय सागर मिंज और डीसी अजय नाथ झा शामिल हुए। इनके अलावा डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, चास की अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ांडा, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता और बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ भी उपस्थित थे। संगोष्ठी में विभिन्न वक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन के योगदान, विचारधारा और उनके विकास मॉडल पर विस्तार से चर्चा की। इस असर पर अनुज कुमार सिन्हा ने दिशोम गुरू के जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि वह जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों को साथ लेकर चलते थे। वे मानते थे कि विकास तभी संभव है जब हर तबके की सहभागिता सुनिश्चित हो। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने संगोष्ठी में उपस्थित स्कूली बच्चों को दिशोम गुरू से सिख लेते हुए संकल्प लेने और देश के प्रतिष्ठित सेवाओं में जाने की बात कहीं। वहीं, डॉ अभय सागर मिंज ने कहा कि आदिवासी का अर्थ केवल जंगल, पत्ता, रंग और नृत्य नहीं है। यह मानसिकता बदलनी होगी। अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों को जानकर ही समाज में सहभागिता और विकास संभव है। कहा कि, सांस्कृतिक सापेक्षता के पुरोधा थे दिशोम गुरू शिबू सोरेन। उन्होंने 19 सूत्री विकास माडल को शुरू किया था, जिसका मकसद आदिवासी समाज का समग्र विकास करना था। जबकि डीसी ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन से आदिवासी कल्याण आयुक्त के तौर पर हुई भेंट और आदिवासी समाज के विकास पर हुई चर्चा के संबंध में यादें साझा की। अपने व्क्तव्य में कहा कि हमें आदिवासियों को सिखाने के बजाय उनसे सीखने की चाह रखनी होगी। यही समावेशी दृष्टिकोण समाज को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरू की स्मृति में बोकारो जिले के सभी पंचायतों में रात्रि पाठशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कामगार-श्रमिक, किसान-बुजुर्ग शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। वहीं, गुरूजी की कर्मस्थली ललपनिया पंचायत के लुगुबुरू घंटाबाड़ी में कार्तिक पूर्णिमा से पूर्व उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। संगोष्ठी का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन का जीवन और विचार सदैव प्रेरणा बने रहेंगे।

दिल्ली में सोने के दाम 1.07 लाख रुपये के पार

नयी दिल्ली। 8 दिनों में सोने की कीमतों में काफी इजाफा देखने को मिल चुका है। दिल्ली सर्राफा बाजार में गोल्ड की कीमतों में करीब 7 हजार रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि मौजूदा साल में गोल्ड के दाम में 28 हजार रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। 31 दिसंबर 2024 को दिल्ली में सोने के दाम 78,950 रुपये प्रति दस ग्राम पर थे.सोने की कीमतों की रफ्तार में कोई कमी देखने को नहीं मिल रही है। आंकड़ों को देखें तो देश की राजधानी दिल्ली में सोने के दाम 8 कारोबारी सत्रों में करीब 8,000 रुपये का इजाफा देखने को मिल रहा है। विदेशी बाजारों में भी गोल्ड की कीमतों में तेजी देखी जा रही है।

चीन ने अमेरिका तक दागने वाली मिसाइलें दिखायीं

हम डरते नहीं, आगे बढ़ते हैं: जिनपिंग

● विक्ट्री डे परेड में माओ जैसी ड्रेस में पहुंचे राष्ट्रपति

एजेंसी

बीजिंग। दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने पर चीन ने बुधवार को विक्ट्री डे परेड मनाया गया। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राजधानी बीजिंग के थियानमेन चौक पर परेड की सलामी ली। जिनपिंग के भाषण के बाद सैन्य परेड निकाली गयी। जिनपिंग ने कहा कि चीन किसी की धमकियों से नहीं डरता और

हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने लोगों से इतिहास याद रखने और जापान के खिलाफ लड़ने वाले सैनिकों का सम्मान देने की अपील की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परेड में हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स, वाइजे-21 एंटी-शिप क्रूज मिसाइल और जेएल-3 पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी। वहीं डीएफ-5सी न्यूक्लियर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का एडवांस वर्जन 6एफ भी दिखाया गया। यह मिसाइल अमेरिका तक मार सकती है। बीजिंग में देश की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड का आयोजन किया। इसमें अंतरिक्ष में हमला करने वाली मिसाइल, रोबोट भेड़िए, बिना पायलट के उड़ने वाला फाइटर जेट, पानी के अंदर चलने वाला ड्रोन समेत कई आधुनिक इक्यूपमेंट शामिल है।

भारत कभी समृद्ध देश था : शशि थरूर

शशि थरूर ने अपने नये शो के पहले एपिसोड में बतायी ब्रिटिश लूट की कहानी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने घोषणा की है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आरटी के लिए, उनका नया शो 'इंपीरियल रिसीट्स' का पहला भाग लॉन्च हो गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, 'साम्राज्य वास्तव में क्या पीछे छोड़ गया? ये रसीदें एक और कहानी बयां करती हैं। इंपीरियल रिसीट्स एपिसोड 1: द एंपायर अब मेरे यूट्यूब चैनल पर लाइव है।' इस बीच, थरूर ने आठ साल पहले दिये गये अपने एक इंटरव्यू का एक अंश साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया था कि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से पहले भारत सबसे अमीर और समृद्ध देशों में से एक था। अफशिन रतनसी से बात करते हुए थरूर ने कहा था कि 1800 के दशक में, भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 23 प्रतिशत था, जो 1947 तक गिरकर केवल 1.8 प्रतिशत रह गया। 250 वर्षों में ब्रिटेन का सकल घरेलू उत्पाद 347 प्रतिशत बढ़ा, जबकि भारत का घटता

गया। थरूर ने कहा, 'ब्रिटेन एक गरीब, अविकसित देश से मानव सभ्यता का केंद्र, समृद्धि, स्वर्ण और वाणिज्य का केंद्र बन गया। दूसरी ओर, भारत तीसरी दुनिया के अभाव, गरीबी, बीमारी, कुपोषण और पीड़ा का केंद्र बन गया।' 1800 के दशक में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का हिस्सा 23 प्रतिशत था, जो 1947 में घटकर मात्र 1.8 प्रतिशत रह गया। भारत के औपनिवेशिक इतिहास में ईस्ट इंडिया कंपनी की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा, 'ब्रिटेन एकरूप भारत के प्रत्यक्ष प्रतिरूपों से भरा पड़ा है। एक बात जो आप लोगों ने कभी नहीं की, वह है माफी मांगना।' थरूर ने कहा, 'ब्रिटिश साम्राज्य के उपनिवेशवाद से पहले भारत दुनिया का सबसे अमीर देश था। मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में भारत की विश्व अर्थव्यवस्था में 27 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।' कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि जब अंग्रेज कहते हैं कि हम औद्योगिक क्रांति की बस से चूक गये हैं, तो मेरा जवाब है: हम बस से चूक गये क्योंकि आपने हमें उसके पहियों के नीचे फेंक दिया। अंग्रेज आए और उन्होंने फलते-फूलते कपड़ा, जहाज निर्माण और इस्पात उद्योगों को नष्ट कर दिया।

राज्यपाल का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

बंगाल, तेलंगाना, हिमाचल की सुप्रीम कोर्ट में दलील

राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़ा मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन बुधवार को सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया। राज्यों ने कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है। वे केवल औपचारिक प्रमुख होते हैं। राज्यों ने कहा कि केंद्र सरकार कोर्ट के डेडलाइन लागू करने के फैसले

को चुनौती देकर संविधान की मूल भावना को कमजोर करना चाहती है। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

बच्चा बदलने के आरोप में एक निजी अस्पताल के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एक दंपति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एक अस्पताल के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग करने वाली माता-पिता की याचिका पर विचार करने वाला है, जिसने कथित तौर पर प्रसव के तुरंत बाद उनके लड़के को एक लड़की से बदल दिया था। न्यायमूर्ति मनोज कुमार और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रायपुर के एक निजी अस्पताल के निदेशक और उनकी पत्नी (जो अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं) के खिलाफ प्रसव के तुरंत बाद एक शिशु के अपहरण के कथित अपराध के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

याचिकाकर्ता का कहना है कि उसने निजी अस्पताल में एक लड़के और एक लड़की को जन्म दिया, लेकिन जल्द ही उसे पता

चला कि लड़के और लड़की की बजाय दो लड़कियां हैं। उसने शिकायत दर्ज कराई और उसके बाद डीएनए परीक्षण कराया गया, जिसमें पता चला कि एक लड़की का डीएनए उसके जैविक माता-पिता से मेल खाता है। हालांकि, दूसरी लड़की का डीएनए माता-पिता/याचिकाकर्ताओं से मेल नहीं खाता था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया, 'यह स्पष्ट रूप से बच्चे बदलने का मामला था।'

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, गहन जांच के बाद ही जांच का निर्देश दिया जाना चाहिए था, जबकि उच्च न्यायालय ने उपरोक्त पहलुओं की जांच किये बिना ही याचिका को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले पर विचार की आवश्यकता है। अब इस मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। उच्च न्यायालय ने छह विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर याचिका खारिज कर दी थी, जिसने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया था।

याचिकाकर्ताओं के वकील: अशोक कुमार पाणिग्रही, अधिवक्ता; जितेंद्र कुमार शर्मा, अधिवक्ता; चांद कुरैशी, एओआर। **मामले का विवरण:** उषा सिंह एवं अन्य बनाम छत्तीसगढ़ राज्य एवं अन्य।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 340 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले

गाजियाबाद में एक मंजिल तक घर डूबे, नोएडा में दिन में छाया अंधेरा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/चंडीगढ़/शिमला। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत पूरे उत्तर भारत में बुधवार को तेज बारिश के कारण नदियां उफान पर है। बाढ़ के कारण यहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों के कई हिस्सों में अगले 24 घंटे में तेज बारिश होने की आशंका है। दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में सुबह की बारिश के बाद पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर खतरे के निशान (205.33) से ज्यादा 207 मीटर तक पहुंच गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर 340 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हुई हैं। फ्लाइट ट्रैकर एजेंसी फ्लाइट रडार 24 के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 273 उड़ानों का डिपार्चर और 73 उड़ानों का अराइवल देरी से हुआ। यमुना

बाजार, ओल्ड उस्मानपुर, ओल्ड गढ़ी मेंडू, तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट समेत निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। बुधवार को सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। अब तक 12 हजार लोग घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जा चुके हैं।

आवश्यकता
G7 सिक्योरिटी गार्ड
Guard - 14000
Supervisor - 16000
In Hand Salary
CHOWKA HATA
Mobile No- 8969779654, 7004602184

बिहार चुनाव: अमित शाह के आवास पर हुई एनडीए की बैठक

जीतन राम मांझी ने की 20 सीटों की मांग

सीट शेयरिंग से लेकर राहुल की यात्रा तक पर हुई चर्चा

2020 में मांझी की पार्टी 7 सीटों पर चुनाव लड़ी थी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/पटना। दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर सीट शेयरिंग को लेकर एनडीए की बैठक हुई। बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता जीतन राम मांझी ने 20 सीटों की मांग कर दी है। उन्होंने कहा है कि आम लोगों की मांग भी है और मैं भी कहता हूं कि हमारी पार्टी को मान्यता दिलाने के लिए एनडीए के मन में अगर हमारे लिए सहानुभूति है तो हमें कम से कम 20 सीटें बिहार विधानसभा चुनाव में दें। इससे पहले सूत्रों के हवाले से खबर आयी थी कि एनडीए में

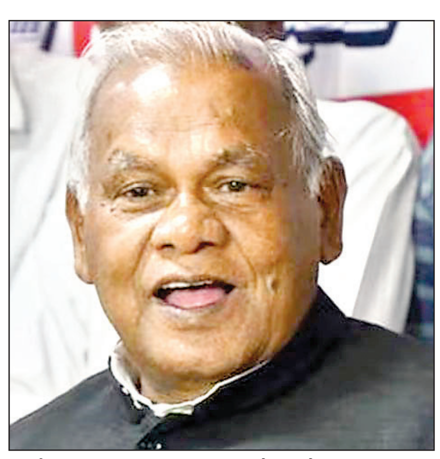

मांझी को 10 सीट मिलने जा रही है। 2020 में मांझी की पार्टी 7 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। बैठक में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, संगठन मंत्री भीखू भाई दलसानिया, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, सांसद संजय जायसवाल और वरिष्ठ नेता राधामोहन सिंह मौजूद थे।

सीट शेयरिंग से लेकर बिहार बंद तक पर चर्चा

अमित शाह की बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति, सीट बंटवारे की रूपरेखा, वोटर अधिकार यात्रा का फीडबैक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी-उनकी मां को अपमानित करने पर विपक्ष की प्रतिक्रिया जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही शाह यात्रा के दौरान जुटी भीड़ और लोगों की प्रतिक्रिया, संभावित प्रभाव, वोटरों पर असर और यात्रा से जुड़े घटनाक्रम पर नेताओं से राय लेंगे। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा वोटर लिस्ट से नाम कटने के दावे, उनके असर और सच्चाई पर भी चर्चा हो रही है।

जदयू 102 और भाजपा 101 सीट पर चुनाव लड़ेगी:

सूत्रों के मुताबिक जदयू 102 और भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 20, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 10-10 सीटें मिली हैं। हालांकि सीटों के बंटवारे को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। संभावना जतायी जा रही है कि एनडीए जल्द ही अधिकारिकतौर पर इसकी घोषणा करेगा।

Yogendra Mistri : 9199053376 Amin Macanic : 8617878251
NEW MOTOR KRAFT
(A Multi Brand Car Service Center)
SERVICE DENTING AND PAINTING BREAKDOWN SERVICE
AC WORK PICKUP AND DROP SERVICE FREE
Available Genuine Parts With Genuine Service Charges.
TATA SUZUKI HYUNDAI TOYOTA Mahindra

Add : Khelgaon Road, Khatanga, Ranchi, Jharkhand

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में चूहों ने दो नवजातों को काटा, दोनों की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

इंदौर। इंदौर स्थित महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवाईएच) में 24 अगस्त को 10 दिन की एक बच्ची (गुड़िया-सांकेतिक नाम) को उसके परिजन छोड़कर चले गये थे। 31 अगस्त को गुड़िया को सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले एनआईसीयू वॉर्ड में कथित तौर चूहों ने काट लिया और 2 सितंबर को गुड़िया की इलाज के दौरान मौत हो गयी। वहीं बुधवार दोपहर को लगभग 1 बजे एक और नवजात रोशन (सांकेतिक नाम) की भी मृत्यु हो गयी है। हालांकि

अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट का कहना है कि नवजातों की मौत की वजह अलग-अलग बीमारियां थीं। राज्य के चिकित्सा आयुक्त ने इस मामले में अस्पताल को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

अस्पताल का क्या है कहना?: हालांकि अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि दोनों बच्चों की मौत चूहे के काटने से नहीं, बल्कि गुड़िया की गंभीर जन्मजात दिल की बीमारी के कारण और रोशन की मौत इंफेक्शन की वजह से हुई है। अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव ने बीबीसी को बताया, 'यह एक दुखद और संवेदनशील घटना है लेकिन बच्ची की मौत चूहों के काटने से नहीं हुई है बल्कि वह पहले से ही जन्मजात गंभीर बीमारियों से लड़ रही थी और इसी के चलते उसकी मौत हो गयी।' अस्पताल प्रबंधन भले ही घटना के लिए जो भी सफाई पेश करे, लेकिन इस मामले ने अस्पताल में फैली लापरवाही को उजागर किया है।

इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने दो नर्सिंग ऑफिसर्स को निलंबित कर दिया है और कई अधिकारियों को नोटिस दिया है।

A-1 SUREJA INDUSTRIES
GO Green HURRY-E
CHARGE ANYWHERE
No Charging Station Required
3 Hours Charging Time

100 km Cost ₹15 | 3 Years Warranty | Range Upto 130-200 Kms As Per Model | Available in Registration & Non Registration Models
CONTACT FOR DEALERSHIP
J.K SALES
Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More, Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi
M.- 9386070011

VP VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० रांची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 150	Hindi	₹ 150
English	₹ 150	English	₹ 150
Mathematics	₹ 150	Mathematics	₹ 150
Science	₹ 150	Science	₹ 150
Social Science	₹ 150	Social Science	₹ 150
Sanskrit	₹ 150	Sanskrit	₹ 150
Hindi – B	₹ 150	Hindi – B	₹ 150
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 130	English Grammar– II	₹ 130
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 60	Hindi Practical	₹ 60
English Practical	₹ 60	English Practical	₹ 60
Maths. Practical	₹ 70	Maths. Practical	₹ 70
Science Practical	₹ 70	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 75	S. Science Practical	₹ 75
Sanskrit Practical	₹ 60	Sanskrit Practical	₹ 60
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 90
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 90
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 230
Science	₹ 220	Science	₹ 200
Social Science	₹ 230	Social Science	₹ 230
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 100	S. Science Practical	₹ 90

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**